



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-06082022-237979
CG-DL-E-06082022-237979

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 193]
No. 193]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 5, 2022/श्रावण 14, 1944
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 5, 2022/SHRAVANA 14, 1944

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)
अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना
नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2022

मामला सं. (एडीडी-ओआई-09/2021)

विषय: चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "रेसिन बॉडेड थिन व्हील" के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

क. मामले की पृष्ठभूमि

फा. सं. 6/09/2021-डीजीटीआर.—समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां आगे "अधिनियम" कहा गया है) तथा उसकी समय समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण एवं क्षति के निर्धारण हेतु) नियमावली (जिसे यहां आगे "नियमावली" भी कहा गया) को ध्यान में रखते हुए:

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां आगे "प्राधिकारी" कहा गया है) को मैसर्स ग्रिंडवैल नॉटर्न लिमिटेड और मैसर्स कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड (जिन्हें यहां आगे "आवेदक" कहा गया है) से एक आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें यह अनुरोध किया गया है कि चीन जन.गण. (जिसे यहां आगे "संबद्ध देश" कहा गया है) "रेसिन बॉडेड थिन व्हील" (जिसे यहां आगे "संबद्ध सामान" अथवा "विचाराधीन उत्पाद" अथवा "पीयूसी" भी कहा गया है) के आयातों पर

अधिनियम तथा नियमावली के तहत पाटनरोधी जांच की शुरुआत की जाए। आवेदकों ने आवेदन पत्र में निर्धारित सूचना दी है।

2. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथमदृष्टया साक्ष्य के आधार पर, संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने तथा पाटनरोधी शुल्क जो यदि लगाया जाए और घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की राशि की सिफारिश करने के लिए नियमावली के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क के अनुसार जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना 7 जून, 2021 की अधिसूचना सं. 6/9/2021-डीजीटीआर द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

ख. प्रक्रिया

3. इस जांच के संबंध में यहां नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- क. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्यवाही से पूर्व वर्तमान पाटनरोधी आवेदन-पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 7 जून, 2021 की सार्वजनिक सूचना जारी की।
- ग. प्राधिकारी ने दिनांक 7 जून, 2021 की जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातक/प्रयोक्ता एसोसिएशनों और आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार आयातक/प्रयोक्ता एसोसिएशन और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भेजी। हितबद्ध पक्षकारों को सलाह दी गई थी कि वे निर्धारित स्वरूप और तरीके में संगत सूचना उपलब्ध कराएं तथा नियमावली के नियम 6(2) और 6(4) के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने ज्ञात अनुरोध दें।
- घ. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में उसके दूतावास के माध्यम से संबद्ध देश की सरकार को और ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की प्रति उपलब्ध कराई।
- ङ. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से यह भी अनुरोध किया गया था कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली की प्रति संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पत्रों सहित उनको भेजी गई थी।
- च. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध पर हितबद्ध पक्षकारों को उनके उत्तर तथा अनुरोध दायर करने के लिए समय बढ़ाए जाने की स्वीकृति दी। दिनांक 27 जुलाई, 2021 के पत्र द्वारा समय 12 अगस्त, 2021 तक बढ़ाया गया था।
- छ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी:
 - i. चाइना मशीनरी इंडस्ट्री
 - ii. गुडविल टूल्स (संघाई) कं., लिमिटेड
 - iii. हेनान लकी टूल्स कं., लिमिटेड
 - iv. हिकोकी पावर टूल्स एशिया कं., लिमिटेड
 - v. जियांग्सु झेनयुआन टूल्स कं., लिमिटेड
 - vi. लांगफंग शेंगसेन एब्रासिक्स कंपनी लिमिटेड
 - vii. नानटोंग वोट एब्रासिक्स कंपनी लिमिटेड
 - viii. यू एंड के साईस ऐंड टेक कं. लिमिटेड

- ix. योंगकांग हार्डवेयर सिटी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
- x. योंगकांग सिल्वर स्टार एब्रासिव मटेरियल ग्राइंडिंग टूल कं, लिमिटेड
- xi. झेंगझोऊ यू एंड के इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेड
- ज. उपरोक्त अधिसूचना के उत्तर में, निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने उत्तर दिया और निर्यातक प्रभावली के उत्तर और/अथवा कानूनी अनुरोध प्रस्तुत किए:
 - i. लांगफंग शेंगसेन एब्रासिव्स कंपनी लिमिटेड
 - ii. झेजियांग शुआंगघी टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
 - iii. योंगकांग सिल्वर स्टार एब्रासिव मैटेरियल ग्राइंडिंग टूल कंपनी लिमिटेड
 - iv. स्केप्ट्रे इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
 - v. योंगकांग हार्डवेयर सिटी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लिमिटेड
 - vi. झेजियांग व्हाइट हॉर्स एब्रासिव्स कंपनी लिमिटेड
 - vii. यू एंड के सार्ईस एंड टेक कंपनी लिमिटेड
 - viii. झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रासिव व्हील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
 - ix. मैसर्स योंगतई (झेंगझोऊ) एब्रासिव्स कंपनी लिमिटेड
 - x. लिनयि दापेंग हार्डवेयर एंड एब्रासिव प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
 - xi. हेनान सिचेंग एब्रासिव कंपनी लिमिटेड
 - xii. सूचांग का इजी एब्रासिव कंपनी लिमिटेड
 - xiii. जियांगसु बॉडफ्लेक्स सुमेंग न्यू मैटेरियल कंपनी लिमिटेड
 - xiv. गुआंगडोंग चुआंगघुई इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड
 - xv. निंगबो दाहुआ होंगलियान ग्राइंडिंग व्हील कंपनी लिमिटेड
 - xvi. दाचेंग एब्रासिव टूल्स कंपनी लिमिटेड
 - xvii. हेनान न्यू यिचांग एब्रासिव्स कंपनी लिमिटेड
 - xviii. हेनान योउकई ग्राइंडिंग एब्रासिव्स कंपनी लिमिटेड
 - xix. हेनान लकी टूल्स कंपनी लिमिटेड
 - xx. लेंडमार्क एक्जिम (एचके) कंपनी लिमिटेड
 - xxi. झेंगझोऊ ग्राइंडिंग एब्रासिव्स कंपनी लिमिटेड
 - xxii. चाइना मशीनरी इंडस्ट्री इंटरनेशनल कोऑपरेशन कंपनी लिमिटेड
 - xxiii. मैसर्स हेनान दागुआंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
 - xxiv. बॉडफ्लेक्स इंडस्ट्रियल पीटीई लिमिटेड
 - xxv. चुआंग हुई (टाक यिंग) कंपनी लिमिटेड
 - xxvi. झेंगझोऊ चांग बिलियन एब्रासिव्स कंपनी लिमिटेड
 - xxvii. गुडविल टूल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड
 - xxviii. झेंगझोऊ यूएंडके इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड

- झ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक/प्रयोक्ता प्रश्नावलियां भेजी:
- ए.एम. इंटरप्राइजेज
 - अह्मद ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड
 - आइपल जोरो प्राइवेट लिमिटेड
 - बोस्च लिमिटेड
 - एफएमआई लिमिटेड
 - हिकोकी पावर टूल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
 - जेके फाइल्स (इंडिया) लिमिटेड
 - एलएसएल टूल्स प्राइवेट लिमिटेड
 - मकिता पावर टूल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
 - पावरटेक्स टूल्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
 - प्रिसिसिएन एब्रासिव्स
 - एस एम इम्पैक्स
 - टॉपलाइन ट्रेडिंग
 - विजय इंटरप्राइजेज
- ञ. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में, निम्नलिखित आयातकों अथवा प्रयोक्ताओं ने उत्तर दिए और आयातक/प्रयोक्ता प्रश्नावली के उत्तर और/अथवा कानूनी अनुरोध प्रस्तुत किए और/अथवा हितबद्ध पक्षकारों के रूप में पंजीकरण किया:
- मैसर्स एफएक्स पिग्मेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
 - प्रिसाइजन एब्रासिव्स एचयूएफ
 - प्रिसाइजन एब्रासिव्स प्राइवेट लिमिटेड
 - अह्मद ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड
 - इंडस्ट्रियल टूल्स कारपोरेशन
 - युरि टूल्स इम्पैक्स एलएलपी
 - एलएसएल टूल्स प्राइवेट
 - पावरटेक्स टूल्स कंपनी प्राइवेट
 - एआईपीएल जोरो प्राइवेट लिमिटेड-एनसीवी
- ट. उपरोक्त अधिसूचना के उत्तर में, चाइना चैम्बर ऑफ कॉमर्स फॉर इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ मशीनरी एंड इलैक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स ('सीसीसीएमई'), जो चीन जन.गण. से उत्पादक/निर्यातकों की एक एसोसिएशन है, ने भी कानूनी अनुरोध दायर किए।
- ठ. सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर उसमें, उन सबसे इस अनुरोध के साथ अपलोड की गई थी कि वे अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर ईमेल करें क्योंकि चल रही वैश्विक महामारी के कारण सार्वजनिक फाइल भौतिक रूप से पहुंच में नहीं थी।
- ड. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) 1 जनवरी, 2020 से 31 दिसंबर, 2020 (12 माह) है। क्षति विश्लेषण अवधि में अप्रैल, 2017- मार्च, 2018, अप्रैल, 2018- मार्च, 2019, अप्रैल, 2019 - मार्च, 2020 और जांच की अवधि शामिल है।

- ड. प्राधिकारी ने क्षति की अवधि और जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) और प्रणाली एवं आंकड़ा प्रबंधन महानिदेशालय(डीजीएस) से लेन-देनवार आयात आंकड़े प्राप्त किए और लेन-देनों की उचित जांच के बाद आंकड़ों का विश्लेषण किया।
- ण. सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध III के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना को ध्यान में रखते हुए भारत में संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत और बिक्री करने के लिए उपयुक्त लाभ के आधार पर क्षति रहित कीमत (जिसे यहां आगे “एनआईपी” कहा गया है) निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- त. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन का सत्यापन करने के लिए आवेदकों के संयंत्रों का दौरा किया। आवेदकों द्वारा दी गई सूचना का आवश्यक समझी गई सीमा तक प्राधिकारी द्वारा डेस्क सत्यापन किया गया था। आवश्यक संशोधन के साथ उस सत्यापित सूचना पर ही, जहां भी लागू था, इस अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए विश्वास किया गया है।
- थ. प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक टेबल अध्ययन के माध्यम से उत्तर-दाता निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना की जांच की गई थी। आवश्यक संशोधन के साथ उस सूचना पर ही, जहां कहीं भी लागू था, विश्वास किया गया है।
- द. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराएं।
- ध. जहां कहीं, किसी हितबद्ध पक्षकार ने सूचना देने से इंकार किया है अथवा अन्यथा जांच प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना नहीं दी है अथवा जांच में काफी बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे हितबद्ध पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मामले की जांच की है।
- न. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर अनुरोधों पर विचार करते हुए 19 जनवरी, 2022 को आयोजित सुनवाई में विचाराधीन उत्पाद और पीसीएन के संबंध में उनके विचार प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर भी प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में भाग लिया, उन्हें पीयूसी और पीसीएन के संबंध में उनके लिखित अनुरोध दायर करने का अवसर प्रदान किया गया था।
- प. प्राधिकारी ने अंतिम पीसीएन अधिसूचित किया और साथ ही दिनांक 17 फरवरी, 2022 के नोटिस द्वारा विचाराधीन उत्पाद के संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया।
- फ. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 12 अप्रैल, 2022 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर दिया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने और उसके बाद प्रत्युत्तर यदि कोई है, अनुरोध दायर करने का अनुरोध किया गया था।
- ब. एक सह-आवेदक, अर्थात्, कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड ने दिनांक 4 मई, 2022 के पत्र द्वारा आवेदक के रूप में वापसी कर ली परंतु दावा किया कि वह आवेदन पत्र और समर्थक के रूप में जांच का समर्थन जारी रखता है। घरेलू उद्योग के संघटन में परिवर्तन के मद्देनजर, सभी प्रतिभागी पक्षकारों को उनकी टिप्पणियों के लिए उपर्युक्त पत्र प्रचालित किया गया था, सभी हितबद्ध पक्षकारों को नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार 11 जुलाई, 2022 को आयोजित सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने का पुनः मौखिक सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया था। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था, उन्हें लिखित अनुरोध दायर करने और उसके बाद प्रत्युत्तर यदि कोई है, दायर करने का अवसर प्रदान किया गया था।

- भ. चूंकि जांच में भारी संख्या में उत्पादकों और निर्यातकों ने भाग लिया था और उनके उत्तरों तथा पीसीएन-वार आंकड़ों की जांच में सामान्य से बहुत अधिक समय लग रहा था। अतः प्राधिकारी ने जांच पूरी करने के लिए समय सीमा बढ़ाए जाने हेतु वित्त मंत्रालय से अनुरोध किया। वित्त मंत्रालय सहमत हो गया और जांच पूरी करने के लिए 6 अगस्त, 2022 तक का समय बढ़ाया।
- म. इस जांच में अनिवार्य तथ्यों से युक्त एक प्रकटन विवरण, जो अंतिम जांच परिणामों का आधार बनता, 29.07.2022 को हितबद्ध पक्षकारों को जारी किया गया था और हितबद्ध पक्षकारों को उस पर टिप्पणी करने के लिए 03.08.2022 तक का समय दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में संगत पाई गई सीमा तक विचार किया गया है।
- य. इस जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां भी संगत पाए गए हैं, को प्राधिकारी द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में हल कर दिया गया है।
- कक. इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में *** गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा दी गई सूचना और नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा मानी गई ऐसी सूचना दर्शाते हैं।
- खख. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर=75.02 रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच की शुरुआत के स्तर पर विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया गया था:-

“3. विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) “रेसिन बॉडेड थिन व्हील” है। विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग वेल्डिंग, कटिंग, नैगिंग के लिए फाउंडरी से प्राइमरी मेटल बाजार तक और कटिंग फेरस तथा नॉन-फेरस मैटेरियल तक विभिन्न क्षेत्रों में बाजार में किया जाता है। इसका विनिर्माण प्रैस पर व्हील की मॉल्लिंग की प्रक्रिया का इस्तेमाल करके और फिर ओवन्स में तपाकर तथा उसके बाद स्ट्रिपिंग और पैकिंग करके किया जाता है। निम्नलिखित प्रकार के रेसिन बॉडेड थिन व्हील विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल हैं:

- क) 300 एमएम से 356 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 12 इंच से 14 इंच के व्यास के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ख) 100 एमएम से 127 एमएम डायमीटर के अल्ट्रा-थिन व्हील्स जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 4 इंच से 5 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ग) 100 एमएम से 107 एमएम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्यतः 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है।
- घ) 178 एमएम से 180 एमएम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 7 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है।

4. संबद्ध उत्पाद सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय शीर्ष 68 के तहत वर्गीकृत है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

5. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और पीसीएन के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-
- i. पीसीएन वर्गीकरण विचाराधीन उत्पाद की विभिन्न किस्मों की लागतों और कीमतों में अंतरों को ध्यान में रखने के लिए अपर्याप्त है क्योंकि विभिन्न प्रकार के व्हील संबद्ध लागतों और कीमतों के संदर्भ में भिन्न हैं। घरेलू उद्योग अपनी उत्पाद सूची में इन अंतरों को खुद ही मानता है।
 - ii. डायमीटर, मोटाई और नेटिंग विचाराधीन उत्पाद की विशेषताएं हैं जो विचाराधीन उत्पाद की विभिन्न किस्मों का उत्पादन करने की कीमतों और लागतों को प्रभावित करते हैं और जिसके आधार पर पीसीएन निकाला जा सकता है।
 - iii. आवेदकों ने विचाराधीन उत्पाद की चार किस्मों की पहचान की है। तथापि, आवेदकों ने उत्पाद की विभिन्न किस्मों/रूपों के संबंध में अपूर्ण सूचना दी है। विचाराधीन उत्पाद की तीन श्रेणियां हैं अर्थात् (क) ब्लैक रेसिन

बॉडेड थिन व्हील (ख) मैरून/रेड रेसिन बॉडेड थिन व्हील और (ग) ग्रीन रेसिन बॉडेड थिन व्हील। यद्यपि इन व्हीलों में रंग के आधार पर बाजार स्थल में अंतर किया जाता है, तथापि, उनमें प्राथमिक रूप से अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं के आधार पर अंतर किया जाता है और वे कच्ची सामग्री, विनिर्माण प्रक्रिया, लक्ष्य बाजार, तकनीकी विशेषताओं, उपभोक्ता अवधारणा, लागत, कीमत, अंतिम अनुप्रयोग, आदि जैसे मानदंडों के संदर्भ में भिन्न होते हैं, जैसा कि नीचे विवरण में स्पष्ट किया गया है।

iv. निम्नलिखित मानदंडों से विचाराधीन उत्पाद की लागत और कीमत में अंतर आता है।

क. विचाराधीन उत्पाद की श्रेणी चाहे हरी, महरून/लाल अथवा काली हों।

ख. प्राइम अथवा गैर-प्राइम

v. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को परिभाषित करने में प्रयुक्त 'शामिल' हैं शब्द आवेदकों द्वारा प्रस्तावित पीसीएन पद्धति का विरोधाभास करते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में इन चार किस्मों को छोड़कर अन्य उत्पाद शामिल हैं। अतः, प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे स्पष्ट रूप से उल्लेख करें अथवा स्पष्ट करें कि विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र याचिका/जांच की शुरुआत की अधिसूचना में अभिज्ञात एब्रेजिव व्हील्स की चार भिन्न किस्मों तक सीमित है।

vi. भारतीय उद्योग ग्रीन रेसिन बॉडेड थिन व्हील का उत्पादन नहीं करता और नहीं कर सकता। अतः प्राधिकारी से अनुरोध कि वे उसे विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर करें। इसके अतिरिक्त, विचाराधीन उत्पाद की जिन किस्मों का जांच की अवधि के दौरान याचिकाकर्ताओं द्वारा वाणिज्यिक रूप से उत्पादन नहीं किया गया था, उन्हें विचाराधीन क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

vii. याचिका में कटिंग व्हील्स की प्रत्येक किस्म के लिए विवरण के आधार पर यह देखा जाएगा कि विचाराधीन उत्पाद में कटिंग मेटल्स के लिए केवल एब्रेजिंग व्हील शामिल हैं। आवश्यक प्रभावों से यह लकड़ी, टाइल, ग्लास और मार्बल जैसे गैर-धात्विक पदार्थों की कटिंग के लिए एब्रेजिव व्हील को बाहर करेगा।

viii. ग्राइंडिंग व्हील्स के प्रकारों और प्रयोगों के विवरण से यह देखा जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की किस्मों में सतह तैयार करने के लिए केवल ग्राइंडिंग व्हील्स शामिल हैं। अतः, पोलिस करने जैसे सतह की तैयारी के बाद की प्रक्रियाओं के लिए अपेक्षित ग्राइंडिंग व्हील विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं किए गए हैं।

ix. दूसरे पीसीएन अर्थात् "100 एमएम से 127 एमएम डायमीटर के अल्ट्रा व्हील, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच से 5 इंच के रूप में उल्लिखित किया जाता है" के संबंध में प्राधिकारी को व्हील्स की मोटाई के संदर्भ में "अल्ट्रा-थिन" शब्द का क्षेत्र स्पष्ट करना चाहिए। उत्तरदाताओं के अनुसार, 1.6 एमएम से अधिक की मोटाई अल्ट्रा थिन कटिंग व्हील नहीं कही जा सकती। प्राधिकारी को आवश्यक स्पष्टीकरण जारी करना चाहिए कि 4 इंच और 5 इंच के 1.6 एमएम से अधिक के कटिंग व्हील विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं हैं।

x. निम्नलिखित प्रकार की मदे उत्पाद क्षेत्र से अलग की जानी चाहिए:

i. अच्छी दिखाई देने वाली और निष्पादन वाली 107*1*16 एमएम अल्ट्रा-थिन कटिंग व्हील

ii. लंबे उपयोगी जीवन काल और तेजपन वाली 355*2.5*25 एमएम अल्ट्रा-थिन कटिंग

iii. औद्योगिक प्रयोग के लिए विशेषता में सख्त 100*2.5*16 एमएम जीसी डब्ल्यूए ग्राइंडिंग व्हील्स

iv. औद्योगिक प्रयोग के लिए विशेषता में सख्त 100*6*16 एमएम ग्राइंडिंग व्हील्स

v. औद्योगिक प्रयोग के लिए विशेषता में सख्त 125*6*22.23 एमएम ग्राइंडिंग व्हील्स

xi. प्राधिकारी द्वारा अंतिम रूप दी गई पीसीएन पद्धति अपर्याप्त है क्योंकि उन्होंने छह पीसीएन में से प्रत्येक के अंतर्गत विचाराधीन उत्पाद की मोटाई जैसे विचाराधीन उत्पाद की कीमत को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों के कारण होने वाली लागतों में अंतरों पर विचार नहीं किया है।

xii. सतह पालिसिंग और परिष्करण के लिए लचीले डब्ल्यूए और जीसी ग्राइंडिंग व्हील्स को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करें।

xiii. याचिकाकर्ताओं ने जांच की अवधि के दौरान 1 नेट के 4 इंच और 5 इंच कटिंग व्हील्स का विनिर्माण और बिक्री की है और इसीलिए इन व्हील्स को भी उत्पाद क्षेत्र से बाहर किया जाना चाहिए।

- xiv. क्योंकि, मापन की कई यूनिटें हैं और आवेदन-पत्र भार के आधार पर है। अतः आवेदकों के लिए भार आधार पर विभिन्न मात्राओं को परिवर्तित करने के लिए अपनाई गई पद्धति निर्दिष्ट करना अपेक्षित है।
- xv. ग्रीन रेसिन बॉडेड व्हील ग्रिट आकार, ग्रिट संरचना, और कठोरता जैसे गुण-धर्मों के संदर्भ में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और आपूर्ति किए गए व्हील से भिन्न है। ये विभिन्न गुण-धर्म कच्ची सामग्री के भिन्न संयोजन अर्थात् डब्ल्यूए (व्हाइट अमोनिया) और बीएफए (ब्राउन फ्यूज्ड अमोनिया) का प्रयोग करके प्राप्त किए जाते हैं। ग्रीन रेसिन बॉडेड व्हील ग्रिट आकार, ग्रिट संरचना, और कठोरता जैसे गुण-धर्मों के संदर्भ में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और आपूर्ति किए गए व्हील से भिन्न है। ये विभिन्न गुण-धर्म कच्ची सामग्री के भिन्न संयोजन अर्थात् डब्ल्यूए (व्हाइट अमोनिया) और बीएफए (ब्राउन फ्यूज्ड अमोनिया) का प्रयोग करके प्राप्त किए जाते हैं।
- xvi. ब्लैक और ग्रीन व्हील की उत्पादन लागत वास्तविक रूप से भिन्न है और स्वाभाविक है कि उनकी भिन्न भिन्न कीमतें हैं।
- xvii. ग्रीन व्हील्स का उत्पादन आवेदकों द्वारा नहीं किया जाता है और फिर भी उत्पाद क्षेत्र में शामिल किए गए हैं। तीन प्रकार के व्हील अर्थात् ब्लैक, ग्रीन और मैरून संबद्ध लागतों और कीमतों के संदर्भ में भिन्न हैं। आवेदकों ने बहुत ही व्यापक उत्पाद क्षेत्र माना है और यहां तक कि उनके द्वारा विनिर्मित न किए गए उत्पादों को भी शामिल किया है और इस प्रकार उन्हें बाहर किया जाना चाहिए।

ग.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

6. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और पीसीएन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

i. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित प्रकार के “रेसिन बॉडेड थिन व्हील्स है”

- क) 300 एमएम से 356 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 12 इंच से 14 इंच के व्यास के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ख) 100 एमएम से 127 एमएम डायमीटर के अल्ट्रा-थिन व्हील्स जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 4 इंच से 5 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ग) 100 एमएम से 107 एमएम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्यतः 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है।
- घ) 178 एमएम से 180 एमएम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 7 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है।

(जिन्हें यहां आगे “विचाराधीन उत्पाद” या “संबद्ध सामान” भी कहा गया है)

ii. हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से यह स्पष्ट करने का अनुरोध किया है कि कटिंग मेटल के लिए एब्रेजिव व्हील्स केवल विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किए गए हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने वर्चुअल बैठक के दौरान, प्राधिकारी से यह स्पष्ट करने का अनुरोध किया है कि मार्बल जैसे नॉन-मेटल की कटिंग के लिए प्रयुक्त एब्रेजिव व्हील विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं किए गए हैं। इस संदर्भ में घरेलू उद्योग का निम्नलिखित अनुरोध है:

- क) घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के सामान्य प्रयोग का ही उल्लेख किया है। तथापि, उसका प्रयोग प्लास्टिक आदि जैसे गैर-मेटल की कटिंग के लिए किया जा सकता है। यह नोट किया जाए कि एब्रेजिव ग्रेंस दूसरी सख्त सामग्री है। क्रेता विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। इसके प्रयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- ख) मार्बल कटिंग व्हील्स स्टील कोर वाले डायमंड के बने होते हैं और कच्ची सामग्री के रूप में एल्युमीनियम ऑक्साइड अथवा सिलिकॉन कारबाइड एब्रेजिव ग्रेंस का प्रयोग करके विनिर्मित नहीं किए जाते हैं। मार्बल कटिंग व्हील और पीयूसी कटिंग व्हील का एचएस कोड भी भिन्न है। एक हितबद्ध पक्षकार ने वर्चुअल बैठक के दौरान इस तथ्य को स्वीकार भी किया है।

ग) कटिंग व्हील्स (पीयूसी) और मार्बल कटिंग व्हील्स बिल्कुल भिन्न हैं। अतः, विचाराधीन उत्पाद से मार्बल कटिंग व्हील को अलग करना, यदि पीयूसी “प्लास्टिक पाइप”, “स्टील पाप्स” को अलग करना जैसा होगा।

- iii. हितबद्ध पक्षकारों ने एक स्पष्टीकरण की मांग करते समय, वर्चुअल बैठक के दौरान “मार्बल कटिंग व्हील” और “मार्बल पोलिशिंग व्हील” शब्द का प्रयोग करके परस्पर परिवर्तनीयता से प्राधिकारी को बहकाने का प्रत्येक संभव प्रयास किया है कि पोलिशिंग जैसी सतह की तैयारी के बाद की प्रक्रियाओं के लिए अपेक्षित ग्राइंडिंग व्हील विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं किए जाएंगे। इस संदर्भ में, यह अनुरोध है कि लचीला जीसी व्हील पीयूसी ग्राइंडिंग व्हील है जिसका प्रयोग मार्बल की पोलिशिंग के लिए भी किया जा सकता है। घरेलू उद्योग ने उसका विनिर्माण जांच की अवधि के दौरान किया है, उसके नमूना बीजक दायर किए गए थे। तदनुसार हितबद्ध पक्षकारों का यह स्पष्ट करने का अनुरोध कि पोलिशिंग जैसी सतह की तैयारी के बाद की प्रक्रियाओं के लिए अपेक्षित ग्राइंडिंग व्हील विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं किए जाएंगे, किसी औचित्य के बिना है और इसीलिए इंकार किया जाना चाहिए।
- iv. घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान ग्रीन व्हील्स का विनिर्माण किया है। नमूना प्रतियां प्राधिकारी के पास दायर की गई थी। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने ग्रीन व्हील्स का विनिर्माण करने वाले अपने संयंत्र का एक वीडियो भी साझा किया।
- v. रंग के कारण अंतर बहुत ही न्यूनतम (2 प्रतिशत से कम) है। इस संदर्भ में हमारे दावे को सिद्ध करने के लिए उसके विभिन्न रंगों के बीजकों की नमूना प्रतियां और निकटम तारीख दायर की गई थी। उपर्युक्त के पूर्वाग्रह के बिना यह भी नोट किया जाए कि यह अनिवार्य नहीं है कि घरेलू/भारतीय उद्योग को विचाराधीन उत्पाद की सभी उप-किस्मों/उप-ग्रेडों का उत्पादन करना चाहिए।
- vi. घरेलू उद्योग का यह भी अनुरोध है कि ग्रीन व्हील्स और अन्य व्हील्स में प्रयुक्त सामग्री में कोई अंतर नहीं है। निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है:
 - I. डाचेंग एब्राजिव टूल्स कंपनी लिमिटेड
 - II. गुडविल टूल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड
 - III. हेनान सिचेंग एब्रेजिक्स कंपनी लिमिटेड
 - IV. लिनयि देपेंग हार्डवेयर एंड एब्रेजिव प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड
 - V. सुचांग काइजी एब्रेजिव कंपनी लिमिटेड
- vii. उपर्युक्त उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा 24 जनवरी, 2021 को दायर अनुरोधों के संगत उद्धरण नीचे दिए गए हैं:

“विचाराधीन उत्पाद जो हरा, लाल और काला जैसे विभिन्न रंगों में आता है, के संबंध में हम यह समझते हैं कि व्हील्स पर रंग भिन्न हैं, जो भिन्न कलर ड्राई के प्रयोग के कारण है। मुख्य कच्ची सामग्री वही – एल्युमीनियम ऑक्साइड है....”
- viii. उपर्युक्त से यह पूर्णतः स्पष्ट है कि ग्रीन व्हील्स और अन्य व्हील्स में प्रयुक्त सामग्री के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों में कोई सहमति नहीं है। घरेलू उद्योग का यह भी अनुरोध है कि बिक्री कीमत में अंतर, यदि कोई है, मांग-आपूर्ति स्थिति, ऑर्डर की मात्रा आदि जैसे विभिन्न मानदंडों के कारण हैं न कि पूर्णतः लागत के आधार पर।
- ix. अट्टाईस (28) निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। तथापि, इनमें से किसी भी निर्यातक ने डायमीटर, मोटाई और नेटिंग के आधार पर पीसीएन बनाने का अनुरोध नहीं किया है जो यह दर्शाता है कि ये सभी मानदंड पीसीएन के प्रयोजन के लिए अनिवार्य नहीं हैं। यह उल्लेख करना अनपयुक्त नहीं है कि आयातकों अथवा एसोसिएशनों का पीसीएन के मुद्दे के संबंध में निभाने के लिए सीमित भूमिका है क्योंकि वे पाटन मार्जिन के लिए अथवा क्षति मार्जिन के लिए तुलना संबंधी कार्य में शामिल नहीं हैं। केवल घरेलू उद्योग के और निर्यातकों के आंकड़े की पीसीएन के लिए संगत है। जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है, किसी भी सहयोगी निर्यातक ने तुलना विश्लेषण के लिए उपर्युक्त कारकों को संगत नहीं माना है।

- x. मोटाई और नेटिंग अनिवार्य मानदंड नहीं हैं जो लागत और कीमत को प्रभावित करें, जैसाकि इस तथ्य से देखा जा सकता है कि 28 उत्तरदाता निर्यातकों में से किसी ने भी उस पर विचार करते हुए पीसीएन बनाने का अनुरोध नहीं किया है।
- xi. जहां तक पीसीएन के संदर्भ में अपनाए जाने वाले सिद्धांतों का संबंध है, प्राधिकारी का ध्यान चीन जन.गण., यूरोपीय संघ (ईयू), जापान और रूस से “एक्रीलोनाइट्राइल बुटाडीन रबड़ (एनबीआर) ” के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच (फा.सं. 6/18/2020-डीजीटीआर दिनांक 12 मई, 2021) की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें जेएससी क्रासनोयाक्स सिंथेटिक रबड़ प्लांट (रूसी उत्पादक/निर्यातक) ने पीसीएन निर्मित करने का अनुरोध किया था क्योंकि उत्पाद के एक्रीलोनाइट्राइल की मात्रा और मूनी विस्कसिटी के आधार पर विभिन्न ग्रेड हैं। प्राधिकारी ने विधिवत नोट किया है कि एसीएन की मात्रा और नूनी विस्कसिटी के आधार पर ये उत्पाद निम्न, मध्यम और उच्च एनबीआर में श्रेणीकृत किया जाता है। तथापि, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों के आधार पर प्राथमिक रूप से निर्यातक के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया:
- क. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन-पत्र में किसी पीसीएन वार विश्लेषण का प्रस्ताव नहीं किया है;
 - ख. इस उत्पाद के कोई सार्वभौमिक ज्ञात ग्रेड नहीं हैं;
 - ग. अन्य सहयोगी उत्पादकों और अन्य संबद्ध देशों के अन्य सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों से पीसीएन वार विश्लेषण के लिए कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ था;
 - घ. अधिकतर उत्पादन और बिक्री मध्यम एनबीआर में है;
 - ड. निर्यातक ने यह सिद्ध नहीं किया है कि विभिन्न ग्रेडों की उत्पादन लागत में किसी सीमा तक अंतर उत्पाद विशेषताओं में अंतर के कारण है।
- xii. उपर्युक्त के पूर्वाग्रह के बिना यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित रूप में डायमीटर के आधार पर पहले ही पीसीएन निकाला है:
- (i) 300 एमएम से 356 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 12 इंच से 14 इंच के व्यास के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
 - (ii) 100 एमएम से 127 एमएम डायमीटर के अल्ट्रा-थिन व्हील्स जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 4 इंच से 5 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
 - (iii) 100 एमएम से 107 एमएम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्यतः 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है।
 - (iv) 178 एमएम से 180 एमएम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 7 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है।
- xiii. घरेलू उद्योग ने इस तथ्य पर विचार करते हुए कटिंग व्हील (12 इंच से 12 इंच डायमीटर) और अल्ट्रा थिन व्हील (4 इंच से 5 इंच डायमीटर) के लिए रेंज का सुझाव दिया था कि इस सामान्य मापन अर्थात् एमटी डायमीटर और मोटाई में अंतर के प्रभाव को निष्क्रिय करेगा। उदाहरण के लिए, फ्लोट ग्लास के मामले में प्राधिकारी ने मोटाई में अंतरों के प्रभाव को निष्क्रिय करने के लिए और साथ ही आसानी के लिए मापन की यूनिट एमटी के रूप में मानी है। तथापि, यदि प्राधिकारी उपर्युक्त तथ्यों पर विचार करते हुए प्रत्येक डायमीटर के आधार पर, उसे वर्गीकृत करना उपयुक्त मानते हैं तो घरेलू उद्योग को कटिंग व्हील्स और अल्ट्रा थिन व्हील्स के लिए प्रत्येक डायमीटर के आधार पर सूचना देने में कोई कठिनाई नहीं है। विचाराधीन उत्पाद को भिन्न डायमीटर के आधार पर वर्गीकृत करने के बाद पीसीएन निम्नलिखित होंगे।
- i. 300 एमएम से 310 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 12 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
 - ii. 345 एमएम से 356 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 14 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
 - iii. 100 एमएम से 110 एमएम के अल्ट्रा-थिन व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;

- iv. 120 एमएम से 127 एमएम के अल्ट्रा-थिन व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 5 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- v. 100 एमएम से 107 एमएम के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- vi. 178 एमएम से 180 एमएम के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 7 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- xiv. नैटिंग के संबंध में घरेलू उद्योग प्राधिकारी का ध्यान निम्नलिखित तथ्यों की ओर आकर्षित करना चाहेगा:
- क. नैटिंग न तो बिक्री बीजक में और न ही किसी बिक्री दस्तावेज में उल्लिखित है जिसका अर्थ है कि इसका कीमत पर नगण्य अथवा कोई प्रभाव नहीं है;
- ख. नैटिंग आयात आंकड़ों की अधिकतर प्रविष्टियों में नहीं दिया जाता है (लगभग 81 प्रतिशत);
- ग. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने नैटिंग में अंतर के कारण लागत और बिक्री कीमत में अंतर की मात्रा नहीं दर्शाई है;
- घ. नैटिंग के संबंध में असामान्य और गैर-नियमित व्हीलों का हिस्सा आंशिक है। असामान्य व्हील का अर्थ अधिकतर बिक्री मात्रा वाले नैटिंग की संख्या के साथ व्हील्स को छोड़कर अन्य व्हील्स से है। उदाहरण के लिए, यदि किसी विशेष व्हील का विनिर्माण 1 या 2 नैटिंग का प्रयोग करके किया जाता है और 90 प्रतिशत से अधिक बिक्री 1 नैटिंग की है तो फिर 1 नैटिंग वाला व्हील सामान्य व्हील कहा जाता है और अन्य व्हील असामान्य व्हील कहे जाते हैं।
- xv. यदि को पक्षकार पीसीएन निर्मित करने के प्रयोजन के लिए किन्हीं परिवर्तकों का प्रस्ताव करता है तो उनके लिए उसी मानदंड के अंतर्गत भिन्न निर्धारण प्रदान करना अनिवार्य होता है। कृपया यह मानें कि ऐसे विवरणों के अभाव में दावे बिना किसी औचित्य के हैं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से किन्हीं टिप्पणियों के योग्य नहीं हैं और न ही वे माननीय प्राधिकारी के विचार के योग्य हैं। उपर्युक्त के पूर्वाग्रह के बिना प्राधिकारी का ध्यान निम्नलिखित तथ्यों की ओर आकर्षित किया जाता है:
- क) अट्टाईस (28) निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर कर दिया है। तथापि, उनमें से केवल दो (एक समूह) ने रंग और प्राइम/नॉन-प्राइम के आधार पर पीसीएन निर्मित करने का अनुरोध किया है और वह भी बिना किसी तर्क अथवा आधार के, साक्ष्य को एक तरफ रखकर।
- ख) यह दोहराया जाता है कि रंग किसी भी तरह संगत कारक नहीं है, जैसाकि संबंधित निर्यातकों द्वारा भी स्वीकार किया गया कि उत्पाद को बाजार में रंग के आधार पर अलग नहीं किया जाता बल्कि अन्य मानदंडों के आधार पर अलग किया जाता है। जहां तक प्राइम/नॉन प्राइम का संबंध है, उपर्युक्त निर्यातकों ने कोई सूचना नहीं दी है। यह भी दोहराया जाता है कि “अन्य मानदंडों” के लिए भी कोई सूचना, आधार अथवा साक्ष्य नहीं दिया गया है।
- ग) रंग के कारण लागत में अंतर भी नगण्य है। कीमत मुख्य रूप से मांग और आपूर्ति बलों पर निर्भर करती है। इसके अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकारों ने भी रंग में अंतर के कारण उत्पाद की लागत और कीमत में अंतर नहीं बताया है।
- घ) प्राइम और नॉन-प्राइम केवल नाम हैं जो मुख्य रूप से हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा किए गए बताए न जाने वाले अनिवार्य मानदंडों (उपभोक्ता अवधारणा, लक्ष्य बाजार आदि) पर आधारित हैं। प्राइम और नॉन-प्राइम इस उत्पाद का सारभौमिक ज्ञात ग्रेड नहीं है।
- उपर्युक्त के अतिरिक्त, प्राधिकारी का ध्यान चीन जन.गण., जापान, कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताईवान, थाइलैंड और यूएसए से स्टेनलेस स्टील के कोल्ड-रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच की ओर आकर्षित किया जाता है

(फा.सं. 14/6/2008-डीजीएडी दिनांक 24 नवंबर, 2009), जिसमें प्राधिकारी ने प्राइम और नॉन प्राइम के बीच कोई भेद नहीं किया है।

ड) पीसीएन निर्मित करने के लिए अनुरोध करते हुए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए अनिवार्य मानदंड निर्धारणीय नहीं हैं। उदाहरण के लिए, हितबद्ध पक्षकारों ने ग्राहक अवधारणा, लक्ष्य बाजार आदि को पीसीएन तैयार करने के प्रयोजन के लिए अनिवार्य मानदंडों के रूप में उल्लिखित किया है। तथापि, उनको निर्धारित नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है। यह नोट किया जाए कि हितबद्ध पक्षकारों ने भी विभिन्न रंगों तथा प्राइम और नॉन-प्राइम के विचाराधीन उत्पाद की विनिर्माण प्रक्रिया में अंतर के ब्यौरे नहीं दिए हैं। यह अनुरोध है कि विभिन्न रंगों और ग्रेडों के विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने की विनिर्माण प्रक्रिया समान है।

- xvi. चौदह (14) निर्यातकों ने वर्चुअल बैठक से पूर्व अथवा वर्चुअल बैठक के दौरान विचाराधीन उत्पाद और पीसीएन के संबंध में कोई भी अनुरोध नहीं किए हैं, यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि विचाराधीन उत्पाद और पीसीएन के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे बेकार और बिना किसी सार के हैं।
- xvii. पीसीएन निर्मित करने का अनुरोध करते हुए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए अधिकतर मानदंड मूर्त अथवा प्रकृति में निर्धारणीय नहीं हैं।
- xviii. विचाराधीन उत्पाद में वे केवल चार किस्मे शामिल हैं, जो जांच की शुरुआत की सूचना में परिभाषित किया गया है।
- xix. आवेदन-पत्र में दिए गए प्रकार्यों और प्रयोगों के ब्यौरे केवल प्रमुख अनुप्रयोग दर्शाते हैं जिनमें विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग किया जा सकता है। क्रेता अन्य अनुप्रयोगों में अपनी प्राथमिकता के अनुसार उसका प्रयोग कर सकते हैं।
- xx. उपर्युक्त के पूर्वाग्रह के बिना यह अनुरोध है कि प्रयोग अथवा अनुप्रयोग के आधार पर हटाए जाने का कार्य नहीं किया जा सकता क्योंकि इस प्रकार उसे हटाया जाना पाटनरोधी कानूनों के विपरीत होगा और इससे शुल्कों की प्रवृत्ति भी होगी।
- xxi. घरेलू उद्योग प्राधिकारी से 1.6 एमएम तक की मोटाई वाले व्हील (और +0.15 एमएम की टालरेंस) के संदर्भ में “अल्ट्रा-थिन व्हील” शब्द पर विचार करने का अनुरोध करता है। भारतीय मानक भी 0.4 एमएम से 1.6 एमएम तक की रेंज में आने वाले संबद्ध सामानों के लिए +/-0.15 एमएम का टालरेंस स्तर निर्धारित करता है।
- xxii. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित प्रकार के पीयूसी का निर्माण और बिक्री की है।

क. अच्छे दिखाई देने वाले और निष्पादन वाले 107*1*16 एमएम अल्ट्रा थिन कटिंग व्हील।

ख. लंबे उपयोगी जीवन-काल और शार्पनस वाले 355*2.5*25.4 एमएम अल्ट्रा थिन कटिंग व्हील।

ग. औद्योगिक प्रयोग के लिए विशेषता में मजबूत 100*2.5*16 एमएम जीसी डब्ल्यूए ग्राइंडिंग व्हील्स।

घ. औद्योगिक प्रयोग के लिए विशेषता में मजबूत 100*6*16 एमएम वाले ग्राइंडिंग व्हील्स।

- xxiii. जहां तक “औद्योगिक प्रयोग के लिए विशेषता में मजबूत “125*6*22.23 एमएम ग्राइंडिंग व्हील्स” को बाहर करने का संबंध है, यह नोट किया जाए कि विचाराधीन उत्पाद 107 एमएम से अधिक और 178एमएम से कम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील को शामिल नहीं करता। तदनुसार, यह ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं है।
- xxiv. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से सतह की पालिशिंग/परिष्करण के लिए लचीले डब्ल्यूए और जीसी ग्राइंडिंग व्हील को अलग करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के संबंध में घरेलू उद्योग निम्नलिखित अनुरोध करता है:
 - क. घरेलू उद्योग ने लचीले डब्ल्यूए और जीसी ग्राइंडिंग व्हील का विनिर्माण और बिक्री की है। उसके बीजकों की नमूना प्रतियां पहले ही प्राधिकारी के पास दायर की गई थी।

ख. उपर्युक्त के पूर्वाग्रह के बिना कानून के तहत ऐसी कोई अपेक्षा नहीं है कि घरेलू उद्योग को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक डायमीटर/मोटाई, आदि का उत्पादन करना चाहिए।

xxv. जहां तक 1 नेट के 4 इंच और 5 इंच कटिंग व्हील्स को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध का संबंध है घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग ने 1 नेट के 4 इंच और 5 इंच कटिंग व्हील का विनिर्माण और बिक्री की है। घरेलू उद्योग ने पहले ही प्राधिकारी के पास ग्लास फाइबर डिस्क (जीएफडी) वार उत्पादन पाटन साझा किया है। प्राधिकारी ने दिनांक 7 फरवरी, 2022 के अपने नोटिस द्वारा जारी पीसीएन में नेटिंग पर भी विचार नहीं किया है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद जांच की शुरुआत के स्तर पर निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया गया था:

“3. विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) “रेसिन बॉडेड थिन व्हील” है। विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग वेल्डिंग, कटिंग, नैगिंग के लिए फाउंडरी से प्राइमरी मेटल बाजार तक और कटिंग फेरस तथा नॉन-फेरस मैटिरियल तक विभिन्न क्षेत्रों में बाजार में किया जाता है। इसका विनिर्माण प्रैस पर व्हील की मॉलिंग की प्रक्रिया का इस्तेमाल करके और फिर ओवन्स में तपाकर तथा उसके बाद स्ट्रिपिंग और पैकिंग करके किया जाता है। निम्नलिखित प्रकार के रेसिन बॉडेड थिन व्हील विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल हैं:

- क) 300 एमएम से 356 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 12 इंच से 14 इंच के व्यास के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ख) 100 एमएम से 127 एमएम डायमीटर के अल्ट्रा-थिन व्हील्स जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 4 इंच से 5 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ग) 100 एमएम से 107 एमएम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्यतः 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है।
- घ) 178 एमएम से 180 एमएम डायमीटर के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से क्रमशः 7 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है।

4. संबद्ध उत्पाद सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय शीर्ष 68 के तहत वर्गीकृत है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

8. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और विभिन्न अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और दिए गए तर्कों के आधार पर सभी हितबद्ध पक्षकारों को 19 जनवरी, 2022 को आयोजित सुनवाई में विचाराधीन उत्पाद और पीसीएन के संबंध में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था, उन सभी पक्षकारों को पीयूसी और पीसीएन के संबंध में अपने लिखित अनुरोध दायर करने का अवसर प्रदान किया गया था। उसके बाद, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच पर प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए पीसीएन पद्धति को अंतिम रूप दिया और दिनांक 17 फरवरी, 2022 के आदेश के माध्यम से पीयूसी के संदर्भ में स्पष्टीकरण जारी किया। फिर सभी हितबद्ध पक्षकारों से 24 फरवरी, 2022 तक अंतिम रूप से निर्धारित की गई पीसीएन पद्धति के आधार पर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। अंतिम रूप दी गई पीसीएन पद्धति जांच की अवधि के दौरान उत्पादित उत्पादों के लिए घरेलू उद्योग को हो रही वास्तविक क्षति और पाटन का मूल्यांकन करने के लिए लागू की जाएगी।

9. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार करते हुए, वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित पीसीएन पर विचार किया है:-

- क) 300 एमएम से 310 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 12 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ख) 345 एमएम से 356 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 14 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;

- ग) 100 एमएम से 110 एमएम के अल्ट्रा-थिन व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- घ) 120 एमएम से 127 एमएम के अल्ट्रा-थिन व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 5 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ड.) 100 एमएम से 107 एमएम के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- च) 178 एमएम से 180 एमएम के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 7 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
10. प्राधिकारी प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निम्नलिखित स्पष्टीकरण जारी किए हैं:
- क. विचाराधीन उत्पाद केवल 6 पीसीएन तक सीमित है, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है।
- ख. रेसिन बॉडेड एब्रेसिब्स को छोड़कर कच्ची सामग्री से बनाए गए कटिंग/ग्राइंडिंग व्हील्स विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।
- ग. अल्ट्रा-थिन व्हील्स ± 0.15 एमएम की टोलरेंस वाले 1.6 एमएम तक की मोटाई के कटिंग व्हील्स शामिल करते हैं।
11. जहां तक ग्रीन रेसिन बॉडेड थिन व्हील्स को बाहर किए जाने के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान ग्रीन रेसिन बॉडेड थिन व्हील्स का निर्माण और बिक्री की है। घरेलू उद्योग ने ग्रीन व्हील्स के बीजकों की नमूनाकृत प्रतियां भी उपलब्ध कराई हैं। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि इन्हें विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर न किया जाए।
12. हितबद्ध पक्षकारों के यह स्पष्ट करने के अनुरोध के संबंध में कि विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र याचिका/जांच की शुरुआत में अभिज्ञात एब्रेजिव व्हील की चार विभिन्न किस्मों तक सीमित है, यह नोट किया जाता है कि इस संदर्भ में स्पष्टीकरण पहले ही 17 फरवरी, 2022 की अधिसूचना में दिया गया था।
13. अपनाई गई पद्धति को भार के आधार पर विभिन्न मात्राओं में परिवर्तित करने के संबंध में यह नोट किया जाता है कि लगभग सभी प्रविष्टियों में मात्रा भार (कि.ग्रा.) तथा मापन की विभिन्न यूनिट, दोनों में दी जाती है। यदि मात्रा के कॉलम में भार नहीं दिया जाता है तो भार का परिकलन विवरण में दी गई सूचना का प्रयोग करके किया जाता है। इसके अतिरिक्त, सामान्य मापन अर्थात् एमटी डायमीटर और मोटाई में अंतर के प्रभाव को निष्क्रिय करेगा।
14. जहां तक पालिशिंग और निम्नलिखित थिन-व्हील्स जैसी सतह की तैयारी के बाद की प्रक्रियाओं के लिए अपेक्षित ग्राइंडिंग व्हील्स को बाहर किए जाने के अनुरोध का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान इन किस्मों के विनिर्माण और बिक्री के साक्ष्य दिए हैं। अतः, प्राधिकारी ने इन्हें विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर न करना निर्धारित किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार को कोई कठिनाई न हो, यह दिनांक 17 फरवरी, 2022 की अधिसूचना के माध्यम से पूरी तरह स्पष्ट किया गया है कि रेसिन बॉडेड एब्रेजिब्स को छोड़कर कच्ची सामग्री से बने कटिंग/ग्राइंडिंग व्हील्स विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।
15. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध सामान भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशेषियों, कीमत, वितरण एवं विपणन और सामनों का प्रशुल्क वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने इन दोनों का प्रयोग परस्पर परिवर्तनीय रूप से किया है और कर रहे हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वस्तु हैं।
16. इस प्रकार, विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:
- “निम्नलिखित किस्मों/पीसीएन के रेजिन बॉडेड थिन व्हील्स

- क) 300 एमएम से 310 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 12 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ख) 345 एमएम से 356 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 14 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ग) 100 एमएम से 110 एमएम के अल्ट्रा-थिन व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- घ) 120 एमएम से 127 एमएम के अल्ट्रा-थिन व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 5 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ड.) 100 एमएम से 107 एमएम के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- च) 178 एमएम से 180 एमएम के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 7 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;

17. यह स्पष्ट किया जाता है कि:

- क. विचाराधीन उत्पाद केवल 6 पीसीएन तक सीमित है, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है।
- ख. रेसिन बॉन्डेड एब्रेसिक्स को छोड़कर कच्ची सामग्री से बनाए गए कटिंग/ग्राइंडिंग व्हील्स विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।
- ग. अल्ट्रा-थिन व्हील्स ± 0.15 एमएम की टोलरेंस वाले 1.6 एमएम तक की मोटाई के कटिंग व्हील्स शामिल करते हैं।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

18. घरेलू उद्योग और उसके आधार के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. आवेदक कंपनियां संबद्ध देश में संबद्ध सामानों के उत्पादकों और निर्यातकों से संबद्ध हैं और खुद विचाराधीन उत्पाद के आयातक हैं।
- ii. आवेदकों ने घरेलू उत्पादकों की सूची से संबद्ध सामानों के कुछ भारतीय उत्पादकों को अलग किया है। यदि घरेलू उत्पादकों की सूची अपने आप में अपूर्ण है तो इसका अर्थ है कि खुद भारतीय उत्पादन की मात्रा गलत है। और यदि खुद निर्धारित भारतीय उत्पादन कम किया जाता है तो आधार का निर्धारण कमीपूर्ण है।
- iii. याचिका के अनुसार भारत में संबद्ध सामानों के 15 उत्पादक हैं। तथापि, प्राधिकारी के समक्ष क्षति का दावा करने के लिए केवल दो उत्पादक आए हैं। आश्चर्यजनक रूप से शेष 13 उत्पादकों ने न तो आवेदन पत्र का समर्थन किया है और न ही उसका विरोध किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि वे भारी लाभ कमा रहे हैं और संबद्ध देश से आयातों से उन्हें कोई क्षति नहीं हो रही है। इसीलिए, वे प्राधिकारी के समक्ष नहीं हैं। जिन उत्पादकों को किन्हीं कारणों से हानियां हो रही हैं वे पाटनरोधी उपायों का लाभ लेने के लिए प्राधिकारी के समक्ष हैं। प्राधिकारी को स्थिति के वास्तविक तथ्यों की पहचान करने के लिए अन्य उत्पादकों से सूचना मंगानी चाहिए।
- iv. ग्रिंडवैल और सीयूएमआई ने जांच की अवधि के दौरान ही क्रमशः 8.5 करोड़ रु. और 3.5 करोड़ रु. से अधिक निर्धारणीय मूल्य के संबद्ध सामानों का आयात किया है। घरेलू उद्योग को यह दर्शाने की भी आवश्यकता है कि घरेलू उद्योग उत्पादन और बिक्री करता आ रहा है।
- v. आवेदकों ने अपने संबंध और आयातों के संबंध में आंशिक घोषणाएं की हैं। केवल मैसर्स कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड की घोषणा कंपनी द्वारा आयातों के संबंध में है और कंपनी ने उल्लेख किया कि कुछ "स्पेशल" ग्रेड हैं, जिनका आयात किया जा रहा है और इनका, उनके द्वारा उत्पादन नहीं किया जा रहा है। मैसर्स ग्रीनवैल नार्टन लिमिटेड की घोषणा में यह निर्दिष्ट नहीं किया गया है कि संबद्ध निर्यातक ने भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है या नहीं।

- vi. आवेदकों द्वारा दी गई घरेलू उत्पादकों की सूची अपूर्ण है क्योंकि एमडीए एग्नेजिव ग्रुप, क्रिस्टल एग्नेजिक्स और बीजीसी इंडिया एमएफजी प्राइवेट लिमिटेड जैसे कुछ भारतीय उत्पादकों को बाहर किया गया था और इसका अर्थ है कि भारतीय उत्पादन का मात्राकरण अपने आप में गलत है।
- vii. ग्राइंडवैल नार्टन लिमिटेड को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा क्योंकि न तो ग्रीनवैल और न उनकी संबद्ध कंपनी ने क्रमशः आयातक तथा संबद्ध निर्यातक की हैसियत से प्राधिकारी के पास प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। प्राधिकारी को निम्नलिखित तथ्यों की जांच करनी चाहिए:
 - संबद्ध कंपनी पर किसका नियंत्रण है,
 - एक दूसरे पर उनका कितना नियंत्रण है, आदि
 - किस आधार पर फिर भी प्राधिकारी ने ग्रीनवैल नार्टन लिमिटेड को घरेलू उद्योग के भाग के रूप में माना है।
- viii. जीएनओ के पास नियम 2(ख) के साथ पठित नियम 5(3) के तहत घरेलू उद्योग बनने का कोई आधार नहीं है। प्राधिकारी को जांच करनी चाहिए कि क्या जीएनओ, सीयूएमआई के समर्थन के बिना भी घरेलू उद्योग है।
- ix. वह आधार (आवेदन-पत्र) जिस पर वर्तमान जांच शुरू की गई थी, घरेलू उद्योग के आधार में परिवर्तन के कारण मौजूद नहीं रहेगा। घरेलू उद्योग ने पत्र में स्पष्ट नहीं किया है कि सीयूएमआई के वापस हो जाने के बाद भी जीएनओ का पूर्णतः घरेलू उद्योग बनने के लिए काफी उत्पादन प्रतिशत है।
- x. यह जांच रद्द की जानी चाहिए क्योंकि जीएनओ का कुल घरेलू उत्पादन में 50 प्रतिशत से कम मानदंड है और वह नियम 5(3) के मानदंड को पूरा नहीं करता। नियम 5(3) के तहत 25 प्रतिशत परीक्षण और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत प्रमुख अनुपात का परीक्षण केवल जीएनओ के संशोधित आंकड़ों के आधार पर पुनः निर्धारित किए जाने चाहिए क्योंकि अनुरोध किए गए आंकड़े देने में सीयूएमआई का असहयोग उसे या तो याचिकाकर्ता या मामले में समर्थक के रूप में माने जाने के लिए अपात्र बनाता है।
- xi. प्राधिकारी ने विगत में भी इन्हीं आधारों पर जांच रद्द की है और निरस्तीकरण आदेश जारी किया गया है था: यूरोपीय संघ से थियोनाइल क्लोराइड, दिनांक 11 दिसंबर, 2009, वियतनाम से 6 एमएम मोटाई वाले प्लेन मीडियम डेनसिटी फाइबर बोर्ड दिनांक 7 मई, 2021, चीन जन.गण. से सेल्फ-एडेसिव पोलिबिनाइल क्लोराइड फिल्म दिनांक 3 अगस्त, 2021, वियतनाम से 6 एमएम और उससे अधिक मोटाई वाले प्लेन मीडियम डेनसिटी फाइबर बोर्ड की निर्णायक समीक्षा, दिनांक 13 सितंबर, 2021, थाइलैंड से फ्लेक्सीबल स्लैबस्टॉक पोलबोल की निर्णायक समीक्षा, दिनांक 30 दिसंबर, 2021. द्विपक्षीय रक्षोपाय नियमावली, 2017 के तहत जापान से भारत में पीवीसी सर्पेंशन ग्रेड रेसिन की द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच, दिनांक 23 जुलाई, 2021.
- xii. याचिकाकर्ता को परिवर्तित परिस्थितियों में मामला शुरू करने के की आवश्यकता सिद्ध करते हुए, संशोधित याचिका दायर करने के निर्देश दिए जाने चाहिए।
- xiii. जीएनओ का वर्तमान जांच में आधार नहीं है। जीएनओ संबद्ध सामानों का एक आयातक है। यह निर्दिष्ट नहीं किया गया है कि संबद्ध निर्यातक ने संबद्ध सामानों का भारत को निर्यात किया है अथवा नहीं।
- xiv. यदि जीएनओ के प्रत्येक पीसीएन के उत्पादन और बिक्री की तुलना चीन से किए गए जीएनओ के आयातों के साथ की जाए तो यह बात सामने आएगी कि जीएनओ का चरित्र 4 इंच कटिंग व्हील्स और 14 इंच कटिंग व्हील्स के आयातक और व्यापारी का है।
- xv. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के तहत जीएनओ घरेलू उद्योग बनने से कानूनी रूप से अयोग्य है क्योंकि वह संबद्ध देश में पाटित वस्तु के उत्पादक से संबद्ध है। चीन की कारपोरेट रजिस्ट्री पर विश्वास किया जा सकता है, जो यह दर्शाती है कि सेंट गोबेन एग्नेजिक्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. एग्नेजिक्स के उत्पादन में लगी है।

घ.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

19. घरेलू उद्योग और आधार के संबंध में, घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
 - i. आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से भारत में संबद्ध सामानों के किसी आयातक से संबद्ध नहीं हैं।

- ii. मैसर्स कार्बोरेडम यूनिवर्सल लिमिटेड संबद्ध देश में एक निर्यातक से संबद्ध है। तथापि, केवल एक विशेष ग्रेड उसकी संबद्ध कंपनी से आयात किया गया था, जिसका उस अवधि के दौरान कंपनी द्वारा विनिर्माण नहीं किया गया था।
- iii. आवेदक द्वारा किए गए आयातों की मात्रा कुल आयातों और देश में मांग की तुलना में नगण्य है।
- iv. प्राधिकारी ने संयंत्र सत्यापन प्रक्रिया के भाग के रूप में कुछ व्यापारिक सूचना प्रदान करने के लिए कार्बोरेडम यूनिवर्सल लिमिटेड (सीयूएमआई) से अनुरोध किया था जिसे सीयूएमआई ने इन कारणों का उल्लेख करते हुए नहीं दिया कि मांगी गई सूचना अत्यधिक व्यापार संवेदी है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद इंजीनियर्ड रेसाइप-आधारित उत्पाद है तथा जिसके प्रकट करने से उनके लिए गंभीर व्यापारिक परिणाम हो सकते हैं, साथ ही यह कि मांगी गई सूचना एग्रेजिव डिवीजन की टीम के पास उपलब्ध नहीं है जिसके अन्तर्गत विचाराधीन उत्पाद आता है। तदनुसार, सीयूएमआई इस जांच से आवेदक के रूप में हट गया है। तथापि, सीयूएमआई आवेदन-पत्र और पाटनरोधी नियमावली (जिसे इसके बाद “नियमावली” कहा गया है) के अनुसार उपर्युक्त जांच में समर्थक के रूप में, समर्थन करता रहेगा।
- v. समर्थक के रूप में सीयूएमआई सहित जीएनओ का भारतीय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। अतः, आवेदक नियम 2(ख) के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग है और साथ ही उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंडों को पूरा करता है।
- vi. उपर्युक्त के पूर्वाग्रह के बिना यह अनुरोध है कि विद्यमान सुस्थापित परिपाटियों के साथ उपर्युक्त नियम 5(3) के साथ पठित नियम 2(ख) के प्रावधानों के अनुसार “प्रमुख अनुपात” शब्द सामान्यतः उस उत्पादन की मात्रा मानने के लिए समझा जाता है। चूंकि देश में पात्र घरेलू उद्योग द्वारा कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत से अधिक है। इसके अतिरिक्त, यह अनुरोध किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के किसी भी घरेलू उत्पादक से जांच की शुरुआत का कोई विरोध होने की स्थिति में ही घरेलू उद्योग को 50 प्रतिशत परीक्षण के लिए परीक्षित किया जाना होता है। प्राधिकारी ने नियम पुस्तक के पैरा सं. 4.9.11 (iii) और (iv) में उसका स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है और साथ ही जांचों के परिदृश्य में समान दृष्टिकोण लिया है। नियम पुस्तक तथा प्राधिकारी के विगत जांच परिणामों से संगत उद्धरण इस संदर्भ में इस दृष्टिकोण को सिद्ध करने के लिए नीचे दिए गए हैं:

नियम पुस्तक के संगत उद्धरण

4.9.11 “बहुत से उत्पादकों के मामले में उन्हें विभिन्न श्रेणियों में स्पष्ट रूप से अभिज्ञात किया जाना चाहिए, जैसे: (1) आवेदक उत्पादक; (2) समर्थक उत्पादक; (3) आवेदन-पत्र का विरोध करने वाले उत्पादक; और (4) निष्क्रिय अथवा ज्ञात मौन उत्पादक, जो न तो समर्थन कर रहे हैं और न विरोधी कर रहे हैं। इस श्रेणीकरण से 25 प्रतिशत और 50 प्रतिशत पात्रता परीक्षण लागू करने में मदद मिलेगी। यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि उपर्युक्त दोहरे परीक्षण केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में ही किए जाने होते हैं, जैसाकि पूर्व अध्याय में परिभाषित किया गया है और निर्धारण केवल मात्रा संबंधी आंकड़ों के आधार पर होना चाहिए।

(i)....

(ii)....

(iii) विद्यमान स्थापित परिपाटियों सहित नियम 5(3) के साथ पठित नियम 2(ख) के प्रावधानों के अनुसार “प्रमुख अनुपात” सामान्यतः उस उत्पादन की मात्रा के अर्थ के लिए समझा जाता है जो देश में पात्र घरेलू उद्योग द्वारा कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत से अधिक है।

(iv) विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के किसी घरेलू उत्पादक से जांच की शुरुआत के किसी विरोध की स्थिति में घरेलू उद्योग का 50 प्रतिशत परीक्षण के लिए परीक्षण किया जाना होता है। ऐसी स्थिति में यह देखे जाने की आवश्यकता होती है कि समर्थकों सहित आवेदक उत्पादकों का सामूहिक उत्पादन आवेदन-पत्र का विरोध करने वाले पात्र घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन से अधिक है। यहां उन उत्पादकों के उत्पादन जो आवेदन-पत्र पर कोई मद व्यक्त नहीं करते, पर विचार नहीं किया जाएगा।”

अंतिम जांच परिणाम (व्याख्यात्मक) के संगत उद्धरण

- i. चीन जन.गण., इंडोनेशिया, मलेशिया और थाइलैंड से पालिएस्टर स्टैपल फाइबर के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच अंतिम जांच परिणाम संख्या 14/49/2016-डीजीएडी दिनांक 25 जनवरी, 2018)

“17. नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार, जांच किए जाने पर याचिकाकर्ताओं का वर्तमान याचिका दायर करने के लिए स्पष्ट आधार था। घरेलू उद्योग बनने वाले तीन उत्पादकों का हिस्सा जांच की अवधि के दौरान भारतीय उत्पादन में 49 प्रतिशत है और मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का भारतीय उत्पादन में 51 प्रतिशत हिस्सा है, जिन्होंने न तो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और न ही याचिका का विरोध किया है। चूंकि याचिका में कोई विरोध नहीं था, अतः तीन उत्पादकों अर्थात् मैसर्स आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मैसर्स इंडो रामा सिंथेटिक (इंडिया) लिमिटेड और मैसर्स दि बॉम्बे डाइंग एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का स्पष्ट आधार है जो कि नियम 5(3) के तहत अपेक्षानुसार 25 प्रतिशत की पात्र सीमा से अधिक है।”

“22. याचिका में 50 प्रतिशत से अधिक समर्थन की अपेक्षा के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों का अनुरोध वर्तमान मामले में संगत नहीं है, जहां याचिका का कोई विरोध नहीं है और याचिकाकर्ता कंपनियों का घरेलू उद्योग में लगभग 49 प्रतिशत हिस्सा है।”

- ii. चीन जनवादी गणराज्य., यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य, ताइवान और थाइलैंड से “सरटेन एपोक्सी रेसिन” के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच (जांच की शुरुआत की अधिसूचना सं. 6/10/2018-डीजीएडी दिनांक 4 अप्रैल, 2018)।

10. “याचिकाकर्ता संबद्ध देशों में विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से संबद्ध नहीं है। अतः प्राधिकारी निर्धारित करते हैं कि मैसर्स अनुल लिमिटेड, जिसका वर्तमान में भारतीय उत्पादन में 32 प्रतिशत हिस्सा है, भारतीय बाजार में प्रमुख व्यापारी बन जाता है और कुल घरेलू उत्पादन में उसका प्रमुख “प्रमुख अनुपात” तथा नियम 2(ख) के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग है और साथ ही उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंडों को भी पूरा करता है।”

- iii. चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, मलेशिया, नेपाल, श्रीलंका और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “कॉपर एंड कॉपर एलाय फ्लेट रोल्ड प्रोडक्ट्स” के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच (अंतिम जांच परिणाम सं. 6/7/2020-डीजीटीआर दिनांक 16 अप्रैल, 2021)

27. “रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि आवेदक का कुल भारतीय भारत में कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख अनुपात है। इसके अतिरिक्त, आवेदक का अकेले कुल भारतीय उत्पादन में 35-45 प्रतिशत हिस्सा है। तदनुसार, प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से घरेलू उद्योग है और आवेदन-पत्र नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंडों को पूरा करता है।”

- vii. जीएनओ व्यक्तिगत रूप से तथा सीयूएमआई (समर्थक के रूप में) सहित पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए कानून के तहत निर्धारित सभी सीमाओं को पार करता है।
- viii. केवल जीएनओ की सूचना पर ही क्षति विश्लेषण, क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन के प्रयोजन के लिए विचार किया जाए।
- ix. जहां तक आरंभ में ही संबद्ध सामानों और स्व-आयातों के उत्पादक/निर्यातकों के साथ आवेदकों के संबंध का आरोप है, यह अनुरोध है कि आवेदकों ने अपने संबंधों के बारे में अनुबंध 8 में स्पष्ट प्रकटन किया है। आवेदकों ने उनके द्वारा किए गए आयातों की पूरी सूचना प्राधिकारी के साथ साझा की है।
- x. घरेलू उद्योग निम्नलिखित बातें दोहराता है:

क) सीयूएमआई ने चीन जन.गण. में अपनी संबद्ध कंपनी से विशेष ग्रेड का आयात किया है, जिसका उस अवधि के दौरान कंपनी द्वारा विनिर्माण नहीं किया गया है।

- ख) जीएनओ की चीन जन.गण. में एक समूह कंपनी है परंतु एक दूसरे के व्यापार में कोई वित्तीय अथवा प्रचालनात्मक नियंत्रण नहीं है। यह अनुरोध है कि दोनों कंपनियों को हाइड्रोजन पेरोआक्साइड पाटनरोधी जांच (अंतिम जांच परिणाम सं. 14/03/2015-डीजीएडी दिनांक 11 अप्रैल, 2017) में प्राधिकारी द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार संबद्ध कंपनियों के रूप में माने जाने के लिए वित्तीय अथवा प्रचालनात्मक नियंत्रण होना जरूरी है। अतः, पाटनरोधी नियमावली के संदर्भ में तथा प्राधिकारी की सतत परिपाटी के अनुसार दोनों कंपनियां संबद्ध नहीं हैं। किसी भी दशा में कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान अपनी समूह कंपनी से संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया है।
- xi. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह सिद्ध करने के लिए कोई सूचना नहीं दी है कि यह विश्वास करने अथवा संदेह करने के लिए कोई आधार है कि संबंध का प्रभाव ऐसा है कि भारत में संबद्ध घरेलू उत्पादक के साथ गैर संबद्ध उत्पादकों से भिन्न व्यवहार हों। यह सिद्ध करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है कि संबद्ध घरेलू उत्पादकों ने संबंध के कारण भिन्न रूप से कार्य किया हो अथवा पाटन परिपाटियों में प्रतिभागिता की हो और ऐसे कदम उठाए हों जिससे स्व-प्रभावित क्षति हुई होती।
- xii. प्राधिकारी का ध्यान नियम 2(ख) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसमें पात्र घरेलू उद्योग के रूप में उत्पादक/निर्यातक से संबद्ध घरेलू उत्पादक माने जाने के लिए प्राधिकारी के विवेकाधिकार का प्रावधान है।
- xiii. प्राधिकारी का ध्यान चीन और इंडोनेशिया से विस्कोस स्टेपल फाइबर की हाल की पाटनरोधी जांच की ओर भी आकर्षित किया जाता है (अंतिम जांच परिणाम सं. 7/03/2021 दिनांक 31 जुलाई, 2021), जिसमें ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड को संबद्ध देशों में संबद्ध कंपनियां होने के बावजूद पात्र घरेलू उद्योग माना गया था। इसके संगत उद्धरण नीचे दिए गए हैं:
- “24. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि नियम 2(ख) के अनुसार ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए अपात्र है क्योंकि उनकी संबद्ध देशों में संबद्ध कंपनियां हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उत्पादक को संबद्ध देश में किसी निर्यातक के साथ उसके संबंध के कारण घरेलू उद्योग के क्षेत्र और परिधि से हटाए जाने के मुद्दे के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को विवेकाधिकार का प्रावधान है और आवेदक द्वारा ऐसी संबद्ध कंपनियों से किए गए आयातों की मात्रा और किस्म के आधार पर एक सुविचारित दृष्टिकोण लिया जाता है। प्राधिकारी को यह जांच करने की आवश्यकता है कि क्या यह विश्वास करने अथवा संदेह करने के आधार हैं कि संबंध का प्रभाव ऐसा है कि भारत में संबद्ध घरेलू उत्पादक के साथ गैर संबद्ध उत्पादकों से भिन्न व्यवहार हों।”*
- xiv. स्व-आयातों के संबंध में यह अनुरोध है कि आवेदकों द्वारा किए गए आयात भारतीय मांग तथा कुल आयातों, दोनों के संदर्भ में बहुत छोटा सा हिस्सा है। यह अनुरोध है कि चीन जन.गण. के मूल अथवा वहां से निर्यातित “कास्मेटिक ग्रेड को छोड़कर नेचुरल माइका आधारित पर्ल इंडस्ट्रियल पिग्मेंट्स” की हाल की पाटनरोधी जांच में [फाइल सं. 6/8/2020-डीजीटीआर दिनांक 08 जून, 2021], प्राधिकारी ने इस तथ्य के बावजूद एकमात्र उत्पादक को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माना है कि उसने संबद्ध देश से काफी मात्राओं में विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है और आदतन आयातक भी था, अर्थात् जांच की अवधि में जांच की अवधि से पूर्व की अवधि में तथा जांच की अवधि के बाद की अवधि में विचाराधीन उत्पाद का आयात किया। जांच परिणाम से संगत उद्धरण प्राधिकारी के सुलभ संदर्भ के लिए निम्नलिखित रूप में दिए जाते हैं:
- “17. यह आवेदन पत्र मैसर्स सुदर्शन केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक है। प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा किए गए आयातों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों पर विचार किया और नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान आवेदक द्वारा किए गए आयात कुल मांग के ***प्रतिशत और भारत में कुल आयातों के ***प्रतिशत है जो आवेदक को घरेलू उद्योग माने जाने से अपात्र करने के लिए काफी नहीं हैं।”*
- “121. (i) प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध को नोट करते हैं और यह दोहराते हैं कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयात जांच की अवधि के दौरान चीन से कुल आयातों के 5 प्रतिशत हैं जो पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग को अपात्र करने के लिए काफी नहीं हैं।”*

- xv. जहां तक आवेदन-पत्र की वैधता के आरोप का संबंध है, यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग ने पूर्णतः दस्तावेजयुक्त आवेदन-पत्र दायर किया जिसके आधार पर वर्तमान जांच शुरू की गई थी। उसका अगोपनीय रूपांतर सभी हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित किया गया था। यह निर्धारित स्थिति है कि जांच की शुरुआत के बाद कोई नया आवेदन पत्र नहीं हो सकता। सह-आवेदक का हटना पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार आवेदन-पत्र की वैधता को प्रभावित नहीं करता। प्राधिकारी ने कई जांचों में यही दृष्टिकोण लिया है। मामलों की विस्तृत सूची नीचे दी गई है।

क) रूस, जार्जिया और ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “अमोनियम नाइट्रेट” के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच समीक्षा (अंतिम जांच परिणाम दिनांक 10 जून, 2022)

ख) वियतनाम, मलेशिया, थाइलैंड और इंडोनेशिया से 6 एमएम से कम मोटाई वाले प्लेन मीडियम डेनसिटी फाइबर बोर्ड” के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच (अंतिम जांच परिणाम 20 अप्रैल, 2021)।

- xvi. प्लेन मीडियम डेनसिटी फाइबर बोर्ड पाटनरोधी जांच में एक सह-आवेदक [सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स (इंडिया) लिमिटेड] ने प्रकटन विवरण जारी किए जाने के बाद घरेलू उद्योग के घटक के रूप में अपनी प्रतिभागिता वापस ली थी। इसके बावजूद, प्राधिकारी ने दूसरे आवेदक (ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड/ग्रीनपैनल इंडस्ट्रीज लिमिटेड) को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माना है क्योंकि वे नियमावली के तहत निर्धारित आधार की अपेक्षा को पूरा करते हैं।
- xvii. घरेलू उद्योग समझता है कि प्राधिकारी सतत परिपाटी के मामले के रूप में और वह भी सुनवाई प्रक्रिया समाप्त हो जाने के बाद जांच की शुरुआत के बाद संशोधित याचिका की मांग नहीं करते।
- xviii. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा घरेलू उत्पादकों की सूची से कुछ भारतीय उत्पादकों को अलग किए जाने के लिए लगाए गए आरोप का संबंध है, विनम्र अनुरोध है कि घरेलू उद्योग ने अपनी बाजार आसूचना के आधार पर अन्य भारतीय उत्पादकों के ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। बिना पूर्वाग्रह के यह अनुरोध है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उल्लिखित तीन अन्य भारतीय उत्पादकों का हमारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार कुल भारतीय उत्पादन में बहुत ही नगण्य हिस्सा है। अतः उन्हें शामिल करने से आवेदकों को घरेलू उद्योग के रूप में तथा क्षति-विक्षेपण के लिए माने जाने हेतु उनकी पात्रता प्रभावित नहीं होगी। बिना पूर्वाग्रह के यह अनुरोध है कि हितबद्ध पक्षकारों के लिए साक्ष्य प्रस्तुत करना और यह दर्शाना अपेक्षित है कि आवेदक की पात्रता अन्य कुछ उत्पादकों की मौजूदगी से कैसे प्रभावित होती है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

•

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटन वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

21. यह आवेदन-पत्र मूल रूप से मैसर्स ग्राइंडवैल नार्टन लिमिटेड और मैसर्स कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड द्वारा दायर किया गया था। तथापि, मैसर्स कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड आवेदक के रूप में पीछे हो गया है क्योंकि वह आंकड़ा सत्यापन प्रक्रिया के भाग के रूप में मांगी गई कुछ सूचना देने में असमर्थ था। तथापि, सीयूएमआई ने अनुरोध किया है कि वह आवेदन-पत्र के समर्थक और पाटनरोधी नियमावली (जिसे आगे “नियमावली” कहा गया है) के अनुसार जांच में समर्थन करता रहेगा। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि उन्होंने पहले ही सूचना दायर कर दी है जो कि व्यापार सूचना सं. 04/2021 दिनांक 16 जून, 2021 के नोट सं. 2 के अनुसार समर्थक द्वारा दायर की जानी अपेक्षित होती है।
22. यह नोट किया जाता है कि विद्यमान स्थापित परिपाटियों सहित पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के साथ पठित नियम 2(ख) के प्रावधानों के अनुसार, “प्रमुख अनुपात” शब्द सामान्य रूप से उस उत्पादन की मात्रा के अर्थ

के लिए समझा जाता है जो देश में पात्र घरेलू उद्योग द्वारा कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत से अधिक है। इसके अतिरिक्त, यह अनुरोध है कि विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के किसी भी घरेलू उत्पादक से जांच की शुरुआत का कोई विरोध होने की स्थिति में ही घरेलू उद्योग का 50 प्रतिशत परीक्षण के लिए परीक्षण किया जाना होता है। यह नोट किया जाता है कि मैसर्स ग्राइंडवैल नार्टन लिमिटेड का *** प्रतिशत की सीमा तक नियम 2(ख) के तहत भारतीय उत्पादन में अकेले प्रमुख अनुपात है और आवेदन-पत्र पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार मानदंडों को पूरा करता है।

23. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा किए गए आयातों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों पर विचार किया और नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान आवेदक द्वारा किए गए आयात कुल मांग के *** प्रतिशत और भारत में कुल आयातों के *** प्रतिशत तथा उनके अपने उत्पादन *** प्रतिशत है, जो आवेदक को घरेलू उद्योग माने जाने से अपात्र करने के लिए काफी नहीं है।
24. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि नियम 2(ख) के अनुसार आवेदक घरेलू उद्योग माने जाने के लिए अपात्र है क्योंकि उनकी संबद्ध देशों में संबद्ध कंपनियां हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उत्पादक को संबद्ध देश में निर्यातक के साथ उसके संबंध के कारण घरेलू उद्योग के क्षेत्र और परिधि से बाहर करने के मुद्दे के संबंध में, प्राधिकारी को विवेकाधिकार का प्रावधान है और आवेदक द्वारा उन संबद्ध कंपनियों से किए गए आयातों की किस्म और मात्रा के आधार पर सुविचारित दृष्टिकोण लिया जाता है। प्राधिकारी को यह जांच करने की आवश्यकता है यह विश्वास करने अथवा संदेह करने के लिए कोई आधार है कि संबंध का प्रभाव ऐसा है कि भारत में संबद्ध घरेलू उत्पादक के साथ गैर संबद्ध उत्पादकों से भिन्न व्यवहार हों। यह भी नोट किया जाता है कि जीएनओ की चीन जन.गण. में एक समूह कंपनी है जो भारत को संबद्ध सामानों के निर्यात और विनिर्माण में लगी हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. में समूहों कंपनी ने न तो जीएनओ को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है और न ही जांच की अवधि के दौरान भारत में किसी अन्य कंपनी को निर्यात किया है। प्राधिकारी ने डीजी सिस्टम के आंकड़ों से इसकी पुष्टि भी की है। प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से पात्र घरेलू उद्योग है।
25. जहां तक घरेलू उत्पादकों की सूची से कुछ भारतीय उत्पादकों को अलग किए जाने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि ग्राइंडवैल नार्टन लिमिटेड का अकेल कुल उत्पादन में *** प्रतिशत की सीमा तक नियम 2(ख) के तहत भारतीय उत्पादन में अकेले प्रमुख अनुपात है और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उल्लिखित अन्य किसी भारतीय उत्पादक ने कोई साक्ष्य नहीं दिया है/यह दर्शाने के लिए आंकड़े नहीं दिए हैं कि आवेदक की पात्रता कुछ अन्य उत्पादकों की मौजूदगी से कैसे प्रभावित होती है।
26. आवेदक के रूप में सीयूएमआई के हटने के बाद, प्राधिकारी ने जीएनओ को संशोधित याचिका दायर करने और उसका अगोपनीय रूपांतर अन्य पंजीकृत हितबद्ध पक्षकारों को प्रचालित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, सभी हितबद्ध पक्षकारों को नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार 11 जुलाई, 2022 को आयोजित दूसरी सुनवाई में घरेलू उद्योग के परिवर्तित संघटन के संबंध में मौखिक रूप से अपने विचार देने का अवसर भी प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में भाग लिया था, उन सभी को लिखित अनुरोध दायर करने और उसके बाद यदि कोई प्रत्युत्तर है तो उन्हें दायर करने का अवसर प्रदान किया।
27. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया कि आवेदक के उत्पादन का समान वस्तु के घरेलू उत्पादन में प्रमुख अनुपात है और आवेदक नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से पात्र घरेलू उद्योग है। यह आवेदन-पत्र पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंडों को पूरा करता है।

ड. गोपनीयता

ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

28. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
 - i. आवेदकों ने अनुबंध में निर्दिष्ट मानदंडों के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
 - ii. आवेदकों ने सामान्य रूप से यह दावा करते हुए प्रपत्र क, ख, ग, घ, ड., झ., ज., ट और ठ के संबंध में पूर्ण गोपनीयता का दावा किया है कि ये व्यापार संबंधी सूचना हैं और संगत शीर्षों, व्यय, समयावधि और आवेदकों

- द्वारा माने गए ऐसे अन्य मानदंड के साथ अगोपनीय सार साझा करने में विफल रहे। इस सीमा तक भी अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया था कि प्रयुक्त कच्ची सामग्री के नाम गोपनीय होने का दावा किया गया है।
- iii. आवेदकों ने दोनों आवेदकों के उत्पादन के कुल आंकड़ों को भी निर्दिष्ट नहीं किया है और कुल भारतीय उत्पादन, आवेदकों द्वारा किए गए आयात, एनआईपी रेंज, आदि पूरी तरह से रोक कर रखी गई हैं। सूचीबद्ध आंकड़ों के साथ लागत संबंधी प्रपत्र भी नहीं दिए गए हैं।
 - iv. आवेदकों ने अपने आवेदन-पत्र में कुल भारतीय उत्पादन में भारतीय आवेदकों के उत्पादन के हिस्से की रेंज, आवेदक कंपनियों द्वारा आयात, आयात पृथक्करण, क्षतिरहित कीमत परिकलन आदि जैसे महत्वपूर्ण ब्यौरे पूरी तरह से गोपनीय रखे गए हैं।
 - v. आवेदकों ने +/- 5% रेंज में उनके द्वारा किए गए आयात और +/- 10% रेंज में क्षति-रहित कीमत नहीं दी है, जिससे विरोधी हितबद्ध पक्षकारों को अपने हितों की रक्षा करने के लिए अपर्याप्त सूचना है।
 - vi. जीएनओ के अद्यतन आंकड़े 2 जुलाई, 2022 को साझा किए गए थे। जीएनओ द्वारा किए गए आयात याचिकाकर्ता के कुल उत्पादन की प्रतिशतता, याचिकाकर्ता की बिक्री और विचाराधीन उत्पाद की कुल मांग के रूप में रेंज के संदर्भ में नहीं दिए गए हैं। जीएनओ को वास्तविक क्षति नहीं हो रही है।
 - vii. घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। उन्होंने जीएनओ की उत्पादन मात्रा के ब्यौरे, 14 अन्य घरेलू उत्पादकों की उत्पादन मात्रा के ब्यौरे, भारत में कुल घरेलू उत्पादन, कुल घरेलू उत्पादन में जीएनओ का हिस्सा, कुल घरेलू उत्पादन में जीएनओ के प्रतिशत हिस्से की रेंज के ब्यौरे, कुल घरेलू उत्पादन में 14 अन्य घरेलू उत्पादकों का हिस्सा, कुल घरेलू उत्पादन में 14 अन्य घरेलू उत्पादकों के प्रतिशत हिस्से की रेंज के ब्यौरे, जीएनओ की संबद्ध कंपनियों के ब्यौरे, यथा - नाम आदि, जीएनओ के आयातों के ब्यौरे/संख्या/प्रतिशतता जैसे विभिन्न कारकों के ब्यौरे नहीं दिए हैं।
 - viii. सीयूएमआई के जांच से हटने के बाद साझा किए गए जीएनओ के अद्यतन आंकड़ों में जीएनओ द्वारा किए गए आयात याचिकाकर्ता के कुल उत्पादन की प्रतिशतता, याचिकाकर्ता की बिक्री और विचाराधीन उत्पाद की कुल मांग, कुल भारतीय उत्पादन के ब्यौरे और उसके स्रोत रेंज संदर्भ में नहीं दिए गए हैं।

ड.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

29. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. अत्यधिक गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए दावे गलत हैं और इसीलिए अस्वीकार किए जाते हैं। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी की परिपाटी अपनाते हुए गोपनीयता के विवरण सहित, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार, अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है और साथ ही व्यापार सूचना सं. 10/2018 दिनांक 7 सितंबर, 2018 का भी पालन किया है। घरेलू उद्योग के आंकड़े निर्धारित किए गए अनुसार दायर किए गए थे।
- ii. हितबद्ध पक्षकार निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर का सार्थक सार उपलब्ध न कराकर भारतीय कानून के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहे हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने बिना किसी उचित औचित्य के अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। निर्यातकों ने उत्पादन प्रक्रिया, वितरण चैनल, कच्ची सामग्री के नाम गोपनीय होने का दावा किया है।
- iii. हितबद्ध पक्षकार केवल सार्थक उत्तर प्रदान करने में ही विफल रहे हैं बल्कि इस प्रकार अत्यधिक गोपनीयता का दावा करने के लिए कोई कारण देने में भी विफल रहे हैं। उत्तरों के साथ संलग्न परिशिष्टों में कोई सार्थक अगोपनीय उत्तर नहीं हैं और कुछ मामलों में वे या तो पूरी तरह से खाली हैं या उत्तर के साथ संलग्न नहीं किए गए हैं।
- iv. गोपनीय आधार पर पक्षकार द्वारा प्रस्तुत प्रत्येक सूचना तब तक गोपनीय नहीं मानी जा सकती जब उसके साथ समर्थक कारण न हों और प्राधिकारी द्वारा स्वीकार न की गई हो। दूसरे शब्दों में नियम 7 का अर्थ किसी भी तरीके से यह नहीं है कि निर्यातक न्यूनतम सूचना के साथ बाहर जा सकता है; इसके बजाय इसमें पर्याप्त ब्यौरे में सार प्रस्तुत करना निर्यातक की जिम्मेदारी है ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के सार की उपयुक्त समझ प्राप्त हो सके।
- v. गोपनीयता संबंधी कानून विट्रिफाइड टाइल्स मामले में माननीय सेस्टैट द्वारा निर्धारित किया गया है। अपीलीय अधिकरण ने स्पष्ट रूप से माना है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय आधार पर दी गई सूचना मात्र इसलिए

गोपनीय माने जाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वह निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय आधार पर दी गई है और इसके अतिरिक्त, गोपनीयता के दावों की जांच करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, यह स्पष्ट रूप से माना गया है कि प्रकटन से इंकार करने के लिए गोपनीयता एक अस्त्र नहीं है। गोपनीयता प्रकटन से इंकार करने के लिए पारदर्शिता को समाप्त करने अथवा विरोधी पक्षकारों के लिए विकलांगता सृजित करने के लिए एक अस्त्र नहीं है। यह निर्धारित किया गया है कि पारदर्शिता के लिए प्राधिकारी का एक दायित्व है कि वे पक्षकारों को अगोपनीय सार प्रस्तुत करने के लिए कहें जो पर्याप्त ब्यौरे में होगा ताकि गोपनीयता में प्रस्तुत सूचना के सार की उपयुक्त समझ बन सके।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

30. सूचना की गोपनीयता के संबंध में नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:-

“ गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

उप नियम (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

31. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की और संतुष्ट होने पर गोपनीयता संबंधी दावे की अनुमति दी। प्राधिकारी मानते हैं कि कोई भी सूचना जो प्रकृति में गोपनीय है (उदाहरण के लिए क्योंकि इसका प्रकटन किसी प्रतिस्पर्धी के लिए काफी प्रतिस्पर्धी लाभ का होगा अथवा इसके प्रकटन से सूचना देने वाले व्यक्ति पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा अथवा उस व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, जिससे उस व्यक्ति ने सूचना प्राप्त की है) अथवा किसी जांच में पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर जो सूचना दी गई है, अच्छे कारण दर्शाकर, प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी जाएगी। यह सूचना उसे प्रस्तुत करने वाले पक्षकार की विशेष अनुमति के बिना प्रकट नहीं की जा सकती।

32. प्राधिकारी ने आवेदकों और विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए गोपनीयता के दावों पर विचार किया है और इस संबंध में संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता संबंधी दावे की अनुमति दी है। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया।

च. विविध

च. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

33. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

i. सीसीसीएमई एक हितबद्ध पक्षकार है, सीसीसीएमई मशीनरी और इलैक्ट्रानिक उत्पादों के विभिन्न क्षेत्रों के उत्पादक होने के नाते सदस्यों से युक्त एक व्यापारिक एसोसिएशन है। रेसिन व्हील्स सीसीसीएमई के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। संबद्ध सामानों का निर्यात करने वाले निर्यातकों के प्रमुख अनुपात ने उन्हें संबद्ध जांच में प्रतिनिधित्व करने के लिए सीसीसीएमई को प्राधिकृत किया है। कई अवसरों पर पूर्व में सीसीसीएमई द्वारा किए गए अनुरोध इन प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किए गए हैं और परिपाटी में परिवर्तन करने के लिए कोई कारण अथवा तथ्यों और कानून में परिवर्तन नहीं है।

ii. कीमतों के बजाए भार में विचाराधीन उत्पाद की मापन की यूनिट का याचिकाकर्ताओं के अभिव्यक्ति गलत है।

- iii. 4 इंच सीडब्ल्यू के लिए भारत में मांग प्रतिमाह लगभग 5 करोड़ से 6 करोड़ पीस अर्थात् प्रतिवर्ष 50 करोड़ पीसेस से अधिक है। दूसरी ओर, याचिकाकर्ताओं के पास भारतीय बाजार में प्रयोक्ताओं को विचाराधीन उत्पाद को उत्पादन करने और आपूर्ति करने की इस क्षमता का दसवां भाग भी नहीं है।
- iv. संदर्भ कीमत आधारित शुल्क की सिफारिश की जाए। यह इसलिए है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद के आयात के लिए बाजार कुछ व्यापारियों द्वारा कम मूल्यांकन से ग्रसित है।
- v. पिछले दो वर्षों में भाड़ा लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पोत परिवहन लागत आज की तारीख तक भी अत्यधिक है। यदि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन आयातों की लागत बढ़ाकर तथाकथित क्षति से याचिकाकर्ताओं को बचाना था तो यह प्रयोजन आयातकों के लिए पोत परिवहन लागत में वृद्धि करके पहले ही हासिल कर दिया गया है। यदि इसके शीर्ष पर संबद्ध सामानों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो प्रयोक्ता उद्योग और समग्र रूप से आयातकों के हितों के लिए यह अत्यधिक अनुचित होगा।
- vi. एग्रेजिव व्हील सामान्यतः लघु उद्योग संविदाकारों और निर्माण उद्योग में श्रमिकों द्वारा लगाए जाते हैं, जो विचाराधीन उत्पाद की वहनीय उपलब्धता पर निर्भर होते हैं। याचिकाकर्ताओं ने हाल ही में विगत में अपनी घरेलू बिक्री कीमतों में पहले ही वृद्धि कर दी है। ऐसे परिदृश्य में यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो इससे उनका व्यापार गैर-अर्थक्षम हो जाएगा तथा उनकी आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित होगी।
- vii. सीयूएमआई द्वारा आवेदन-पत्र की वापसी के अनुरोध पर इस ऐसे समय में प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जाना चाहिए जब जांच पूरा होने के स्तर पर लगभग पहुंच गई हो।
- viii. यदि कोई आवेदक आवेदन पत्र को वापस लेना चाहता है तो नियमावली के नियम 14 (क) के अनुसार पूरे आवेदन-पत्र को वापस लिए जाने की आवश्यकता होती है। इस संबंध में प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे विगत के मामलों का संदर्भ लें जिनमें प्राधिकारी ने आवेदक के आवेदन-पत्र को वापस लिए जाने की स्थिति में जांचें रद्द की हैं।
- ix. सीयूएमआई यह निर्दिष्ट करने में विफल रहा है कि किन कानूनी प्रावधानों के तहत एक आवेदक उत्पादक बाहर जा सकता है और वर्तमान जांच से हट सकता है और वह भी निरर्थक आधारों पर।
- x. सीयूएमआई की वापसी पर केवल गोपनीयता के कारणों से प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जाना चाहिए, जबकि जांच लगभग अंतिम चरण में पहुंच गई हो। पूरी जांच को नियम 14(क) के अनुसार रद्द किया जाना होता है।
- xi. अब, यदि प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच जारी रखी जाती है तो यह प्रक्रिया को बोझित और जटिल बनाएगी क्योंकि उन्होंने आंकड़ों का बहिष्कार किया जाना होगा और नई सूचना दी जानी होगी। प्राधिकारी को ग्राइंडवैल नार्टन लिमिटेड (जीएनओ) द्वारा दिए गए आंकड़ों के आधार पर नए सिरे से जांच शुरू करनी होती है और वर्तमान जांच में आज की तारीख तक सीयूएमआई द्वारा दिए गए आंकड़ों का बहिष्कार करना होगा।

च.2. घरेलू उद्योग के अनुरोध

34. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

- i. चाइना चैम्बर ऑफ कॉमर्स फॉर इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ मशीनरी एंड इलैक्ट्रानिक प्रोडक्ट्स (सीसीसीएमई) नियम 2(ग) के अनुसार हितबद्ध पक्षकार माने जाने के लिए अपने दायित्व को पूरा करने में विफल रहा है। इस संदर्भ में, घरेलू उद्योग माननीय प्राधिकारी का ध्यान नियम 2(ग) के प्रावधानों की ओर आकर्षित करता है जो निम्नलिखित रूप में पठित है:

“(ग) “हितबद्ध पक्षकार” में निम्नलिखित शामिल हैं -

- (i) भारत में पाटित की जा रही जांचाधीन वस्तु का कोई निर्यातक अथवा विदेशी उत्पादक अथवा आयातक अथवा व्यापारी या अधिकतर सदस्यों की एक व्यापारिक एसोसिएशन जिसमें उस वस्तु के उत्पादक, निर्यातक अथवा आयातक;
- (ii) निर्यातक देश की सरकार; और
- (iii) भारत में समान वस्तु के उत्पादक अथवा व्यापार एवं व्यापार एसोसिएशन जिसके अधिकतर सदस्य भारत में समान वस्तु का उत्पादन करते हैं।”

- ii. उपर्युक्त से यह पूरी तरह स्पष्ट है कि उपर्युक्त जांच में मौजूदा एसोसिएशन निश्चित रूप से उत्पादक, निर्यातक अथवा आयातक की श्रेणी में नहीं आ रही हैं। अतः एसोसिएशन केवल नियम 2(ग) के तहत व्यापारिक एसोसिएशन के स्तर का दावा कर सकती है। अतः, व्यापारिक एसोसिएशन को किसी जांच में एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में ही भाग लेने की अनुमति दी जा सकती है और यदि वह प्राधिकारी के संतोष पर सिद्ध हो जाता है कि उसके अधिकतर सदस्य या तो संबद्ध सामानों के आयातक हैं या उत्पादक हैं।
- iii. रिकॉर्ड में ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है जिसमें हितबद्ध पक्षकार माने जाने के लिए मूलभूत अपेक्षाओं को सिद्ध करने हेतु सीसीसीएमई द्वारा कोई कार्य किया गया हो। एसोसिएशन ने अपने संबंधित क्रियाकलापों के साथ अपने सदस्यों की सूची भी नहीं दी है ताकि प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकार के रूप में उनका स्तर सुनिश्चित कर सके। ऐसी परिस्थितियों में सीसीसीएमई को नियम 2(ग) के अनुसार हितबद्ध पक्षकार नहीं माना जा सकता।
- iv. हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि विचाराधीन उत्पाद के मापन की यूनिट (यूओएम) की अभिव्यक्ति कीमत की बजाए भार में है, गलत और तथ्यों की समझ के बिना है। कृपया यह माना जाए कि उचित विश्लेषण के लिए मापन का सामान्य मानदंड होना होता है, विशेष रूप से जब विचाराधीन उत्पाद के सब सेटों में उनकी विशिष्टियों यथा – डायमीटर, मोटाई आदि में अंतर हों। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी जांचकर्ता प्राधिकारी के पास उपलब्ध एकमात्र विकल्प विचाराधीन उत्पाद को सामान्य यूनिट में लाना होता है जो इस मामले में भार (एमटी) है। यह नोट किया जाए कि कई जांचों में प्राधिकारी ने वर्गमीटर, एमटी, किलोग्राम, आदि जैसे सामान्य यूओएम पर विचार किया है जो कि यूओएम से भिन्न है, जिनमें बिक्री होती है। उदाहरण के लिए विट्रिफाइड टाइल्स के मामले में, प्राधिकारी ने एमटी के रूप में यूओएम माना है जबकि बिक्री वर्गमीटर में होती है। इसी प्रकार, ग्लास के मामले में प्राधिकारी ने एमटी के रूप में यूओएम माना है जबकि बिक्री वर्गमीटर में होती है। ऐसे अन्य उदाहरणों में लैंड एसिड बैटरियां, एमडीएफ, टेक्सचर्ड एवं टेम्पर्ड ग्लास, बैक शीट, ईवीए, सेरामिक टेबलवेयर, एल्युमिनियम व्हील्स, रेडियल टायर्स शामिल हैं, जहां पाटनरोधी परियोजना के लिए यूओएम बिक्री की यूनिट से भिन्न है।
- v. उपर्युक्त के अलावा, प्राधिकारी का ध्यान निम्नलिखित तथ्यों की ओर आकर्षित किया जाता है:
 - क) अधिकतर आयात प्रविष्टियों में यूओएम कि.ग्रा. है।
 - ख) कि.ग्रा. में मात्रा भी बीजक में उल्लिखित की जाती है।
 - ग) सीमा प्रशुल्क अधिनियम भी यूओएम कि.ग्रा. में उल्लिखित करता है।
 - घ) यूओएम के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के बीच सहमति नहीं है क्योंकि चार में से एक परामर्शी समूह ने यूओएम के रूप में एमटी का विरोध किया है।
- vi. जहां तक मांग-आपूर्ति अंतराल का संदर्भ है, घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि यह आरोप औचित्य-रहित है क्योंकि भारतीय उद्योग में लगभग पूरी मांग पूरी करने की क्षमता है। पूर्वाग्रह के बिना यह अनुरोध है कि पाटनरोधी उपाय किसी भी तरीके से आयातों को प्रतिबंधित नहीं करते और इसीलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं करते।
- vii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सीयूएमआई के हटने के अनुरोध पर विचार न करने के लिए किया गया अनुरोध कानून के प्राधिकार के बिना ही नहीं है बल्कि प्राधिकारी की सतत् परिपाटी के विरुद्ध भी है। यह संकलनात्मक रूप से और कानूनी रूप से गलत, भ्रामक और औचित्यहीन है। आवेदन-पत्र से हटने से सह-आवेदक पर कोई कानूनी तार्किक प्रतिबंध नहीं है। इसके अतिरिक्त, यह भी अनुरोध किया जाता है कि कानून में ऐसी किसी बात का निर्देश नहीं है जिसके अंतर्गत सह-आवेदक द्वारा हटने के लिए अनुरोध किया जा सकता हो। विगत में प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण जारी किए जाने के बाद भी वापसी के अनुरोध को स्वीकार किया है।
- viii. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उल्लिखित हलदोर टोप्सो और फुटवियर पैनल रिपोर्ट के मामले में मानीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का संबंध है, यह अनुरोध है कि वह पूर्णतः भिन्न संदर्भ में हैं। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस निर्णय पर विश्वास गलत तरीके से रखा गया है। हलदोर टोप्सो के मामले में, निर्यातक ने प्राधिकारी को संगत सूचना प्रदान किए बिना सामान्य मूल्य और परिणामी पाटन मार्जिन का दावा किया। यह इस संदर्भ में था कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि नियम 6(8) लागू होगा। इन परिस्थितियों में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना का प्रयोग करने के लिए प्राधिकारी के निर्णय को न्यायालय द्वारा रोका गया था।

- ix. हितबद्ध पक्षकारों के इस आरोप के संदर्भ में कि पूरे आवेदन-पत्र को नियमावली के नियम 14(क) के अनुसार वापस लिए जाने की आवश्यकता है। यह अनुरोध है कि यह सुझाव न तो कानूनी और न ही तार्किक रूप से संधारणीय है।
- x. उपर्युक्त नियम निम्नलिखित परिस्थितियों में ही लागू होता है:
- क) यह कि यह अनुरोध आवेदक घरेलू उद्योग की ओर से हो जिसकी वजह से जांच शुरू की गई थी।
- ख) यह कि जांच “रद्द करने” के लिए अनुरोध लिखित में होना चाहिए।
- xi. वर्तमान मामले में, जांच रद्द करने के लिए कोई अनुरोध नहीं है। इसके अतिरिक्त, वापसी दो में से केवल एक आवेदक द्वारा भी है न कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा दुर्भाग्यवश ऐसा प्रतीत होता है कि हितबद्ध पक्षकार आवेदक घरेलू उद्योग और सह-आवेदक के बीच अंतर करने में सक्षम नहीं रहे हैं। इस बात को दोहराते हुए कि केवल एक आवेदक ने आवेदन वापस लिया है न कि आवेदक घरेलू उद्योग ने।
- xii. यह उल्लेख करना अनपयुक्त नहीं होगा कि कानूनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने सह-आवेदक को विगत में कई उदाहरणों में जांचों के विभिन्न स्तरों पर जांचों से आवेदन वापस लेने की अनुमति दी है और उनके अनुरोध को स्वीकार किया है तथा शुल्कों की सिफारिश की है। यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि कानूनी अपेक्षाएं शेष उद्योग के संदर्भ में कि लागू की जानी होती हैं। वर्तमान मामले में यह माना जाए कि सीसीएमआई आवेदन-पत्र का समर्थन कर रहा है।
- xiii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उल्लिखित विगत मामलों के संदर्भ में अपना ये तर्क सिद्ध करने के लिए कि प्राधिकारी ने आवेदन-पत्र वापस लिए जाने पर जांचों को रद्द किया है, यह अनुरोध है कि हितबद्ध पक्षकारों ने छह मामलों का उल्लेख किया है। यह नोट किया जाए कि उल्लिखित जांचें निम्नलिखित कारणों में से एक कारण से रद्द की गई थी:
- क) नियमावली के अनुसार, जांच रद्द करने के लिए अनुरोध आवेदकों और एकमात्र आवेदक द्वारा किया गया था;
- ख) नियमावली के अनुसार जांच रद्द करने के लिए अनुरोध प्रमुख सह-आवेदक द्वारा किया गया था।
- ग) आवेदन-पत्र गलत कानूनी प्रावधान के तहत दायर किया गया था।
- xiv. कुछ व्यापारियों द्वारा कम मूल्यांकन के आधार पर संदर्भ कीमत आधारित शुल्क लगाए जाने के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध पूरी तरह से अतार्किक तथ्यों की समझ के बिना है और इसीलिए अस्वीकार किया गया।

च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

35. सीसीसीएमई के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि केवल उसी एसोसिएशन को “हितबद्ध पक्षकार” के रूप में माना जा सकता है, जिसके अधिकांश सदस्य पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ग)(iii) के अनुसार “ऐसी वस्तु” के उत्पादक, निर्यातक या आयातक हैं। वर्तमान जांच में, सीसीसीएमई ने अपने सदस्यों की सूची के साथ-साथ उनके संबंधित क्रियाकलापों का विवरण प्रदान नहीं किया है जिससे कि प्राधिकारी नियमावली के अनुसार एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में उनकी स्थिति का पता लगा सके। तथापि, व्यापक लोक हित में, सीसीसीएमई द्वारा किए गए अनुरोधों को, जहां तक के संगत पाए गए हैं, शामिल किया गया है।
36. जहां तक मांग-आपूर्ति में अंतर मौजूद होने का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संभावित मांग और आपूर्ति का अंतर किसी घरेलू उद्योग को क्षतिकारी पाटित आयातों के खिलाफ निवारण करने से वंचित नहीं कर सकता। यदि निर्यातक भारतीय बाजार में जरूरत को पूरा करने के लिए इच्छुक है, तो एक अपाटित कीमत पर जरूरत को पूरा करने के लिए ऐसा किया जा सकता है।
37. इस अनुरोध के संबंध में कि याचिका में जांच शुरू करने को न्यायोचित ठहराने के लिए प्रथम दृष्टया साक्ष्य नहीं है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आवेदन में जांच शुरू करने के प्रयोजन से संगत पर्याप्त प्रथम दृष्टया सूचना निहित है। प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट होने के बाद ही कि आवेदन में, वर्तमान जांच शुरू करने के लिए निर्णित जांच शुरू करने को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य निहित है।
38. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रिया द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए है ताकि भारतीय बाजार में खुली और स्वच्छ प्रतिस्पर्धा की एक

ऐसी स्थिति स्थापित हो सके, जो देश के सामान्य हित में हो, पाटनरोधी उपाय लागू करना किसी भी तरह से संबद्ध देश से आयातों को सीमित करने के उद्देश्य से नहीं है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद की कीमत स्तर पर मामूली प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी उपायों को लगाए जाने से कमी नहीं आएगी। इसके विपरित, पाटनरोधी उपायों को लागू करने से यह सुनिश्चित होगा कि पाटन की प्रक्रिया का सहारा लेकर कोई अनुचित लाभ नहीं लिया जाएगा।

39. संदर्भ कीमत शुल्क लगाने के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं :

- क) पाटनरोधी शुल्क की गणना एक उत्पादक/ निर्यातक विशेष की वास्तविक कीमत संबंधी सूचना के आधार पर की गई है। एक उत्पादक/ निर्यातक, जिसने संबद्ध वस्तुओं का अवमूल्यन किया है, उस पर अधिकतम शुल्क होगा।
- ख) प्रमुख कच्ची सामग्रियों पर कीमत का उतार-चढ़ाव हो सकता है। तदनुसार, आयात कीमत में उतार-चढ़ाव मुख्य रूप से कच्ची सामग्री की लागत में उतार-चढ़ाव के कारण हो सकता है।
- ग) विचाराधीन उत्पाद में विभिन्न कीमतों और लागत के साथ कई ग्रेड या टाइप हो सकते हैं।

उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में संदर्भ कीमत पर आधारित शुल्क पाटन के खिलाफ घरेलू उद्योग का प्रभावी संरक्षण नहीं कर सकता।

40. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध के संबंध में कि सीयूएमआई द्वारा आवेदन वापस लेने का अनुरोध इस समय प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा, जहां पर कि जांच लगभग पूरी होने की अवस्था में पहुंच गई है। अतः यह नोट किया जाता है कि किसी सह-आवेदक के लिए आवेदन वापस लेने के संबंध में कोई कानूनी या तर्कसंगत प्रतिबंध नहीं है। कानून में ऐसी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है जिसके अंदर किसी सह-आवेदक द्वारा आवेदन वापस लिया जा सकता है। तथापि, प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि जांच के निष्कर्ष के लिए वापसी और इसके लिए कोई सुसंगत कारण सिद्ध किए बिना आवेदक के लिए यह सैद्धांतिक नहीं है। इसके अलावा, आवेदन वापसी से जांच के दौरान काफी बाधा आई है और इसके निष्कर्ष में विलंब हुआ है।

41. उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने वर्तमान जांच को समाप्त न करने का निर्णय लिया है, क्योंकि जीएनओ ने जांच में पूरी तरह से सहयोग किया है और अपने बल पर घरेलू उद्योग के रूप में भी खड़ा है। तथापि, वर्तमान जांच में सह-आवेदक से आवेदन वापसी को स्वीकार करना एक प्रथा के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

छ. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

छ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

42. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. यूएस होट रोलड स्टील मामले में डब्ल्यूटीओ के निर्णय का हवाला दिया गया था, जिसमें कि यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि जांच प्राधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की तुलना उचित है और ऐसे सभी मापदंडों पर विचार किया गया है, जो उत्पादों की लागत और कीमत पर प्रभाव डालते हैं। इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के दायित्व केवल इस बात को साबित करने तक सीमित हैं कि वर्तमान तुलना कैसे अनुचित है।
- ii. वर्तमान जांच में चीन जन. गण. से कंपनियों के लिए सामान्य मूल्य, उनकी घरेलू बिक्रियों और संबद्ध वस्तुओं की लागत के आधार पर इस तथ्य को देखते हुए निर्धारित किया जाना है कि चीन के उत्पादकों की घरेलू कीमतों अथवा लागतों को अस्वीकार करने के लिए 15 वर्षों की अवधि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के आधार पर नहीं है, जैसा कि डब्ल्यूटीओ के लिए चीन जन. गण. के एक्सेसन प्रोटोकॉल के पैरा 15 (क)(ii) में प्रदान किया गया है, पैरा 15 (घ) के अनुसार ये 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए हैं और प्रचलन में नहीं हैं।
- iii. घरेलू उद्योग ने भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुलग्नक-1 के पैरा 7 में निर्धारित प्रक्रिया का भी पालन नहीं किया है।

- iv. सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए, याचिकाकर्ताओं ने अंतिम तरीके का सहारा लिया है और सीधे तौर पर यह मानकर पहले और दूसरे तरीके को नजरअंदाज किया है कि ऐसी सूचना सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने तीसरे देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों की कीमत पर विचार न करने के लिए कारण प्रदान नहीं किए हैं। याचिकाकर्ताओं द्वारा ऐसी प्रक्रिया *शेनयांग मतसुशिता* में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के विपरीत है।

छ.2. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

43. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. प्राधिकारी द्वारा हाल की सभी जांचों में चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना गया है।
- ii. एमईटी और सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि यद्यपि अनुच्छेद 15 (क) (ii) में निहित प्रावधान दिनांक 11.12.2016 को समाप्त हो गए हैं, लेकिन एक्सेसन प्रोटोकॉल के 15 (क) (i) के तहत बाध्यता के साथ पठित डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान में नियमावली के अनुबंध-1 पैरा 8 में विनिर्दिष्ट मानदंड अपेक्षित है, जिसकी बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की दावा करने के संबंध में अनुपूरक प्रश्नावली में प्रदान की जाने वाली सूचना/ डेटा के माध्यम से पूर्ति की जानी है। यह अनुरोध किया जाता है कि चीन जन. गण. से किसी भी प्रतिवादी उत्पादक/ निर्यातक ने निर्धारित रूप से और निर्धारित ढंग से अनुपूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- iii. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार, चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना जाना है, क्योंकि इसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य के अन्य सक्षम प्राधिकारियों द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान पाटनरोधी जांचों के प्रयोजन से एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के रूप में माना गया है जब तक कि संबंधित फर्म/ उत्पादक/ निर्यातक पैरा 8 (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर उक्त धारणा का खंडन करने योग्य न हो जाए।
- iv. अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मानने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। तथापि, पैरा 8 (3) के प्रावधान के तहत चीन की कंपनियों द्वारा इसका खंडन किया जा सकता है। यह स्वीकार करने योग्य है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी कानून से बंधे हैं और उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन करना है तथा कानून के प्रावधानों के अनुसार उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करना है। अतः जब तक पैरा 8 के प्रावधानों में संशोधन नहीं किया जाता, यह निर्दिष्ट प्राधिकारी पर है कि वे पैरा 8 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार संचालन करें। अतः चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
- v. उपरोक्त को ध्यान में रखे बिना, घरेलू उद्योग का सादर अनुरोध है कि चीन की अर्थव्यवस्था के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जारी सरकारी हस्तक्षेपों के कारण चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना जाए। यह एक ज्ञात तथ्य है कि चीन की अर्थव्यवस्था राज्य के कानूनों के अनुसार नियंत्रित होती है और देश की अर्थव्यवस्था में राज्य की व्यवस्था का काफी हस्तक्षेप और नियंत्रण है। डब्ल्यूटीओ में चीन के एक्सेसन के तहत बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करना स्वतः नहीं बल्कि एक्सेसन प्रोटोकॉल में उल्लिखित पूर्ण शर्तों के लिए चीन की अनुपालना पर निर्भर है। अतः घरेलू उद्योग का सादर अनुरोध है कि चीन जन. गण. से प्रतिवादी सदस्यों को निम्नलिखित कारणों से बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जाना चाहिए।
- vi. जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह स्थापित न करें कि प्रमुख इनपुट की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार के मूल्यों को नहीं दर्शाती, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता।
- vii. ऐसी स्थिति में बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार अस्वीकार किया जाना चाहिए, जहां पर चीन के निर्यातक यह साबित करने में असमर्थ हों कि उनकी बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अनुसार हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों की अनुपालना की जरूरत राजस्व और व्यय के सही होने और पर्याप्त होने, वार्षिक रिपोर्ट में परिसंपत्तियों और देनदारियों के उल्लेख को सुनिश्चित करने के लिए है।

- viii. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमावली के तहत विनिर्दिष्ट हरेक मापदंड के संबंध में परीक्षण में सफल न हो जाएं।
- ix. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि प्रतिवादी कंपनी और इसके समूह मिलकर दावा न करें। यदि समूह की भागीदार एक या अधिक कंपनियों ने अपने उत्तर दाखिल नहीं किए हैं तो बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा अस्वीकार किया जाना चाहिए।
- x. यह अनुरोध किया गया है कि ऐसे किसी मामले में चीन के लिए सामान्य मूल्य को केवल पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार उपरोक्त तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए 8 (2) के परन्तुक के लागू किए बिना निर्धारित किया जा सकता है।
- xi. इस प्रकार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों तथा डीजीटीआर की सतत प्रक्रिया के अनुसार लाभ सहित विधिवत समायोजन करके लिया जा सकता है।
- xii. प्राधिकारी ने यहां तक कि हाल ही के जांच परिणाम (अंतिम जांच परिणाम सं. 14/14/2014-डीजीएडी, दिनांक 8 अप्रैल, 2017, चीन से विट्रिफाइड टाइलों के मामले को देखें) में सरकारी नियंत्रित विनिमय दर के आधार पर निर्यातकों के दावों को अस्वीकार किया गया है।
- xiii. यह अनुरोध किया जाता है कि एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए एक उपयुक्त तीसरे बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का चयन पहले विकल्प के रूप में करने की जरूरत है। इस संबंध में, अनुरोध है कि घरेलू उद्योग किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में मौजूद विचाराधीन उत्पाद के लिए कोई भी कीमत संबंधी ब्यौरे प्राप्त करने की स्थिति में नहीं है क्योंकि यह सूचना सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नहीं है। अतः घरेलू उद्योग निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करता है कि सामान्य मूल्य का निर्माण एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करके विधिवत समायोजन करके समान वस्तु के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई या भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर अनुमानित किया जाना चाहिए।
- xiv. घरेलू उद्योग अपनी बाजार आसूचना के आधार पर यह मानता है कि उत्पादकों/ निर्यातकों ने नकारात्मक या कमतर पाटनरोधी शुल्कों के उद्देश्य से भारत को अपने निर्यातों के गलत विवरण दिए हो सकते हैं। घरेलू उद्योग को आशंका है कि निर्यातकों ने निम्नलिखित का सहारा लिया हो सकता है :
- क) उच्च मूल्य के पीसीएन को कम मूल्य के पीसीएन के रूप में गलत घोषित करना। उदाहरण के लिए, यूटीडब्ल्यू 4 ने ग्राइंडिंग 4 के रूप में दावा किया हो सकता है।
- ख) एनपीयूसी को पीयूसी के रूप में दिखाकर गलत घोषणा करना।
- ग) पीसीएस को मी. टन में बदलने के लिए कमतर भार (ग्राम प्रति पीस) पर विचार करना, जिसके मी. टन. में कम भार होगा और इससे कीमत प्रति मी. टन. बढ़ेगी।
- xv. उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए घरेलू उद्योग का प्राधिकारी से अनुरोध है कि उत्पादक/ निर्यातक, विशेषकर निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दाखिल की गई भारत को निर्यात संबंधी सूचना की विस्तृत जांच की जाए :
- क) लांगफांग शेंगसेन एब्रेसिक्स कं. लि.
- ख) सेप्टर इंडस्ट्रियल और ट्रेडिंग कं. लि.
- ग) हेनन यौकाई ग्राइंडिंग एब्रेसिक्स कं. लि.
- घ) हेनन जिचेंग एब्रेसिक्स कं. लि.
- ङ) जुचांगकाजी एब्रेसिक्स कं. लि.
- च) गुआंगडोंग चुआंगुई इंडस्ट्रियल कं. लि.
- छ) दचेंग एब्रेसिक्स टूल्स कं. लि.

छ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

44. अधिनियम की धारा 9 क(1) (ग) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से तात्पर्य इस प्रकार है :

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री औष्य सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

45. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी, जिसमें उन्हें प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रूप में और निर्धारित ढंग में सूचना प्रदान करने का परामर्श दिया गया। इस जांच में निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली उत्तर दाखिल करके सहयोग किया है। तथापि, उनमें से किसी ने भी बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियों के संबंध में अनुपूरक प्रश्नावली दाखिल नहीं की।

- क) लांगफांग शेंगसेन एब्रेसिक्स कं. लि.
- ख) झेजियांग शोंआंगे टेक्नोलॉजी कं. लि.
- ग) योंगकांग सिल्वर स्टार एब्रेसिव मैटिरियल ग्राइंडिंग टूल कं. लि.
- घ) सेप्टर इंडस्ट्रियल और ट्रेडिंग कं. लि.
- ङ) योंगकांग हार्डवेयर सिटी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
- च) झेजियांग व्हाइट होर्स एब्रेसिक्स कं. लि.
- छ) यू एंड के साइंस एंड टेक कं. लि.
- ज) झेंगझोऊहुइफेंग एब्रेसिव व्हील मैनुफैक्चरिंग कं. लि.
- झ) मैसर्स योंगताई (झेंगझोऊ) एब्रेसिक्स कं. लि.
- ञ) लिन्यी डापेंग हार्डवेयर और एब्रेसिव प्रोडक्ट्स कं. लि.
- ट) हेनन जिचेंग एब्रेसिक्स कं. लि.
- ठ) जुचांगकाजी एब्रेसिव कं. लि.
- ड) जियांगसू बॉडफ्लेक्स सुमेंग न्यू मैटिरियल कं. लि.
- ढ) गुआंगडोंग चुआंगुई इंडस्ट्रियल कं. लि.
- ण) निंगबो दाहुआ होंगलियन ग्राइंडिंग व्हील क.
- त) दचेंग एब्रेसिव टूल्स कं. लि.
- थ) हेनन न्यू यिचांग एब्रेसिक्स कं. लि.
- द) हेनन यौकाई ग्राइंडिंग एब्रेसिक्स कं. लि.
- ध) हेनन लकी टूल्स कं. लि.
- न) लैंडमार्क एक्जिम (एचके) कं.
- प) झेंगझोऊ ग्राइंडिंग एब्रेसिक्स कं. लि.

- फ) चाइना मशीनरी इंडस्ट्री इंटरनेशनल कोरपोरेशन क. लि.
- ब) मैसर्स हेनन डागुआंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
- भ) बॉन्डफ्लेक्स इंडस्ट्रियल प्रा. लि.
- म) चुआंग हुई (तक रिंग) कं. लि.
- य) झेंगझोऊ चांग बिलियन एग्रेसिक्स कं. लि.
- कक) गुडविल टूल्स (शंघाई) कं. लि.
- खख) झेंगझोऊ यू एंड के इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कं. लि.

46. प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के तहत सामान्य मूल्य की गणना के संबंध में निम्नलिखित संगत प्रावधानों को नोट करते हैं। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के तहत प्रावधान इस प्रकार हैं :

“7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।”

8. (1) “गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश” वाक्यांश का अर्थ है कि ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धान्तों को लागू नहीं करने वाले देश के रूप में मानते हैं, जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।”

(2) यह कहना पूर्वनुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू .टी.ओ.के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। तथापि, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट-प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध करारकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या: (क) ऐसे देश में कच्ची समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती है; (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर- बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में; (ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं; तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धान्तों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।

(4) उप पैराग्राफ (2) में किसी बात के होते हुए भी, निर्दिष्ट प्राधिकारी जो संगत मापदंड के अद्यतन विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जिसमें उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंड में किसी सार्वजनिकदस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन का प्रकाशन शामिल हो, जिसे विश्व व्यापार संगठन के किसी सदस्य देश द्वारा पाटनरोधी जाँच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने जाने के लिए माना या निर्धारित किया हो”

47. जांच शुरुआत की अवस्था में प्राधिकारी ने चीन जन. गण को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानकर अवधारणा के अनुसार कार्रवाई की है। जांच शुरू होने पर, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में उत्पादकों/ निर्यातकों को परामर्श दिया कि वे जांच शुरू होने की सूचना का उत्तर दें और यह निर्धारण करने के लिए संगत सूचना प्रदान करें कि क्या उनकी सूचना/ डेटा को सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए अपनाया जा सकता है। प्राधिकारी ने इस संबंध में संगत सूचना प्रदान करने के लिए सभी ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार/अनुपूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजी।

चीन के उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा

48. डब्ल्यूटीओ में चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 के तहत प्रावधान इस प्रकार है:

“जीएटीटी का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 (“पाटनरोधी समझौता”) के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

“(क) जीएटीटी के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के

द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।”

49. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि अनुच्छेद 15 (क) (ii) में निहित प्रावधान दिनांक 11.12.2016 को समाप्त हो चुके हैं, लेकिन एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 (क) (i) के तहत बाध्यता के साथ पठित डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधानों में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में निहित आवश्यक मापदंडों के तहत बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा करने के संबंध में अनुपूरक प्रश्नावली में प्रदान किए जाने वाले सूचना/ डेटा के जरिए उन्हें पूरा करना आवश्यक है। यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन जन. गण. से प्रतिवादी उत्पादकों/ निर्यातकों ने निर्धारित रूप में और निर्धारित तरीके से अनुपूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, अतः सामान्य मूल्य की गणना नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के प्रावधानों के अनुसार की जानी आवश्यक है।
50. संबद्ध देश से सभी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध के पैरा 7 के अनुसार किया गया है, प्रावधान इस प्रकार है :

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।”

सामान्य मूल्य का निर्धारण

51. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यथाउल्लिखित अवधारणा का खंडन करने के लिए अनुपूरक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी को इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार आगे कार्रवाई करनी आवश्यक है।
52. किसी भी हितबद्ध पक्षकार के उपयुक्त प्रतिनिधि देश के चयन के संबंध में कोई सूचना प्रदान नहीं की है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चूंकि पीसीएन पद्धति को उचित तुलना के लिए अपनाया गया है, अतः बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की पीसीएन-वार कीमत प्राप्त नहीं की जा सकी। इस संबंध में किसी साक्ष्य के बिना प्राधिकारी ने अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार समान उत्पादकों के लिए भारत में भुगतान की गई या भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर चीन जन.गण. से उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
53. उपरोक्त को देखते हुए, चीन जन. गण. से भारत में आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य व प्रशासनिक व्ययों तथा लाभ मार्जिन को तर्कसंगत रूप से शामिल करके घरेलू उद्योग के लिए अनुकूल की गई उत्पादन की लागत के आधार किया गया है। तदनुसार, जैसा कि नीचे पाटनरोधी मार्जिन तालिका में दिया गया है, जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए चीन जन. गण. में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निर्मित किया गया है।

चीन जन. गण. से सहयोग उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

54. प्राधिकारी ने पीसीएन-वार पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए सीएनएन के साथ समान रूप से तुलना करने के लिए पीसीएन स्तर पर निर्यात कीमत की गणना की है, जिसे बाद में, भारत औसत स्तर में बदला गया है।

क. निंगबो दाहुआ होंगलियन ग्राइंडिंग व्हील कं., लि.

55. जांच की अवधि के दौरान, निंगबो दाहुआ होंगलियन ग्राइंडिंग व्हील कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत में असंगत ग्राहकों के लिए सीधे निर्यात किया है। उनके उत्तर में प्रदान किए गए आंकड़ों की जांच के आधार पर, यह पाया गया है कि जांच की अवधि के लिए उत्पादक द्वारा घोषित निर्यातों की मूल्य श्रृंखला (वेल्यू चेन) प्राधिकारी के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम डेटा के साथ मेल नहीं खाती है और यह अधूरी पाई गई थी। अतः प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा दाखिल किए गए उत्तर को अस्वीकार करने का निर्णय लिया और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

ख. हेनन न्यू यिचांग एब्रिसिक्स कं., लि.

56. जांच की अवधि के दौरान, हेनन न्यू यिचांग एब्रिसिक्स कं., लि. ने अपने द्वारा उत्पादित *** मी. टन वस्तुओं का भारत में असंबद्ध ग्राहकों के लिए सीधे और अपने द्वारा उत्पादित *** मी. टन वस्तुओं का अपने संगत निर्यातक झेंगझाऊ चांग बिलियन एब्रिसिक्स कं. लि. के माध्यम से निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी ढुलाई, बीमा, बंदरगाह व अन्य संगत व्ययों आदि के संबंध में समायोजन करने के बाद कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और इसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ग. जियांगसू बॉडफ्लेक्स सुमिंग न्यू मैटिरियल कं., लि.

57. जांच की अवधि के दौरान, जियांगसू बॉडफ्लेक्स सुमिंग न्यू मैटिरियल कं., लि. ने स्वयं द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत में असंगत ग्राहकों के लिए सीधे और स्वयं द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का अपने संगत निर्यातक बॉडफ्लेक्स इंडस्ट्रियल प्रा. लि. के माध्यम से निर्यात किया है। उनके उत्तर में प्रदान किए गए आंकड़ों की जांच के आधार पर यह पाया गया है कि जांच की अवधि के लिए उत्पादक द्वारा घोषित निर्यातों की वेल्यू चेन प्राधिकारी के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम के डेटा के साथ मेल नहीं खाती और वह अधूरी पाई गई। अतः प्राधिकारी कंपनी द्वारा दाखिल किए गए उत्तर को अस्वीकार करने का निर्णय लेते हैं और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

घ. गुआंगडोंग चुआंगुई इंडस्ट्रियल कं., लि.

58. जांच की अवधि के दौरान, गुआंगडोंग चुआंगुई इंडस्ट्रियल कं., लि. ने स्वयं द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का अपने संगत निर्यातक चुआंग हुई (टक यिंग) कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। उनके उत्तर में प्रदान किए गए आंकड़ों की जांच करने पर, यह पाया गया है कि उत्पादक द्वारा जांच की अवधि के दौरान घोषित निर्यातों की वेल्यू चेन प्राधिकारी के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम डेटा के साथ मेल नहीं खा रही है और अधूरी पाई गई थी। अतः प्राधिकारी कंपनी द्वारा दाखिल उत्तर को अस्वीकार करते हैं और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन निर्धारित नहीं किया है।

ड. हेनन जिचेंग एब्रिसिक्स कं., लि.

59. जांच की अवधि के दौरान हेनन जिचेंग एब्रिसिक्स कं., लि. ने स्वयं द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का तीन असंगत निर्यातकों गुडविल टूल्स (शंघाई) कं., लि., झेंगझाऊ यू एंड के आईएमपी एंड ईएक्सपी ट्रेडिंग कं., लि., यू और के साइंस एंड टेक कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। उनके उत्तर में प्रदान किए गए डेटा की जांच के आधार पर, यह पाया गया है कि निर्यातक (गुडविल टूल्स (शंघाई) कं., लि.) द्वारा सूचित किए गए निर्यातों और प्राधिकारी के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम डेटा की कीमत तथा मात्रा में काफी अंतर है चूंकि उत्पादक और निर्यातक के उत्तरों में प्रस्तुत डेटा अविश्वनीय पाए गए हैं, अतः प्राधिकारी कंपनी द्वारा दाखिल किए गए उत्तर को अस्वीकार करते हैं और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

च. जुचांग काजी एब्रेसिव कं., लि.

60. जांच की अवधि के दौरान, जुचांग काजी एब्रेसिव कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का एक असंबद्ध निर्यातक गुडविल टूल्स (शंघाई) कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। उनके उत्तर में प्रदान किए गए डेटा की जांच के आधार पर यह पाया गया है कि निर्यातक (गुडविल टूल्स (शंघाई) कं., लि.) और डीजी सिस्टम के डेटा, जो प्राधिकारी के पास उपलब्ध है, के बीच निर्यातों की कीमत और मात्रा में काफी अंतर है। चूंकि उत्पादक और निर्यातक के उत्तर में प्रस्तुत किए गए डेटा अविश्वनीय पाए गए हैं, अतः प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा

दाखिल उत्तर को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

छ. दचेंग एब्रेसिव टूल्स कं., लि.

61. जांच की अवधि के दौरान, दचेंग एब्रेसिव टूल्स कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित की गई *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का एक असंगत निर्यातक गुडविल टूल्स (शंघाई) कं., लि. को निर्यात किया है। उनके उत्तर में प्रदान किए गए डेटा की जांच करने पर, यह पाया गया है कि निर्यातक (गुडविल टूल्स शंघाई) कं., लि. द्वारा सूचित निर्यातों की कीमतों तथा मात्रा और प्राधिकारी के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम डेटा में काफी अंतर है। चूंकि उत्पादक और निर्यातक के उत्तरों में प्रस्तुत डेटा भरोसेमंद नहीं पाए गए हैं, अतः प्राधिकारी कंपनी द्वारा दाखिल उत्तर को अस्वीकार करते हैं और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन निर्धारित नहीं किया है।

ज. लिनी दपेंग हार्डवेयर और एब्रेसिव प्रोडक्ट्स कं., लि.

62. जांच की अवधि के दौरान, लिनी डापेंग हार्डवेयर एंड एब्रेसिव प्रोडक्ट्स कं., लिमिटेड ने भारत में असंबंधित ग्राहकों को स्वयं द्वारा उत्पादित *** एमटी संबद्ध वस्तुओं और एक असंबंधित निर्यातक गुडविल टूल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड के माध्यम से स्वयं द्वारा उत्पादित *** एमटी संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुडविल टूल्स (शंघाई) कं., लिमिटेड ने डैचेंग एब्रेसिव टूल्स कं., लिमिटेड, हेनान ज़िचेंग एब्रेसिव्स कं., लिमिटेड, जुचांग काइजी एब्रेसिव कं., लिमिटेड द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। और लिनी डापेंग हार्डवेयर एंड एब्रेसिव प्रोडक्ट्स कं., लिमिटेड ने उनके जवाबों में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों की जांच करने पर, यह देखा गया कि निर्यातक (गुडविल टूल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड) द्वारा रिपोर्ट किए गए निर्यात की मात्रा और कीमत में पर्याप्त अंतर है और प्राधिकरण के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम डेटा। चूंकि उत्पादकों और निर्यातक के उत्तरों में प्रस्तुत किए गए आंकड़े अविश्वसनीय पाए गए थे, इसलिए प्राधिकारी ने डैचेंग एब्रेसिव टूल्स कं., लिमिटेड, हेनान ज़िचेंग एब्रेसिव्स कं., लिमिटेड और जुचांग कैजी एब्रेसिव द्वारा दायर किए गए उत्तर को अस्वीकार करने का प्रस्ताव किया था। कं., लिमिटेड और उनके लिए व्यक्तिगत मार्जिन निर्धारित नहीं किया था। हालांकि, प्राधिकारी ने अनजाने में उत्पादक लिनी डापेंग हार्डवेयर एंड एब्रेसिव प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड के लिए पाटन और क्षति मार्जिन की गणना की थी, जिसने गुडविल टूल्स (शंघाई) कं., लिमिटेड के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भी किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि लिनी डापेंग हार्डवेयर और अपघर्षक उत्पाद कं., लिमिटेड ने संबद्ध वस्तुओं का सीधे भी निर्यात किया है। उनके प्रत्युत्तर में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों की जांच करने पर, यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की कीमत में पर्याप्त अंतर है जिसे लिनी डापेंग हार्डवेयर एंड एब्रेसिव प्रोडक्ट्स कं., लिमिटेड ने निर्यातक (सद्भावना) के माध्यम से कीमतों से सीधे भारत को निर्यात किया था। टूल्स (शंघाई) कं., लिमिटेड। इसलिए, लिनी डापेंग हार्डवेयर एंड एब्रेसिव प्रोडक्ट्स कं., लिमिटेड के डेटा पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। चूंकि निर्माता के उत्तर में प्रस्तुत किए गए आंकड़े अविश्वसनीय पाए गए हैं, प्राधिकारी कंपनी द्वारा दायर किए गए उत्तर को अस्वीकार करने के लिए सहमत हैं और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

झ. क) यू एंड के साइंस एंड टेक कं., लि.

63. यू एंड के साइंस टेक कं., लि. ने जांच की अवधि के दौरान स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत में असंगत ग्राहकों के लिए सीधे और स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत में स्थित अपने संगत निर्यातकों झेंगझोऊ यू एंड के आईएमपी एंड ईएक्सपी ट्रेडिंग कं., लि. और झेंगझोऊ ग्राइंडिंग एब्रेसिव कं., लि. तथा असंगत निर्यातक/ व्यापारी हेनन लक्वी टूल्स कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बीमा, बंदरगाह और अन्य संगत व्यय आदि के संबंध में समायोजन करने के बाद, कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ख) हेनन योयूकई ग्राइंडिंग एब्रेसिव कं., लि.

64. जांच की अवधि के दौरान हेनन योयूकई ग्राइंडिंग एब्रेसिव कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत को अपने संगत निर्यातकों झेंगझोऊ यू एंड के आईएमपी और ईएक्सपी ट्रेडिंग कं., लि., यू एंड के साइंस एंड टेक कं., लि. तथा झेंगझोऊ ग्राइंडिंग एब्रेसिव कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बीमा, बंदरगाह और अन्य संगत व्यय आदि का समायोजन करने के बाद, कारखाना बाह्य

स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ज. क) योंगकांग सिल्वर स्टार एब्रेसिव मैटिरियल ग्राइंडिंग टूल कं., लि.

65. जांच की अवधि के दौरान, योंगकांग सिल्वर स्टार एब्रेसिव मैटिरियल ग्राइंडिंग टूल कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत में असंगत ग्राहकों को सीधे निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बीमा, बंदरगाह और अन्य संगत व्ययों आदि के संबंध में समायोजन के बाद, कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है तथा उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ख) झेजियांग शुआंगे टेक्नोलॉजी कं., लि.

66. जांच की अवधि के दौरान, झेजियांग शुआंगे टेक्नोलॉजी कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत में असंगत ग्राहकों के लिए सीधे निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी यातायात, बीमा, बंदरगाह और अन्य संगत व्ययों आदि के संबंध में समायोजन करने के बाद, कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है

ट. सेप्टर इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कं., लि.

67. जांच की अवधि के दौरान, सेप्टर इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का एक असंगत निर्यातक योंगकांग हार्डवेयर सिटि इम्पोर्ट एवं एक्सपोर्ट कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बीमा, बंदरगाह और अन्य संगत व्ययों आदि के संबंध में समायोजन करने के बाद, कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ठ. झेजियांग व्हाइट होर्स एब्रेसिक्स कं., लि.

68. जांच की अवधि के दौरान, झेजियांग व्हाइट होर्स एब्रेसिक्स कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत में असंगत ग्राहकों के लिए निर्यात किया गया है और स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का एक असंगत निर्यातक/ व्यापारी लैंडमार्क एक्जिम एचके कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बीमा, बंदरगाह और अन्य संगत व्ययों आदि के संबंध में समायोजन करने के बाद, कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ड. लांगफांग शेंगसेन एब्रेसिव कं., लि.

69. जांच की अवधि के दौरान, लांगफांग शेंगसेन एब्रेसिव कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित की गई *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत में असंगत ग्राहकों के लिए सीधे निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बीमा, बंदरगाह और अन्य संगत व्ययों आदि के संबंध में समायोजन करने के बाद, कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है तथा उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

ढ. योंगताई (झेंगझोऊ) एब्रेसिव कं., लि.

70. जांच की अवधि के दौरान, योंगताई (झेंगझोऊ) एब्रेसिव कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत को एक असंगत निर्यातक/ व्यापारी हेनन डेगुआंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। उनके उत्तर में प्रदान किए गए आंकड़ों की जांच करने पर, यह पाया गया है कि उत्पादक ने यह सूचित किया है कि उसने जांच की अवधि में भारत को सीधे संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। तथापि, डीजी सिस्टम के डेटा के साथ उनका मेल नहीं खा रहा है, जो यह दर्शाता है कि उस उत्पादक ने भारत को सीधे संबद्ध वस्तुओं का काफी महत्वपूर्ण मात्रा में निर्यात किया है। अतः प्राधिकारी ने अविश्वनीय कंपनी होने के कारण उसके द्वारा दाखिल किए गए उत्तर को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है और कंपनी के लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

ण. झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैनुफैक्चरिंग कं., लि.

71. जांच की अवधि के दौरान, झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैनुफैक्चरिंग कं., लि. ने स्वयं के द्वारा उत्पादित *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का भारत को एक असंगत निर्यातक/ व्यापारी चाइना मशीनरी इंडस्ट्री इंटरनेशनल कोऑपरेशन कं., लि. के माध्यम से निर्यात किया है। समुद्री मालभाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बीमा, बंदरगाह और अन्य संगत व्ययों आदि के संबंध में समायोजन किए जाने के बाद, कारखाना बाह्य स्तर पर भारत और निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

चीन जन. गण. से असहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

72. चीन जन. गण. से असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण सहयोगी निर्यातकों के लिए जांचे गए आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया गया है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

पाटन मार्जिन का निर्धारण

73. उपरोक्तनुसार निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है, जो इस प्रकार है :

पाटन मार्जिन तालिका

उत्पादक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन रेंज
	(यूएस डालर/ मी. टन)	(यूएस डालर/ मी. टन)	(यूएस डालर/ मी. टन)	(%)	(% रेंज)
हेनन न्यू यिचांग एब्रेसिव कं., लि.	***	***	***	*** %	30-40
यू एंड के साइंस एंड टेक कं., लि.	***	***	***	*** %	20-30
हेनन यौकई ग्राइंडिंग एब्रेसिव कं., लि.	***	***	***	*** %	30-40
योंगकांग सिल्वर स्टार एब्रेसिव मैटिरियल ग्राइंडिंग टूल कं., लि.	***	***	***	*** %	30-40
झेजियांग शोंआंग टेक्नोलॉजी कं., लि.	***	***	***	*** %	40-50
सेप्टर इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कं., लि.	***	***	***	*** %	5-15
झेजियांग व्हाइट होर्स एब्रेसिव कं., लि.	***	***	***	*** %	20-30
लांगफांग शेंगसेन एब्रेसिव कं., लि.	***	***	***	*** %	10-20
झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैनुफैक्चरिंग कं., लि.	***	***	***	***%	15-25
चीन जन. गण. से सभी अन्य उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***%	40-50

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच**ज.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध**

74. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. संबद्ध उत्पाद के आयात में ऐसी कोई वृद्धि नहीं हुई जिससे भारतीय उद्योग को क्षति हुई हो। घरेलू उद्योग को चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।
- ii. पाटित आयातों और कथित क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। घरेलू उद्योग को ब्याज लागत में तीव्र वृद्धि के कारण क्षति उठानी पड़ी है।
- iii. याचिकाकर्ता का आर्थिक निष्पादन अच्छा रहा है। वर्तमान में उपलब्ध आंकड़े और सूचना की खोज (जैसे सार्वजनिक स्रोतों से आंकड़े और सूचना) से पता चलेगा कि घरेलू उद्योग सकारात्मक रूप से विकास कर रहा है।
- iv. घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, वर्तमान जांच में कथित आयातों के कारण नहीं बल्कि कोविड-19 की स्थिति के मद्देनज़र अप्रैल, 2020 से जून, 2020 की तिमाही में भारत सरकार द्वारा लगाए गए संपूर्ण लॉकडाउन, घरेलू बाजार में परस्पर प्रतिस्पर्धा और क्षति जांच अवधि के दौरान निर्यातों में 28 प्रतिशत की गिरावट के कारण उत्पादन में गिरावट के कारण हुई है। अन्य कारकों की वजह से घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, अन्य कारकों की वजह से हुई है। कोविड से प्रभावित अवधि को क्षति जांच से बाहर रखना चाहिए।
- v. पीयूसी के विनिर्माण के लिए याचिकाकर्ता भारत में आयातित कच्ची सामग्री पर काफी अधिक निर्भर है। याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता की लागत क्षति अवधि में 13-14 सूचीबद्ध बिंदुओं से अधिक बढ़ गई है। पीयूसी के उत्पादन में प्रयुक्त प्रमुख कच्ची सामग्री (~85 प्रतिशत) चीन से आयातित होती है जो याचिकाकर्ता की क्षति का एक कारण है और चीन के उत्पादकों को लाभ देता है।
- vi. याचिकाकर्ताओं ने उच्च पाटन और क्षति मार्जिन दर्शाने के लिए अधिक ऊपरी खर्च आबंटित करके सीएनवी और एनआईपी को काफी अधिक परिकलित किया है। कटिंग व्हील और ग्राइंडिंग व्हील कच्ची सामग्री आधारित उत्पादों की अनिवार्य उत्पत्तियां हैं। लागत के अधिकांश हिस्से में कार्बोरेडम, व्हाइट एल्युमिनियम ऑक्साइड, ब्राउन एल्युमिनियम ऑक्साइड सिलिकॉन कार्बाइड आदि जैसी कच्ची सामग्री शामिल हैं।
- vii. पीओआई में संबद्ध आयातों में समग्र और सापेक्ष रूप से गिरावट आई है। आयातों में चीन जन.गण. का बाजार हिस्सा भी आधार वर्ष में कट गया है और पीओआई में केवल 0.07 प्रतिशत तक तक बढ़ा है। अन्य देशों से आयात क्षति अवधि के दौरान बढ़े हैं।
- viii. आधार वर्ष और पीओआई में मांग 100 सूचीबद्ध बिंदुओं तक समान रही है। संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा मांग में वृद्धि की तुलना में समान स्तर पर बना रहा है।
- ix. संबद्ध देशों से आयातों की सीआईएफ कीमत 2018-19 में बढ़ गई है। ये संपूर्ण क्षति अवधि में आधार वर्ष के स्तर से अधिक रही है।
- x. क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत और याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री कीमत, दोनों में समग्र वृद्धि का रुझान रहा है, परन्तु संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत उच्चतर मार्जिन के साथ बढ़ी है। यदि चीन जन.गण. से पहुंच कीमत को कम कर दिया जाए तो याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत समान स्तर पर रही है। इसका अर्थ है कि समग्र आयातों के कारण कोई कीमत ह्रास/न्यूनीकरण नहीं हुआ है।
- xi. पीओआई में याचिकाकर्ता कंपनियों को कोई क्षति प्रतीत नहीं होती है। ब्रांडवैल नार्टन लिमिटेड की 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020-21 में प्रचालनों से आय तथा लाभ में वर्ष 2019-20 की तुलना में वृद्धि हुई है।
- xii. याचिकाकर्ता का दावा कि बढ़े हुए आयात वास्तविक क्षति के खतरे का संकेत करते हैं, गलत है क्योंकि पीओआई में संबद्ध आयातों की मात्रा कम हुई है और याचिकाकर्ताओं ने क्षति के खतरे के किसी दावे को सही ठहराने के लिए पीओआई के बाद का कोई आंकड़ा प्रस्तुत नहीं किया है।

- xiii. मजदूरी, मूल्यहास, ब्याज आदि जैसे स्थिर शीर्षों की प्रति इकाई लागत और इसी प्रकार के खर्चों ने घरेलू उद्योग की प्रति इकाई कुल लागत में वृद्धि कर दी है और लाभप्रदता, नकद प्रवाह और आरओसीई को प्रभावित किया है। चीन से कथित आयातों का घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, नकद प्रवाह और आरओसीई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
- xiv. संबद्ध आयातों की मात्रा पूर्ववर्ती वर्ष 2019-20 से पीओआई में काफी घट गई है। उत्पादन के संबंध में संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि दर्शाती है कि याचिकाकर्ता का उत्पादन मांग में वृद्धि के अनुरूप बढ़ने में असमर्थ रहा है।
- xv. याचिकाकर्ता ने पीओआई में अपने कार्य-निष्पादन की तुलना आधार वर्ष के निष्पादन से की है। क्षति आकलन के लिए चार वर्ष की क्षति अवधि का उद्देश्य चार वर्ष की संपूर्ण अवधि में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर विचार करना है। आधार वर्ष और पीओआई के बीच घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की तुलना करना उचित नहीं है और ऐसे विश्लेषण का अर्थ बीच की अवधि की सूचना को अनावश्यक बना देना होगा और यह वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा। यूरोपीय आयोग के कमीशन विनियम पर भरोसा जताया गया था, जो निम्नानुसार है:
- क. दिनांक 28 जनवरी, 2002 के काउंसिल रेगुलेशन (ईसी) सं. 215/2002 जिसमें चीन जन.गण. के मूल के फेरो मोलीबेनम के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।
- ख. 18 सितंबर, 2020 के काउंसिल रेगुलेशन (ईसी) सं. 1995/2000, जिसमें अल्जीरिया, बेलारूस, लिथुआनिया, रूस और यूक्रेन के मूल के यूरिया और अमोनियम नाइट्रेट के सॉल्युशन के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया और अनंतिम शुल्क निश्चित रूप से संग्रहित किया गया था। स्लोवाक गणराज्य के मूल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी कार्यवाही की गई थी।
- xvi. क्षति, लागत और उत्पादन लागतों में तीव्र और निरंतर वृद्धि के कारण हुई है।
- xvii. आवेदकों ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कोविड-19 के कारण मांग में गिरावट और क्षति के कारण एक कारक के रूप में औद्योगिक कार्यकलाप में भारी गिरावट को स्वयं स्वीकार किया है।
- xviii. 2019-20 तक घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट काफी अधिक है और यह “अन्य कारकों” की वजह से हुई है। या तो घाटा गैर-संबद्ध आयातों के कारण या अन्य घरेलू उत्पादकों के कारण हुआ है। दोनों ही तरह से संबद्ध आयातों को दोष नहीं दिया जा सकता है।
- xix. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का क्षति अवधि में आयातों से कोई संबंध नहीं है। बिक्री लागत में 2018-19 में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और आयातों की पहुंच कीमत में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तथापि, बिक्री कीमत केवल 2 प्रतिशत बढ़ी है। पहुंच कीमत में वृद्धि के बावजूद आयातों में वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है। आयात कीमत, आयात मात्रा और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के बीच कोई संबंध नहीं है।
- xx. 2018-19 में घाटे के कम स्तर को नोट करना समान रूप से संगत है। आधार वर्ष 2017-18 से पीओआई में, पहुंच मूल्य में वृद्धि के बावजूद बिक्री कीमत में अनुपातिक रूप से वृद्धि नहीं हुई है। यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध आयातों से प्रतिस्पर्धा में कीमतों में वृद्धि नहीं की है। बिक्री कीमत की चाल से आयातों की पहुंच कीमत की चाल का कोई संबंध नहीं है और इसलिए, आयात घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं डाल रहे हैं।
- xxi. 2019-20 में लागत में 1 प्रतिशत तक वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में और लाभ कमाने में समर्थ रहा था, जो पहुंच कीमत में भारी गिरावट के बावजूद हुआ था। स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग घटती हुई आयात कीमतों के साथ अपनी कीमतों में वृद्धि कर सका था, जो कारणात्मक संबंध का अभाव दर्शाता है।
- xxii. मूल्यहास मौटे तौर पर स्थिर रहा है, परिणामस्वरूप नकद लाभ के रज्जान लाभ में रज्जानों के समान रहे हैं। ब्याज लागत में 2018-19 और 2019-20 में तेजी से वृद्धि हुई है। तथापि, ब्याज लागत पीओआई में घटी है, फिर भी आधार वर्ष से काफी अधिक रही है। निवेश पर आय का रज्जान लाभ के रज्जानों के

बिल्कुल समान रहा है, जो संबद्ध आयातों और आरओआई के बीच कारणात्मक संबंध का अभाव दर्शाता है।

xxiii. वर्ष 2019-20 और 2020-21, जिसमें पीओआई शामिल है, के लिए आवेदक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार क्षति पहुंचाने वाले अन्य कारक थे:

- क. कोविड-19 के कारण संपूर्ण लॉकडाउन;
- ख. एनबीएफसी संकट;
- ग. औद्योगिक कार्यकलाप में भारी गिरावट।

वापसी के बाद

- xxiv. जीएनओ ने 50-60 प्रतिशत पाटन मार्जिन और 40-50 प्रतिशत के क्षति मार्जिन का दावा किया है। ये पाटन मार्जिन काफी अधिक प्रतीत होते हैं। जीएनओ एक विशाल बहु-उत्पाद कंपनी है, जो अनेक उत्पादों का उत्पादन करती है। कंपनी के एसजीए व्ययों का प्राधिकारी को सत्यापन करना चाहिए।
- xxv. संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत संपूर्ण क्षति अवधि में आधार वर्ष के स्तर से अधिक रही है। 0.10 प्रतिशत की रेंज अधिक नहीं है। अतः कोई बड़ी कीमत कटौती नहीं हुई है।
- xxvi. यद्यपि याचिकाकर्ता का क्षमता उपयोग कम हुआ है, तथापि, यह गिरावट पीयूसी से संबंधित क्षति को नहीं दर्शाती है क्योंकि इस क्षमता में पीयूसी और एनपीयूसी दोनों शामिल हैं। यद्यपि पीओआई में उत्पादन में गिरावट आई है, तथापि यह गिरावट केवल मामूली है। इसके अलावा, इस गिरावट के लिए कोविड-19 संबंधी लॉकडाउन के कारण पीओआई में पीयूसी की घरेलू मांग में गिरावट स्पष्ट रूप से उत्तरदायी है।
- xxvii. प्रतिवादियों ने यह भी बताया है कि याचिकाकर्ता की मात्रा और उसकी निर्यात बिक्री पर प्रति इकाई वसूली 2018-19 में गिरावट को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान निरंतर और काफी अधिक वृद्धि हुई है। वास्तव में, पीओआई में यह आधार वर्ष के निर्यात स्तर की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत है। इससे बिल्कुल स्पष्ट संकेत मिलता है कि जीएनओ ने निर्यात बिक्रियों पर अपना फोकस बढ़ा दिया है और तदनुसार, घरेलू बाजार में आपूर्तियां कम कर दी हैं।
- xxviii. याचिकाकर्ता की औसत नियोजित पूंजी में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान निरंतर और भारी वृद्धि हुई है। किसी भी उपकरण या मशीनरी पर जिसमें उन्होंने निवेश किया है, नियोजित ऐसी पूंजी पैमाने की किफायत प्राप्त करने में स्वाभाविक रूप से समय लेगी। इससे नियोजित पूंजी पर आय में गिरावट होना निश्चित है।
- xxix. याचिकाकर्ता के नकद लाभ में गिरावट सीधे तौर पर ब्याज खर्च में वृद्धि से प्रभावित हुई है। यह अस्पष्ट है कि ये ब्याज लागतें और मूल्यहास क्यों बढ़े हैं, जबकि घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई है। इससे साफ तौर पर सिद्ध होता है कि संबद्ध आयातों, जो देश में समान उत्पाद की मांग-आपूर्ति में अंतर को पूरा करने के लिए आवयक हैं, के बजाए जीएनओ के इन अत्यधिक ब्याज खर्चों की वजह से लाभप्रदता प्रभावित हुई है।
- xxx. पीयूसी के विनिर्माण के लिए याचिकाकर्ता भारत में आयातित कच्ची सामग्री पर काफी अधिक निर्भर हैं। यह चीन के उत्पादकों के लिए प्रतिस्पर्धी लाभ है जो घरेलू स्रोतों के माध्यम से इन कच्ची सामग्रियों तक आसानी से पहुंच बना सकते हैं।
- xxxi. भारतीय घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी अल्प विकसित है और कार्यक्षमता कम है, जिससे लागत बढ़ जाती है और उत्पाद की गुणवत्ता घट जाती है। इन आंतरिक नुकसानों की वजह से याचिकाकर्ता भारतीय बाजार में कम प्रतिस्पर्धी हो जाता है जिससे आर्थिक कार्य-निष्पादन प्रभावित होता है।
- xxxii. सकारात्मक कीमत कटौती को क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है। जिप्सम प्लास्टर बोर्ड के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी जांच दिनांक 19 अप्रैल, 2018 में (फा. सं. 7/8/2017-डीजीएडी) में अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी ने यही रुख अपनाया है।

- xxxiii. आवेदक उद्योग 2018-19 में घाटो के कारण नहीं बता पाया है और उसने केवल यह कहा है कि घाटों की जांच के समय लागत के प्रभाव को भी देखा जाना चाहिए। आयात कीमत, आयात मात्रा और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। इस प्रकार, लागत, बिक्री कीमत और पहुंच कीमत की स्पष्ट रूप से तुलना भी घरेलू उद्योग की स्थिति का उत्तर नहीं दे सकती है। उक्त अवधि के दौरान भी आयात अधिक थे। क्षति अवधि के दौरान लागत, बिक्री कीमत और पहुंच मूल्य की गतिविधि से भी कोई कारणात्मक संबंध प्रदर्शित नहीं होता है।
- xxxiv. सुनवाई के दौरान आवेदक ने बताया था कि क्षति मापदंडों के रुझानों में आश्चर्यजनक रूप से कोई अंतर नहीं है। तथापि यह नोट किया गया है कि कतिपय मापदंडों में भारी अंतर है।
- xxxv. डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार का अनुच्छेद 3.5 कथित पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को अधिदेशित करता है। इसमें पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी ज्ञात कारकों की जांच अपेक्षित है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हों और इन अन्य कारकों की वजह से हुई क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा। यह देखा जा सकता है कि वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, कथित आयातों के कारण नहीं हुई है बल्कि कोविड-19 की स्थिति के मद्देनजर अप्रैल, 2020 से जून, 2020 की तिमाही में भारत सरकार द्वारा लगाए गए संपूर्ण लॉकडाउन के कारण हुई है और घरेलू बाजार में परस्पर प्रतिस्पर्धा के कारण हुई है।
- xxxvi. पाटनरोधी जांचों में गैर-आरोपण विश्लेषण करना आवश्यक है, जिसमें अन्य कारकों की वजह से हुई क्षति को अलग करना चाहिए और कथित पाटित आयातों से हुई क्षति को बाहर रखा जाना चाहिए।

ज.2. घरेलू उद्योग के अनुरोध

75. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. घरेलू उद्योग अनुरोध करता है कि उसे चीन जन.गण. से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है।
- ii. चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों में कोविड-19 महामारी के प्रभाव के कारण जांच अवधि (पीओआई) में मामूली गिरावट को छोड़कर संपूर्ण क्षति अवधि में वृद्धि हुई है।
- iii. चीन जन.गण. से कुल आयातों में संबद्ध वस्तु के आयातों का हिस्सा पीओआई में काफी अधिक 83.72 प्रतिशत रहा है। कुल आयातों में चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों का हिस्सा कोविड-19 महामारी के बावजूद 2018-19 और 2019-20 की तुलना में पीओआई के दौरान बढ़ा है, जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयात चीन जन.गण. से निर्यातकों द्वारा आक्रामक पाटन के कारण घरेलू बाजार में काफी अधिक बाजार हिस्सा कब्जाने में समर्थ रहे हैं।
- iv. भारत में पाटित आयात काफी अधिक बढ़े हुए आयातों की संभावना को भी दर्शाते हैं। अतः यह घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के खतरे का भी स्पष्ट मामला बनता है।
- v. उत्पादन में चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में *** प्रतिशत से बढ़कर पीओआई में *** प्रतिशत हो गया है, जो घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के क्षतिकारी प्रभाव को साफ तौर पर दर्शाता है।
- vi. संबद्ध देश से पहुंच मूल्य वर्ष 2018-19 में 1,65,575 रु./एमटी (115-सूचीबद्ध) से काफी अधिक घटकर पीओआई में 1,56,745 रु. (108-सूचीबद्ध) रह गया है। इसके अलावा, 2019-20 की तुलना में पीओआई में पहुंच मूल्य में भी गिरावट आई है। इसके विपरीत, घरेलू उद्योग की लागत में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग में लागत में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग पीओआई के दौरान लागत में वृद्धि के अनुरूप पीओआई के दौरान पाटित आयातों के कारण अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं कर सका था। घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत आधार वर्ष में केवल ***रु./एमटी(100-सूचीबद्ध) से बढ़कर पीओआई में ***रु./एमटी (104-सूचीबद्ध) हो गई थी, जबकि इसी अवधि के दौरान 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तदनुसार, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की कीमतों में चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण गिरावट और ह्रास हुआ है।

- vii. चीन जन.गण. से आयात काफी कम और पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे कम मूल्य के पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की घरेलू कीमत पर काफी अधिक ह्रासकारी और न्यूनतमकारी प्रभाव पड़ता है और इससे विशेष रूप से वर्तमान स्थिति जब कोविड-19 महामारी के बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव के कारण प्रतिस्पर्धा काफी अधिक है, के अन्तर्गत आगे और आयातों की मांग में वृद्धि होने की संभावना है। तदनुसार, वर्तमान वास्तविक क्षति के साथ वास्तविक क्षति का भी मौजूद है।
- viii. संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता स्थिर रही है, जबकि पूरी क्षति अवधि में उनकी क्षमता उपयोग में निरंतर गिरावट आई है, जो चीन जन.गण. से पाटित आयातों क्षतिकारी प्रभाव को स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है।
- ix. पीओआई के दौरान चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के कम मूल्य के पाटित आयातों के कारण आधार वर्ष तथा 2019-20 की तुलना में घरेलू उद्योग की प्रति कर्मचारी उत्पादकता में गिरावट आई है।
- x. चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के तीव्र पाटित आयातों के कारण जांच अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित हुई है। घरेलू उद्योग चीन जन.गण. से पाटित आयातों के कारण पीओआई के दौरान अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में सक्षम नहीं था। घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में केवल 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि के दौरान लागत में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की लागत में भारी वृद्धि के बावजूद संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में केवल 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पहुंच मूल्य 2018-19 में 1,67,575 रु./एमटी (115-सूचीबद्ध) से काफी अधिक घटकर पीओआई में 1,56,745 रु. (108-सूचीबद्ध) रह गया है। इसके अलावा, 2019-20 की तुलना में पीओआई के दौरान पहुंच मूल्य में भी गिरावट आई है। तदनुसार घरेलू उद्योग की प्रति इकाई लाभप्रदता आधार वर्ष में *** रु./एमटी(100-सूचीबद्ध) से काफी अधिक घटकर पीओआई में *** रु.(48-सूचीबद्ध) रह गई है। चूंकि घरेलू उद्योग घटती हुई आयात कीमतों के कारण घरेलू बिक्री कीमत में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था। इसलिए भारी क्षति होने की प्रबल संभावना है।
- xi. कम कीमत के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत में ह्रास और न्यूनीकरण हुआ है, जिससे इसकी मांग आगे और बढ़ने की संभावना है। तदनुसार, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने का खतरा भी है।
- xii. आधार वर्ष में घरेलू उद्योग की ***प्रतिशत (100-सूचीबद्ध) की नियोजित पूंजी पर आय (आरओसीई) चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण पीओआई में काफी अधिक घटकर *** प्रतिशत (38 सूचीबद्ध) रह गई है। तदनुसार यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- xiii. डीजीसीआईएंडएस से उपलब्ध आयात आंकड़ों के आधार पर कीमत कटौती संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान चीन जन.गण. के लिए सकारात्मक और काफी अधिक है। वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग को स्पष्ट रूप से चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की कम कीमत के कारण कीमत वृद्धि से रोका गया है। इस प्रकार, पाटनरोधी नियमावली के अनुसार कीमत ह्रास स्पष्ट है। घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति एनआईपी से कम है। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि घरेलू कीमतें ह्रास मान कीमतों के रूप में प्राप्त हुई हैं और घरेलू उद्योग को वांछित स्तर तक कीमत बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए पाटनरोधी शुल्क का तत्काल संरक्षण आवश्यक है।
- xiv. चीन जन.गण. के पीओआई के लिए उपलब्ध आयात आंकड़ों के आधार पर कम कीमत पर बिक्री न केवल सकारात्मक है बल्कि काफी अधिक भी है।
- xv. चीन जन.गण. से पाटित मार्जिन काफी अधिक सकारात्मक है, जो अत्यधिक है तथा संबद्ध वस्तु की आक्रामक कीमत का संकेत करता है।
- xvi. घरेलू उद्योग की नकद प्रवाह की स्थिति आधार वर्ष तथा 2019-20 की तुलना में जांच अवधि के दौरान खराब हुई है।
- xvii. इस क्षेत्र में भावी निवेश भी चीन जन.गण. से पाटित आयातों की मौजूदगी से प्रभावित हुआ है। क्षमता उपयोग, उत्पादन, घरेलू बिक्री, लाभप्रदता, आरओसीई, नकद प्रवाह आदि में गिरावट स्पष्ट संकेत करती

है कि इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण खतरे में पड़ गई है।

- xviii. हितबद्ध पक्षकारों के इस दावे के संबंध में कि घरेलू उद्योग को चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है, घरेलू उद्योग दोहराता है कि उसे चीन जन.गण. से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है। यह नोट किया जाए कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने दावा नहीं किया कि उन्होंने भारत में पीयूसी का पाटन नहीं किया है। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाए कि मौखिक सुनवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी स्वीकार किया कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- xix. हितबद्ध पक्षकारों का यह आरोप कि याचिकाकर्ता का आर्थिक निष्पादन अच्छा है, गलत और भ्रामक है और इसलिए इसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। याचिकाकर्ता बहु-उत्पाद कंपनियों हैं, अतः वार्षिक रिपोर्ट (समग्र रूप से कंपनी) के आधार पर निकाला गया कोई निष्कर्ष हास्यास्पद होगा।
- xx. कोविड प्रभावित अवधि को बाहर रखने के संबंध में यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग वार्षिक नेमी रखरखाव के लिए कुछ दिनों को छोड़कर लॉकडाउन के दौरान भी निरंतर कार्य कर रहा था। कोविड के कारण ऐसा कोई शटडाउन नहीं हुआ था जिससे घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ हो। इसके अलावा, यह अनुरोध है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार मने घरेलू उद्योग की क्षति पर कोविड-19 के प्रभाव के अपने दावे को सिद्ध करने के लिए कोई आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। तदनुसार, घरेलू उद्योग, प्राधिकारी से क्षति जांच के समय अप्रैल, 2020 से जून, 2020 को नहीं हटाने का अनुरोध करता है।
- xxi. उक्त पर किसी पक्षपात के बिना, यह भी अनुरोध है कि एनआईपी की गणना के समय एडी नियमावली के अनुबंध-III के सिद्धांतों को अपनाकर कोविड के प्रभाव पर पूरा ध्यान दिया गया है। प्राधिकारी ने अनेक मामलों में यही रुख अपनाया है। इनमें से कुछ मामलों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:
- क) ईरान से क्लियर फ्लोट ग्लास (फा.सं.7/15/2021-डीजीटीआर दिनांक 11.2.2022)
- ख) यूरोपियन संघ, कोरिया गणराज्य, रूस और थाईलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कैप्रोलेक्टम [फा. सं. 6/39/2020-डीजीटीआर दिनांक 27.09.2021]
- xxii. निर्यात कार्य-निष्पादन के कारण क्षति के संबंध में यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग ने क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ केवल घरेलू प्रचालनों के आंकड़ों पर विचार किया है। तदनुसार, हितबद्ध पक्षकारों के आरोप में कोई सच्चाई नहीं है।
- xxiii. हितबद्ध पक्षकारों के इस आरोप के संबंध में कि आवेदक ने सुनवाई के दौरान यह बताया था कि क्षति मापदंडों के रुझानों में आश्चर्यजनक रूप से कोई अंतर नहीं है, यह अनुरोध किया गया है कि हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग के वक्तव्य को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया है। घरेलू उद्योग ने सुनवाई में यह उल्लेख किया था कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत क्षति सूचना और अद्यतन सूचना के बीच कोई “वास्तविक अंतर” नहीं है और इसलिए क्षति का रुझान या दिशा बिल्कुल समान है। तदनुसार, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लगाया गया आरोप गलत है।
- xxiv. घरेलू उद्योग की मालसूची उत्पादन में गिरावट के कारण जांच अवधि के दौरान कम हुई है।

ज.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

76. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है। नीचे प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण वस्तुतः हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है।
77. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में “... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ...” घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों

का बहुत अधिक मात्रा में हास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रूक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इन सूचकांकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार किया गया है।

78. चूंकि मैसर्स कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड ने आवेदक के रूप में नाम वापस ले लिया है, इसलिए प्राधिकारी ने क्षति जांच के प्रयोजनार्थ केवल मैसर्स ग्रिंडवेल नार्टन लिमिटेड की सत्यापित सूचना पर विचार किया है।
79. वार्षिक रिपोर्ट पर आधारित तर्कों के संबंध में प्राधिकारी दोहराते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर विचार करके निर्धारित की गई है और जबकि वार्षिक रिपोर्टें संपूर्ण उत्पाद रेंज के लिए घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन दर्शाती हैं।
80. क्षति विश्लेषण से कोविड-19 की अवधि को बाहर रखने के संबंध में यह नोट किया गया है कि किसी भी हितवद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर कोविड-19 के प्रभाव के अपने दावे को सिद्ध करने के लिए कोई आंकड़े नहीं दिए हैं। अतः, प्राधिकारी क्षति जांच करते समय, अप्रैल, 2020 से जून, 2020 की अवधि को नहीं हटाने का निर्णय लिया है। फिर भी, यह नोट किया जाता है कि एडी नियमावली के अनुबंध-III के सिद्धांतों को अपनाकर एनआईपी की गणना के समय कोविड-19 के प्रभाव पर पूरा ध्यान दिया गया है।
81. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग निर्यातनुमुखी है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग के निर्यात संबंधित उत्पाद की कुल बिक्रियों का *** प्रतिशत बनते हैं। इसका अर्थ है कि घरेलू उद्योग का फोकस भारतीय बाजार पर है। इसके अलावा, क्षति जांच, घरेलू प्रचालनों से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए की जाती है।
82. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों और अनुरोधों पर विचार करते हुए क्षति संबंधी मापदंडों की निम्नानुसार जांच की है:

ज.3.1 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

क. मांग/स्पष्ट खपत का आकलन

83. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत पर भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में विचार किया है।

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	101	92
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	109	102
संबद्ध देश- चीन	एमटी	19508	21329	22424	19476
अन्य देशों से आयात	एमटी	3582	4230	4383	3788
भारत में कुल मांग	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	112	100
मांग में भारतीय उद्योग का हिस्सा	%	***%	***%	***%	***%
मांग में चीन जन.गण. से आयातों का हिस्सा	%	***%	***%	***%	***%

84. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु की मांग में कोविड-19 महामारी के प्रभाव के कारण पीओआई को छोड़कर संपूर्ण क्षति अवधि में वृद्धि हुई है। उपर्युक्त जानकारी से यह स्पष्ट है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के निर्यातकों का भारतीय मांग में काफी अधिक हिस्सा है। वे पीओआई के दौरान भारतीय मांग में कोविड-19 महामारी के कारण

बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद लगभग उसी स्तर पर बनाए रखने में सक्षम रहे थे, जिस पर वह पिछले वर्ष था।

ख. संबद्ध देश से आयात मात्रा

85. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन अथवा खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदा-वार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है।

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
संबद्ध देश— चीन जन.गण.	एमटी	19508	21329	22424	19476
अन्य देश	एमटी	3582	4230	4383	3788
कुल आयात मात्रा	एमटी	23090	25558	26807	23264
निम्न के संबंध में संबद्ध देश से आयात					
उत्पादन – घरेलू उद्योग	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	113	106
खपत	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	102	100
कुल आयात	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	99	99

86. यह देखा गया है कि:

- क. संबद्ध देश से आयातों का कुल आयातों की दृष्टि से काफी अधिक हिस्सा है।
- ख. कुल उत्पादन और खपत के संबंध में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयात क्रमशः *** प्रतिशत और *** प्रतिशत हैं।
- ग. संबद्ध देश से आयातों का जांच अवधि के दौरान देश में कुल आयातों में *** प्रतिशत हिस्सा बनता है।

ज.3.2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

87. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में यह विश्लेषण करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कथित पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में बढ़ गई होती। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है।

क. कीमत कटौती

88. यह निर्धारित करने के लिए क्या संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं, संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत के साथ क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना करके कीमत कटौती ज्ञात की गई है। पीओआई के लिए घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित प्रत्येक पीसीएन के लिए कीमत कटौती अलग से निर्धारित की गई है और तत्पश्चात् समग्र रूप से विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्धारित की गई है। इसकी सारांश स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत	रु./एमटी	145722	167575	157190	156745
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./एमटी	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***%	***%	***%	***%
कीमत कटौती	% रेंज	10%-20%	0%-10%	10%-20%	0%-10%

89. यह देखा गया है कि संबद्ध देश से आयात की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम है, इस प्रकार इसके परिणामस्वरूप सकारात्मक कीमत कटौती हुई है।

ख. कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

90. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में ह्रास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों में काफी अधिक ह्रास करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य प्रक्रिया में बढ़ गई होती, क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में परिवर्तनों की जांच की गई थी।

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
बिक्रियों की लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	110	112
बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	105	104
आयातों की पहुंच कीमत	रु./एमटी	145722	167575	157190	156745
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	108	108

91. घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, बिक्री कीमत तथा आयातों की पहुंच कीमत की तुलना से पता चलता है कि संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत से कम रही है। इसके अलावा, यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लागत में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। तथापि, लागतों में वृद्धि के अनुपात में बिक्री कीमत बढ़ाने के बजाए घरेलू उद्योग को कम कीमतों पर देश में आयातों की अधिक मात्रा के कारण बिक्री कीमत घटाने पर मजबूर होना पड़ा था।

ज.3.3 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

92. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और तत्वों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है।
93. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उनके अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तथ्यों और तर्कों पर विचार करते हुए क्षति मापदंडों की वस्तुनिष्ठ जांच की है।

क. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

94. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग नीचे तालिका में दिया गया है:

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
क्षमता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
कुल उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	97	87
पीयूसी उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	102	94
क्षमता उपयोग	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	97	87
घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	101	92

95. यह देखा गया है कि:

- घरेलू उद्योग की क्षमता पूरी जांच अवधि में स्थिर रही हैं।
- उत्पादन और घरेलू बिक्री में जांच अवधि में गिरावट आई है।
- जांच अवधि में क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई है।

ख. बाजार हिस्सा

96. क्षति अवधि के दौरान मांग में घरेलू उद्योग और आयातों का बाजार हिस्सा निम्नानुसार है:

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
घरेलू उद्योग	%	***%	***%	***%	13.68%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	90	93
संबद्ध देश- चीन जन.गण.	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	102	100
अन्य देशों का हिस्सा	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	109	106

97. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों के पास पूरी क्षति अवधि और जांच अवधि में काफी अधिक बाजार हिस्सा रहा है। संबद्ध देश से आयातों का भारतीय बाजार में ***प्रतिशत हिस्सा रहा है।

ग. मालसूची

98. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	71	57

99. पीओआई में स्टॉक की स्थिति में भारी गिरावट आई है।

घ. लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ

100. क्षति अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ नीचे तालिका में दिए गए हैं:

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
बिक्री लागत	र./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	110	112
बिक्री कीमत	र./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	105	104
प्रति इकाई लाभ/हानि	र./एमटी	***	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(2)	77	48
लाभ/हानि	लाख र.	***	(***)	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(2)	78	45
नकद लाभ	लाख र.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	28	82	55
नियोजित पूंजी पर आय	%	***%	(***)%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(0.4)	62	38

101. यह देखा गया है कि:

- क. घरेलू उद्योग की लागत में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जबकि समान अवधि के दौरान बिक्री कीमत में गिरावट आई है।
- ख. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है।
- ग. निवेश पर आय में तत्काल पूर्ववर्ती और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।

ड. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

102. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता नीचे तालिका में दिए गए हैं:

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
मजदूरी / कर्मचारी	र.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	105	106
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	103	102
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	99	92

103. यह देखा गया है कि:

- पीओआई के दौरान प्रदत्त मजदूरी में वृद्धि हुई है।
- जांच अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादकता में कमी आई है।

च. वृद्धि

104. उत्पादन, बिक्री, लाभप्रदता, नकद लाभ, पीबीआईटी, आरओआई और मालसूची के अनुसार घरेलू उद्योग की वृद्धि निम्नानुसार है:

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	पीओआई
उत्पादन – पीयूसी	%		(7)%	10%	(8)%
क्षमता उपयोग	%		(2) %	(0.2) %	(6) %
घरेलू बिक्रियां	%		1%	0.1%	(9) %
घरेलू लाभ/हानि	%		(102) %	3793%	(42) %
नकद लाभ	%		(72) %	198%	(33) %
नियोजित पूंजी पर आय	%		(18) %	11%	(4) %

105. यह देखा गया है कि जांच अवधि में वृद्धि लगभग सभी मात्रा और कीमत मापदंडों में ऋणात्मक रही है। जांच अवधि में उत्पादन, बिक्री, लाभप्रदता, नकद लाभ और आरओसीई सभी में ऋणात्मक वृद्धि हुई है।

छ. पाटन मार्जिन की मात्रा

106. यह नोट किया गया है कि भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है और पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी अधिक है।

ज. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

107. जांच अवधि में लगभग सभी मात्रा और कीमत मापदंडों अर्थात् उत्पादन, बिक्री, लाभप्रदता, नकद लाभ और आरओसीई आदि में ऋणात्मक वृद्धि हुई है।

झ. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

108. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत से कम है।

ज.4 क्षति का समग्र आकलन (एफएफ में प्रत्यक्ष रूप से)

109. विचाराधीन उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयात समग्र और सापेक्ष दोनों तरह से भारी मात्रा में भारत में आयातित किए जा रहे हैं। ये आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। आयात कीमतों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव भी पड़ रहा है। घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग में जांच अवधि में गिरावट आई है। जांच अवधि में लाभप्रदता, नकद लाभ, पीबीआईटी और आरओसीई में गिरावट आई है। जांच अवधि में लगभग सभी मात्रा और कीमत मापदंडों में वृद्धि नकारात्मक रही है। उक्त के मद्देनजर प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है तथा वास्तविक क्षति का खतरा है।

झ. क्षति मार्जिन की मात्रा

110. प्राधिकारी ने यथा-संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी निर्धारित की है। पीयूसी की एनआईपी पीओआई के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर निर्धारित की गई है। क्षति मार्जिन की गणना के लिए संबंधित देश से पहुंच कीमत से तुलना हेतु एनआईपी पर विचार किया गया है। एनआईपी निर्धारित करने के लिए क्षति अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्रियों के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। सुविधाओं के साथ भी यही व्यवहार किया गया है। क्षति अवधि में उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन लागत में कोई असाधारण या अनावर्ती व्यय शामिल न किया जाए। पीयूसी के लिए नियोजित औसत पूंजी (अर्थात् औसत निवल स्थिर परिसंपत्ति+औसत कार्यशील पूंजी पर तर्कसंगत आय (कर पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) की अनुमति दी गई थी क्योंकि नियमावली के अनुबंध III में यथा-विहित क्षति रहित कीमत ज्ञात करने के लिए कर-पूर्व लाभ को अपनाया गया था।
111. पहुंच मूल्य की गणना की गई है और पीसीएन स्तर पर एनआईपी के साथ तुलना की गई है ताकि पीसीएन स्तर पर क्षति मार्जिन प्राप्त किया जा सके और बाद में भारित औसत स्तर पर मिलाया जा सके। ऊपर यथा-निर्धारित पहुंच कीमत और क्षति रहित कीमत के आधार पर, प्राधिकारी द्वारा उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है और नीचे तालिका में दर्शाया गया है:

उत्पादक	एनआईपी	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
	यूएसडॉ./एमटी	(यूएसडॉ./एमटी)	(यूएसडॉ./एमटी)	(%)	(रेंज)
हेनन न्यू यिचांग एब्रेसिव्स कं., लि.	***	***	***	***%	5-15
यू एंड के साईंस एंड टेक कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***%	10-20
हेनान युई ग्राइंडिंग एब्रेसिव कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***%	10-20
योगकांग सिल्वर स्टार एब्रेसिव मैटिरियल ग्राइंडिंग टूल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***%	20-30
झेजियांग शुनाचे टैक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***%	20-30
स्केप्ट्री इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड	***	***	(***)	(***)%	<0
झेजियांग व्हाइट हॉर्स एब्रेसिव कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***%	5-15
लांगफंग शेंगसेन एब्रेसिव कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***%	0-10
झेंगहोऊ हुइफेंग एब्रेसिव व्हील मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***%	40-50
चीन जन.गण. से अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***%	50-60

ञ. कारणात्मक संबंध और गैर-आरोपण विश्लेषण

112. प्राधिकारी ने पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी ज्ञात कारक की जांच की है जिसमें घरेलू उद्योग को उसी समय पर क्षति पहुंचाई हो ताकि इन अन्य कारकों से हुई क्षति, यदि कोई हो, के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा और कीमत

113. अन्य देशों से आयात या तो उच्चतर कीमतों पर हैं या नगण्य स्तर पर हैं।

ख. मांग में संकुचन और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

114. विचाराधीन उत्पाद की मांग में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जबकि पीओआई में गिरावट आई है। चूंकि उत्पाद की मांग में गिरावट आई है, इसलिए आयात कीमत में गिरावट आई थी।

ग. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

115. कोई ज्ञात व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं नहीं हैं।

घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं

116. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच से यह नहीं पता चला है कि प्रतिस्पर्धा की दशाओं या व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं में कोई परिवर्तन हुआ है या कुछ लागू हुआ है।

ड. प्रौद्योगिकी में विकास

117. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन दर्शाने वाला कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

च. निर्यात कार्य-निष्पादन

118. घरेलू और निर्यातों के लिए क्षति संबंधी सूचना पर उन्हें पृथक किए जाने की सीमा तक अलग-अलग विचार किया गया है।

छ. अन्य उत्पादों का कार्य-निष्पादन

119. प्राधिकारी ने केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित आंकड़ों पर विचार किया है।

कारणात्मक संबंध

120. यद्यपि नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है, तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंड दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है।

- I. भारत में संबद्ध वस्तु का भारी पाटन हुआ है।
- II. सस्ते आयातों की उपलब्धता के कारण पाटित आयात समग्र तथा सापेक्ष दोनों तरह से जांच अवधि में काफी अधिक मात्रा में भारत में आयातित हुए हैं।
- III. पाटित आयातों ने भारतीय बाजार में काफी अधिक बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है।
- IV. परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में जांच अवधि में गिरावट आई है।
- V. आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और आयात घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत से कम कीमत पर हुए हैं। आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास और न्यूनीकरण किया है।

121. परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय में गिरावट आई है।

ट. जनहित

122. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क उपायों के जनहित पर प्रभाव का अध्ययन आमतौर पर उत्पादकों और उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से किया जाता है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना भारत में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों के हित में होगा। इन उपायों से घरेलू उद्योग को आगे और क्षति पर रोक लगेगी और उसे संबद्ध देश से निर्यातकों के विरुद्ध प्रतिस्पर्धा करने के लिए समय मिल जाएगा। प्राधिकारी ने उपभोक्ता के दृष्टिकोण से पाटनरोधी शुल्क लगाने के प्रभाव का भी विश्लेषण किया है और यह देखा है कि विदेशी उत्पादकों से स्पर्धा करने में सक्षम भरोसेमंद भारतीय घरेलू उत्पादक होना संबद्ध वस्तु के घरेलू उपभोक्ताओं के हित में होगा, ऐसा तब संभव है जबकि घरेलू उत्पादक आयातों के कारण हुई क्षति से उबरने में समर्थ हों। यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है तो भारतीय घरेलू उत्पादक को आगे और क्षति होगी, जिससे घरेलू उत्पादकों के विरुद्ध विदेशी उत्पादकों को और अधिक लाभ मिलेगा। इसके अलावा, यदि घरेलू उद्योग को नुकसान होने दिया जाता है तो अन्ततः उद्योग समाप्त हो जाएगा और उपभोक्ता पुनः आयातित वस्तुओं की दया पर आश्रित हो जाएंगे।

123. प्राधिकारी ने व्यापक रूप से जनता पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के प्रभाव का विश्लेषण किया है। यह नोट किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद एक काफी कम मूल्य का उत्पाद है जिसका प्रयोग कटिंग, ग्राइंडिंग और पॉलिशिंग के लिए औद्योगिक और निर्माण क्षेत्र में किया जाता है। इसकी लागत परियोजना की कुल लागत का बहुत मामूली हिस्सा बनती है और इसलिए संबद्ध वस्तु के अंतिम उपभोक्ता को पाटनरोधी शुल्क लागू होने पर कीमतों में किसी बड़ी वृद्धि का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ठ. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

124. हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग से प्रकटन पश्चात अनुरोध प्राप्त हुए हैं और यह नोट किया गया है कि अधिकांश उठाए गए मुद्दे दोहराए गए हैं और उन्हें पहले भी उठाया गया है और उचित ढंग से समाधान भी किया गया है। अतिरिक्त अनुरोधों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:

ठ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

125. मैसर्स झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने नियमावली के नियम 15 के अनुसार कीमत वचनबद्धता प्रस्तुत की है। कीमत वचनबद्धता जनहित में है।
126. प्राधिकारी ने विभिन्न उत्पादकों के उत्तरों को अस्वीकृत किया है, जो कानून के अनुसार हैं। प्रतिवादियों ने बाजार आसूचना से जानकारी ली है और पाया कि इन निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में निर्यात कीमत प्रतिवादियों की निर्यात कीमत से वास्तव में कम थी।
127. हेनान सिचेंग ने जांच में चयनित रूप से भाग लिया है, उन्होंने गुडविल टूल्स शंघाई के साथ भाग लिया है परन्तु यू एंड के ग्रुप के साथ भाग नहीं लिया जिससे उनके आंकड़ों की विश्वसनीयता पर संदेह होता है। ऐसी चुनिंदा भागीदारी के लिए संभावित स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि यू एंड के द्वारा किए गए निर्यात हेनान सिचेंग से खरीदे गए थे और वे यू एंड के द्वारा किए गए निर्यातों की तुलना में उनके स्वयं उत्पादन से वास्तविक रूप से कम कीमत पर थे।
128. हेनान न्यू यिचांग एब्रेसिव्स कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर को इस कारण से अस्वीकृत करना चाहिए कि इस कंपनी की निर्यात कीमत मैसर्स झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैन्युफैक्चरिंग की निर्यात कीमत से काफी कम है और इसलिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन हेनान न्यू यिचांग (यह मानते हुए कि हेनान यिचांग के लिए मार्जिन हेनान न्यू यिचांग के लिए था) सही नहीं हो सकता है, जबकि झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैन्युफैक्चरिंग के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से इसकी तुलना की गई है। कंपनी द्वारा दायर आंकड़े डीजी सिस्टम आंकड़ों के साथ प्रति-सत्यापित किए जाने चाहिए।
129. लिनयि देपेंग हार्डवेयर एंड एब्रेसिव्स प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्यातित वस्तुएं झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैन्युफैक्चरिंग की निर्यात कीमत से काफी कम हैं और इसलिए, पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन तब इतना कम नहीं हो सकता है जब उसकी तुलना झेंगझोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैन्युफैक्चरिंग के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के साथ की जाए। कंपनी द्वारा दायर आंकड़े डीजी सिस्टम डेटा से प्रति-सत्यापित किए जाने चाहिए।
130. प्राधिकारी ने (1) हेनान सिचेंग एब्रेसिव्स कंपनी लिमिटेड (2) सुचांगकैजी एब्रेसिव्स कंपनी लिमिटेड और (3) देचेंग एब्रेसिव टूल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर उत्तर को इस आधार पर अस्वीकृत किया है कि इन उत्पादकों अर्थात् गुडविल टूल्स (शंघाई) कंपनी लिमिटेड के निर्यातक द्वारा सूचित मात्रा और निर्यात कीमत में भारी अंतर है और प्राधिकारी के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम आंकड़ों में भी अंतर है। लिनयि देपेंग हार्डवेयर एंड एब्रेसिव्स प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित वस्तु के संबंध में निर्यातक द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में तथ्य भिन्न नहीं हो सकता है।
131. यू एंड के साईंस एंड टेक कंपनी लिमिटेड ने उत्पादक-निर्यातक और व्यापारी-निर्यातक दोनों के रूप में कार्य किया है। तथापि, कंपनी ने केवल उत्पादक-निर्यातक के रूप में प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। यह तथ्यों को दबाने का मामला है। प्रतिवादी निर्यातक का यह दायित्व है कि वह उस उत्पादक को सामने लाए, जिसकी वस्तुओं का निर्यात किया जा रहा है। अन्य उत्पादकों के उत्तर ऐसी स्थिति में आवश्यक हैं, जहां उत्पादक ने व्यापारी और उत्पादक, दोनों के रूप में कार्य किया है।
132. क्षति के कारक के रूप में मांग में गिरावट की जांच करते समय, प्राधिकारी ने नोट किया है कि आयात कीमत पीओआई में कम हुई है जबकि आयात लगभग समान स्तर पर बने रहे हैं। परन्तु, बिक्री कीमत में गिरावट आई है।

133. उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उनके संबंधित परिशिष्टों में यथा-सूचित भारत को निर्यातों के संबंध में डीजी सिस्टम्स के पास उपलब्ध सूचना की तुलना में कमियों का कारण माप की इकाई में अंतर है।
134. डीजी सिस्टम डेटा का प्रयोग कि.प्रा. में आयात की गणना हेतु होता है, जो बिल्कुल अविश्वसनीय है और उक्त उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तरों को अस्वीकार करने के लिए इन्हें नहीं अपनाना चाहिए।
135. गोपनीय प्रकटन में सूचित और कंपनी के दावों में बताई गई संख्या का अंतर काफी अधिक है। प्राधिकारी ने कारखानाद्वारा निर्यात कीमत तथा पहुंच मूल्य, दोनों को बड़ी संख्या में घटा दिया है परंतु ऐसी कटौती का कोई तर्कसंगत कारण या आधार बताने में विफल रहा है, गोपनीय प्रकटन में भी यही हुआ है।
136. सीयूएमआई द्वारा आवेदन की वापसी के पश्चात्, यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता स्वीकृत रूप से भारत में विचाराधीन उत्पाद का प्रमुख उत्पादक है। इस बात की प्रबल संभावना है कि वह बाजार पर प्रभुत्व रखेगा और बाजार में प्रवेश में बाधा उत्पन्न करेगा, जो प्रतिस्पर्धी माहौल और भारत में उद्योग के अच्छे विकास के लिए हानिकारक है।
137. एनआईपी के निर्धारण में, प्राधिकारी नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत आय, जो 1987 में निर्धारित हुई थी, को लागू करके घरेलू उद्योग को अनावश्यक संरक्षण दे रहे हैं। कुछ काल्पनिक विचारों के आधार पर 22 प्रतिशत लाभ मार्जिन अपनाना पूर्णतः अतार्किक है और इसे युक्तिसंगत नहीं माना जा सकता है।
138. ऐसा लगता है कि प्राधिकारी ने अनजाने में हेनान न्यू यिचेंग एब्रासिक्स कंपनी लिमिटेड के बजाय हेनान जिचेंग एब्रासिक्स कंपनी लिमिटेड के नाम को प्रतिस्थापित किया है। अंतिम जांच परिणाम जारी करते समय पाटित मार्जिन तालिका और क्षति मार्जिन तालिका में सही नाम अर्थात् हेनान न्यू यिचेंग एब्रेजिव कंपनी लिमिटेड पर विचार करने का अनुरोध किया गया था।
139. प्राधिकारी का आकलन जीएनओ के आयातों की आवृत्ति और उद्देश्य के संबंध में मूक है। इसके अलावा, जीएनओ द्वारा भी पीयूसी के आयातों के लिए कोई कारण नहीं बताया गया है।
140. चीन के उत्पादकों/निर्यातकों ने अपने पास उपलब्ध समस्त आवश्यक आंकड़े प्रस्तुत करके इस जांच में पूर्ण सहयोग करने का सर्वोत्तम प्रयास किया है। संबंधित कंपनियों के रूप में उत्पादक/निर्यातक, आयातक समूहों में आंतरिक व्यवस्था की जानकारी नहीं रखते हैं।
141. आयातक समूह में व्यापारियों को असंबंधित निर्यातक नहीं माना जाना चाहिए बल्कि आयातक के भाग के रूप में माना जाना चाहिए अर्थात् ऐसे व्यापारियों और उनके संबंधित भारतीय आयातकों को एक कंपनी माना जाना चाहिए, इस परिस्थिति में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यातों की मूल्य श्रृंखला पूर्ण है।
142. शुआंगे और सिल्वर स्टार के लिए, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पहुंच मूल्य में कतिपय खामियां प्रतीत होती हैं। प्राधिकारी से उनकी पुनः जांच करने का अनुरोध है।
143. प्राधिकारी से एचएफसी आर-32 संबंधी पाटनरोधी जांच में अपनाई गई प्रक्रिया का पालन करने का अनुरोध है, जिसमें लाभप्रदता निर्धारण के लिए ब्याज खर्चों को अलग रखा गया था।
144. उत्पादक योंगटाई को किसी भ्रम के कारण उसने केवल निर्यातक डागुआंग के ज़रिए, भारत को अपने निर्यातों के ही ब्यौरे प्रदान किए हैं और भारत को सीधे निर्यातों का ब्यौरा नहीं दिया है। उत्पादक योंगटाई ने अब सभी बिक्री बीज़कों के समर्थक दस्तावेजों के ब्यौरे के साथ परिशिष्ट 3क में भारत को अपने सीधे निर्यातों के ब्यौरे अब प्रस्तुत किए हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर, उत्पादक योंगटाई के लिए निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का अलग निर्धारण कृपया वर्तमान जांच में किया जाए क्योंकि उन्होंने रिकॉर्ड में पूरी सूचना दी है।
145. प्राधिकारी की कार्यवाही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है। प्राधिकारी ने सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान, डीजी सिस्टम आंकड़ों से अंतर के बारे में सूचित नहीं किया था। प्राधिकारी को आंकड़े अस्वीकृत करने से पहले उत्पादक/निर्यातकों को बचाव का अवसर देना चाहिए था।
146. एनआईपी के निर्धारण में प्राधिकारी नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत आय, जो 1987 में निर्धारित हुई थी, को लागू करके घरेलू उद्योग को अनावश्यक संरक्षण दे रहे हैं।

8.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

147. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी द्वारा दायर अनेक पत्रों/मेलों के माध्यम से अपनी यह शंका व्यक्त की है कि उत्पादकों/निर्यातकों ने नकारात्मक या कम पाटनरोधी शुल्क के उद्देश्य से अपने निर्यातों के ब्यौरे संभवतः गलत घोषित किए हैं।

148. प्रकटन विवरण से यह स्पष्ट है कि सात (7) उत्पादकों के प्रश्नावली के उत्तर अस्वीकृत हुए क्योंकि जांच अवधि के लिए उत्पादक द्वारा घोषित निर्यात की मूल्य श्रृंखला डीजी सिस्टम्स के आंकड़ों से मेल नहीं खाती थी। इस प्रकार, घरेलू उद्योग की यह आशंका कि उत्पादकों/निर्यातकों ने नकारात्मक या कम पाटनरोधी शुल्क के उद्देश्यों से अपने आयातों का ब्यौरा अलग घोषित किया है, सही सिद्ध होती है। प्राधिकारी ने ऐसे उत्पादकों के उत्तर को अस्वीकृत करके सही किया है क्योंकि किसी व्यापार उपचारात्मक उपाय संबंधी जांच में प्राधिकारी को जानबूझकर गुमराह करने के प्रयास से सख्ती से निपटा जाना चाहिए।
149. हमारी बाजार आसूचना पर आधारित तथा घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी को प्रस्तुत क्षति मार्जिन की गणना कि अनुसार पीओआई के दौरान स्कैप्टर द्वारा पीयूसी के निर्यातों का ब्यौरा यह बिल्कुल स्पष्ट कर देता है कि स्कैप्टर ने शून्य शुल्क प्राप्त करने के उद्देश्य से अपने निर्यातों के ब्यौरे की गलत घोषणा की है। इस प्रकार, प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे इस उत्तर को अस्वीकृत करें और उन पर अवशिष्ट शुल्क लगाएं।
150. निम्नलिखित उत्पादकों ने पीओआई के दौरान भारत को नमूनों या गैर-वाणिज्यिक मात्राओं का निर्यात किया है।

क्र.सं.	उत्पादक	चीन जन.गण. से भारत को कुल निर्यात में हिस्सा (%)
1	लांगफांग शेंगसेन एब्रेसिक्स कंपनी लिमिटेड	4%
2	हेनान सिचेंग एब्रेसिक्स कंपनी लिमिटेड	1%
3	लिनयि देपेंग हार्डवेयर एंड एब्रेसिक्स प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड	2%
4	हेनान युकेई ग्रांडिंग एब्रेसिक्स कंपनी लिमिटेड	2%
5	योंगकांग सिल्वर स्टार एब्रेसिव मैटिरियल ग्रांडिंग टूल कंपनी लिमिटेड	1%
6	झेजियांग शुआनघे टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	4%

151. इसके अलावा, घरेलू उद्योग की समझ के अनुसार पीयूसी की ऊपर उल्लिखित उत्पादकों द्वारा पीओआई के दौरान भारत को निर्यात में दावा की गई पीयूसी की नमूना या गैर-वाणिज्यिक मात्रा भी नकारात्मक या कम पाटनरोधी शुल्क के लिए गलत घोषित की गई थी, अर्थात् एनपीयूसी को पीयूसी दर्शाया गया है या उच्च मूल्य के पीसीएन को कम मूल्य का पीसीएन बताया गया है या कम भार (प्रति नग ग्राम) को पीसीएस को एमटी में बदलने पर विचार किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप एमटी में भार कमतर हुआ है।
152. ऊपर उल्लिखित भागीदार उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दावा किए गए मामूली/नमूना या गैर-वाणिज्यिक निर्यातों की निर्यात कीमत का वाणिज्यिक मात्राओं का निर्यात करने वाले अन्य भागीदार उत्पादकों/निर्यातकों की निर्यात कीमत से काफी अधिक है जो स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि ये मात्राएं या तो नमूना या गैर-वाणिज्यिक मात्राएं थीं या गलत घोषित थीं। तदनुसार, घरेलू उद्योग प्राधिकारी से अलग पाटन और क्षति मार्जिन प्रदान करने हेतु भागीदार उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा किए गए नमूना/गैर-वाणिज्यिक निर्यातों पर विचार नहीं करने का अनुरोध करता है।
153. प्रकटन विवरण के पैरा सं. 40 में किए गए इस अवलोकन पर ध्यान दिलाया गया है कि जांच की समामि के लिए सीयूएमआई द्वारा आवेदन वापसी और उसके उपयुक्त कारण का सिद्ध नहीं होना आवेदक की ओर से असैधांतिक है। इस संबंध में, यह अनुरोध है कि उपर्युक्त अवलोकन अनावश्यक है क्योंकि सीयूएमआई ने 04 मई, 2022 के पत्र द्वारा विस्तृत व्यापार कारण बताए थे जिससे वे आवेदन वापस लेने को मजबूर हो गए। यह नोट किया जाए कि सीयूएमआई ने कोई अनिश्चित अनुरोध नहीं किया था कि उन्हें आवेदन का एक समर्थक माना जाना चाहिए। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि सीयूएमआई ने सर्वाधिक आदरपूर्ण और सैधांतिक ढंग से आचरण किया था।
154. सीयूएमआई ने डीएसटी जारी होने से पहले अपना नाम वापस लिया है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से विभिन्न पत्रों के माध्यम से दूसरी मौखिक सुनवाई नहीं करने का अनुरोध किया है क्योंकि हितबद्ध पक्षकारों के पास डीएसटी में जांच संबंधी अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने का पूरा अवसर है। घरेलू उद्योग का प्रस्ताव प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई हाल की प्रक्रिया के अनुक्रम में है। यह नोट किया जाए कि वियतनाम, मलेशिया, थाइलैंड और

इंडोनेशिया (अंतिम जांच परिणाम दिनांक 20 अप्रैल, 2021) से “प्लेन मीडियम डेनसिटी फाइबर बोर्ड जिनकी मोटाई 6 एमएम से कम हो” के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच में एक सह आवेदक [सेंचुरी प्लाईबोर्ड (इंडिया) लिमिटेड] ने प्रकटन विवरण के जारी होने के बाद घरेलू उद्योग के घटक के रूप में अपनी भागीदारी वापस ले ली थी और हितबद्ध पक्षकारों को जांच पर इसके प्रभावों के संबंध में टिप्पणी देने का भी अवसर नहीं दिया गया था।

155. कुछ बेइमान व्यापारियों द्वारा अल्प-मूल्यांकन के आधार पर संदर्भ कीमत आधारित शुल्क लगाने का हितबद्ध पक्षकारों का अनुरोध तथ्यों की समझ के बिना पूर्णतः अतार्किक है और इसलिए इसे अस्वीकृत किया जाना चाहिए। इस संदर्भ में घरेलू उद्योग के समर्थन के लिए प्राधिकारी का ध्यान निम्नलिखित तथ्यों पर दिलाया जाता है:

- क) पाटनरोधी शुल्क किसी उत्पादक/निर्यातक विशेष की वास्तविक कीमत सूचना के आधार पर परिकलित किया जाता है। कोई उत्पादक/निर्यातक, जिसने संबद्ध वस्तु का अल्प मूल्य बताया हो, पर सर्वाधिक शुल्क लगाया जाएगा। तदनुसार, संदर्भ कीमत आधारित शुल्क लगाने की कोई जरूरत नहीं है।
- ख) संदर्भ कीमत आधारित शुल्क दुरुपयोग की संभावना से ग्रस्त है, जिसमें बेइमान निर्यातक/आयातक पाटनरोधी शुल्क से बचने के लिए अपनी कीमतों में कृत्रिम रूप से वृद्धि कर सकता है, परंतु भारतीय बाजार में कम कीमत पर पुनर्विक्री कर सकता है।
- ग) सबसे महत्वपूर्ण यह नोट किया जाए कि प्रमुख कच्ची सामग्रियां वृद्धि की दिशा में भारी कीमत अस्थिरता के अधीन हैं। तदनुसार घरेलू उद्योग को आशंका है कि आयात कीमतों में मुख्यतः कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि के कारण, वृद्धि हो सकती है। ऐसे मामले में घरेलू उद्योग कारगर ढंग से संरक्षित नहीं हो सकता है।
- घ) इसके अलावा, यह भी अनुरोध किया गया है कि पीयूसी में अनेक ग्रेड या प्रकार शामिल हैं जिनकी अलग अलग कीमत और लागत होती है। ऐसी परिस्थिति में संदर्भ कीमत आधारित शुल्क घरेलू उद्योग का कारगर संरक्षण नहीं कर सकता है और वह संपूर्ण प्रक्रिया को अनावश्यक बना देगा।

156. ऊपर किसी बात के होते हुए भी यह अनुरोध किया जाता है कि शुल्क के रूप के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के बीच कोई आम सहमति नहीं है क्योंकि चार में से केवल एक परामर्शी समूह ने शुल्क के संदर्भ रूप को लागू करने का अनुरोध किया है।

ठ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

157. प्राधिकारी 22 प्रतिशत आरओसीई प्रदान करने संबंधी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को नोट करते हैं। यह नोट किया गया है कि नियोजित पूंजी पर आय के परिकलन की अनुमति नियमावली के अनुबंध-III और प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया के अनुसार दी गई है।
158. कीमत वचनबद्धता के लिए अनुरोध के संबंध में यह नोट किया गया है कि यह अनुरोध बिल्कुल अंतिम समय पर किया गया था। इसके अलावा, अनुरोध उचित प्रपत्र में नहीं था और सूचना में अपेक्षित कीमत वचनबद्धता स्वीकार करने के अनुरोध को प्रदान नहीं किया गया था। तदनुसार, कीमत वचनबद्धता के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
159. प्राधिकारी कुछ निर्यातकों के उत्तरों को अस्वीकृत करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध को नोट करते हैं। यह देखा गया है कि निर्यातों की मूल्य श्रृंखला और जांच अवधि के लिए उत्पादक द्वारा घोषित निर्यातों का ब्यौरा प्राधिकारी के पास उपलब्ध डीजी सिस्टम्स के आंकड़ों से मेल नहीं खाता है और उसे अधूरा पाया गया था।
160. प्राधिकारी मार्जिन तालिकाओं में टंकण की त्रुटि के संबंध में हेनान न्यू यिचांग एब्रेजिव कंपनी लिमिटेड द्वारा किए गए अनुरोध को नोट करते हैं। यह नोट किया गया है कि इसमें सुधार किया गया है।
161. स्कैटर इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के उत्तर को अस्वीकार करने के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध के संबंध में यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने आंकड़ों की जांच की है और उन्हें सही पाया है।

162. प्राधिकारी कुछ भागीदार उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उन्हें अलग पाटन और क्षति मार्जिन प्रदान करने के लिए नमूना/गैर-वाणिज्यिक निर्यातों पर विचार नहीं करने संबंधी घरेलू उद्योग के अनुरोधों को नोट करते हैं। यह नोट किया जाता है कि इन उत्पादकों/निर्यातकों के मात्रा और कीमत आंकड़े सही पाए गए थे और वे डीजी सिस्टम्स के आंकड़ों से मेल खाते हैं।
163. इस मुद्दे पर कि गोपनीय प्रकटीकरण में रिपोर्ट की गई संख्या और कंपनी के दावों में बहुत अधिक अंतर है और प्राधिकरण ऐसी कमी के लिए कोई तर्क या आधार प्रदान करने में विफल रहा है, यहां तक कि गोपनीय प्रकटीकरण में भी, यह इंगित किया जाता है कि प्राधिकरण ने सूचित किया है कि उसने डीजी सिस्टम्स डेटा पर भरोसा किया है।
164. इस मुद्दे पर कि प्राधिकरण ने सत्यापन के दौरान डीजी सिस्टम डेटा बेमेल के बारे में सूचित नहीं किया और इस प्रकार प्राधिकरण की कार्रवाई नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है, यह इंगित किया जाता है कि प्राधिकरण हमेशा प्रस्तुत डेटा की तुलना कर सकता है इच्छुक पार्टियों के डेटा की विश्वसनीयता की जांच करने के लिए डीजी सिस्टम डेटा के साथ इच्छुक पार्टियां।

ड. निष्कर्ष

165. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों जैसा कि वर्तमान जांच परिणाम में रिकॉर्ड किया गया है, की जांच करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि:
- (i) विचाराधीन उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयात समग्र और सापेक्ष, दोनों तरह से भारी मात्राओं में भारत में आयातित किए जा रहे हैं।
 - (ii) आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं।
 - (iii) आयात कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास और न्यूनीकरण भी कर रही हैं।
 - (iv) जांच अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।
 - (v) जांच अवधि में लाभप्रदता, नकद लाभ, पीबीआईटी और आरओसीई में गिरावट आई है। जांच अवधि में लगभग सभी मात्रा और कीमत मापदंडों में वृद्धि ऋणात्मक रही है।
 - (vi) पूर्वोक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
 - (vii) यह संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उपभोक्ताओं के हित में भी होगा कि विश्वसनीय भारतीय घरेलू उत्पादक विदेशी उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हों। यह तभी संभव है जब घरेलू उत्पादक आयातों के कारण हुई क्षति से उबरने में सक्षम हों। यदि वर्तमान स्थिति को जारी रखने की अनुमति दी जाती है, तो भारतीय घरेलू उत्पादक को और अधिक क्षति का सामना करना पड़ेगा, जिससे विदेशी उत्पादकों को घरेलू उत्पादकों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा। इसके अलावा, अगर घरेलू उद्योग को नुकसान होने दिया जाता है, तो उपभोक्ताओं को आयातित माल की दया पर छोड़ दिया जाएगा।
 - (viii) बड़े पैमाने पर जनता पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के प्रभाव के विश्लेषण से पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद बहुत कम मूल्य का उत्पाद है और इसलिए, संबद्ध वस्तु के अंतिम उपभोक्ता को कीमतों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि का सामना नहीं करना पड़ेगा यदि पाटनरोधी शुल्क लगाई गई है।

ड. सिफारिशें

166. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था और पाटन, क्षति और उसके कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए घरेलू उद्योग, संबद्ध देश के दूतावास, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर दिया गया था। इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के संदर्भ में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच की शुरुआत करने और इसे पूरा करने के बाद, प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना पाटन और परिणामी क्षति की भरपाई के लिए आवश्यक है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से, संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर नीचे वर्णित ढंग और तरीके से अगले पांच वर्षों की अवधि के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

167. इस नियमावली के नियम 4(घ) और नियम 17(1)(ख) में दिए गए प्रावधान के अनुसार, प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, जिससे घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो सके। तदनुसार, प्राधिकारी चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित शुल्क तालिका के कॉलम 3 में वर्णित संबद्ध वस्तु के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से पांच (5) वर्षों के लिए नीचे शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	यूओएम	मुद्रा
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
1	68**	रेसिन बॉन्डेड थिन व्हील्स*	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	हेनान न्यू यिचांग एब्रेसिव्स कं., लिमिटेड	238.04	एमटी	यूएसडॉ.
2	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	यू एंड के साईस एंड टेक कं., लिमिटेड	282.78	एमटी	यूएसडॉ.
3	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	हेनान युकई ग्राइंडिंग एब्रेसिव्स कं., लिमिटेड	282.78	एमटी	यूएसडॉ.
4	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	योंगकांग सिल्वर स्टार एब्रेसिव मैटेरियल ग्राइंडिंग टूल कं., लिमिटेड	526.87	एमटी	यूएसडॉ.
5	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेजियांग शुआंघे टेक्नोलॉजी कं., लिमिटेड	526.87	एमटी	यूएसडॉ.
6	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	स्केप्टे इंडस्ट्रियल एंड ट्रेडिंग कं., लिमिटेड	शून्य	एमटी	यूएसडॉ.
7	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेजियांग व्हाइट हॉर्स एब्रेसिव्स कं., लिमिटेड	236.6	एमटी	यूएसडॉ.
8	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	लांगफेंग शेगसेन एब्रेसिव्स कं., लिमिटेड	78.38	एमटी	यूएसडॉ.
9	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. सहित कोई देश	झेंगहोऊ हुईफेंग एब्रेसिव व्हील मैनुफैक्चरिंग कं., लिमिटेड	361.13	एमटी	यूएसडॉ.

10	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. महित कोई देश	क्र.सं. 1 से 9 के अलावा कोई	690.12	एमटी	यूएसडॉ.
11	-वही-	-वही-	चीन जन.गण. के अलावा अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	690.12	एमटी	यूएसडॉ.

****नोट 1:** सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

***नोट 2:** "निम्नलिखित किस्मों/पीसीएन के रेजिन बॉडेड थिन व्हील्स:

- क) 300 एमएम से 310 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 12 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ख) 345 एमएम से 356 एमएम डायमीटर के कटिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 14 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ग) 100 एमएम से 110 एमएम के अल्ट्रा-थिन व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- घ) 120 एमएम से 127 एमएम के अल्ट्रा-थिन व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 5 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- ड.) 100 एमएम से 107 एमएम के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 4 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;
- च) 178 एमएम से 180 एमएम के ग्राइंडिंग व्हील्स, जिन्हें सामान्य रूप से 7 इंच डायमीटर के रूप में उल्लिखित किया जाता है;

नोट 3:

- क. रेसिन बॉडेड एब्रेसिक्स को छोड़कर कच्ची सामग्री से बनाए गए कटिंग/ग्राइंडिंग व्हील्स विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।
- ख. अल्ट्रा-थिन व्हील्स +/- 0.15 एमएम की टोलरेंस वाले 1.6 एमएम तक की मोटाई के कटिंग व्हील्स शामिल करते हैं।

ण. आगे की प्रक्रिया

- 168. इस अधिसूचना के उद्देश्य से आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमा शुल्क द्वारा यथा-निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार से सीमा शुल्क शामिल हैं।
- 169. इस अंतिम जांच परिणाम के फलस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

अनन्त स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)****FINAL FINDINGS NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th August, 2022

Case No. (AD-OI -09/2021)**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of “Resin Bonded Thin Wheels” originating in or exported from China PR.****A. BACKGROUND OF THE CASE**

F. No. 6/09/2021-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the ‘Act’) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the ‘Rules’), thereof.

1. The Designated Authority (hereinafter referred to as “Authority”) received an application from M/s Grindwell Norton Limited and M/s Carborundum Universal Limited. (hereinafter also referred to as “applicants”) requesting initiation of anti-dumping investigation under the Act and the Rules on imports of “Resin Bonded Thin Wheels” (hereinafter also referred to as “subject goods” or “product under consideration” or “PUC”) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as “subject country”). The applicants provided the prescribed information in the application.
2. The Authority, on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicants, issued a public notice vide notification No. 6/9/2021-DGTR dated 7th June, 2021, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the investigation in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - a. The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
 - b. The Authority issued a public notice dated 7th June, 2021 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject country.
 - c. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 7th June, 2021 to the Embassy of the subject country in India, the known producers and exporters from the subject country, known importers, importer/user associations and other interested parties, as per the addresses made available by the applicants. The interested parties were advised to provide the relevant information in the form and manner prescribed and make their submissions known in writing within the prescribed time-limit, in accordance with Rules 6(2) and 6(4) of the Rules.
 - d. The Authority provided a copy of the non- confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Government of the subject country, through its Embassy in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - e. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject country.

- f. The Authority, upon request made by the interested parties, granted extension of time to the interested parties to file their response as well as submissions. Vide communication dated 27th July, 2021, the time was extended up to 12th August, 2021.
- g. The Authority sent exporter questionnaire to the following known producers/exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- i. China Machinery Industry
 - ii. Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.
 - iii. Henan Lucky Tools Co., Ltd.
 - iv. Hikoki Power Tools Asia Co., Ltd.
 - v. Jiangsu Zhenyuan Tools Co., Ltd.
 - vi. Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd.
 - vii. Nantong Wot Abrasives Co., Ltd.
 - viii. U & K Science & Tech Co., Ltd.
 - ix. Yongkang Hardware City Imp & Exp Co., Ltd.
 - x. Yongkang Silver Star Abrasive Material Grinding Tool Co., Ltd.
 - xi. Zhengzhou U & K Imp & Exp Trading Co., Ltd.
- h. In response to the above notification, the following producers/exporters have responded and submitted exporter's questionnaire responses and/or legal submissions:
- i. Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd.
 - ii. Zhejiang Shuanghe Technology Co., Ltd.
 - iii. Yongkang Silver Star Abrasive Material Grinding Tool Co., Ltd.
 - iv. Sceptre Industrial & Trading Co., Ltd.
 - v. Yongkang Hardware City Import & Export Co., Ltd.
 - vi. Zhejiang White Horse Abrasives Co., Ltd.
 - vii. U and K Science & Tech Co., Ltd.
 - viii. Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing Co., Ltd.
 - ix. M/s Yongtai (Zhengzhou) Abrasives Co., Ltd.
 - x. Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd.
 - xi. Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd.
 - xii. Xuchang Ka ijie Abrasive Co., Ltd.
 - xiii. Jiangsu Bondflex Sumeng New Material Co., Ltd.
 - xiv. Guangdong Chuanghui Industrial Co., Ltd.,
 - xv. Ningbo Dahua HongLian Grinding Wheel Co., Ltd.
 - xvi. Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd.
 - xvii. Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd.
 - xviii. Henan Youkai Grinding Abrasives Co., Ltd.
 - xix. Henan Lucky Tools Co., Ltd.
 - xx. Landmark Exim (HK) Co., Ltd.
 - xxi. Zhengzhou Grinding Abrasives Co., Ltd.
 - xxii. China Machinery Industry International Cooperation Co., Ltd.

- xxiii. M/s Henan Daguang Import and Export Co., Ltd.
- xxiv. Bondflex Industrial Pte. Ltd.
- xxv. Chuang Hui (Tak Ying) Co., Ltd.
- xxvi. Zhengzhou Chang Billion Abrasives Co., Ltd.
- xxvii. Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.
- xxviii. Zhengzhou U&K Imp and Exp Trading Co., Ltd.
- i. The Authority sent importer/user questionnaires to the following known importers and users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - i. A. M. Enterprises
 - ii. Ahad Trade Pvt Ltd
 - iii. Aipl Zorro Private Limited
 - iv. Bosch Limited
 - v. Fmi Limited
 - vi. Hikoki Power Tools India Private Ltd
 - vii. Jk Files (India) Ltd.
 - viii. Lsl Tools Private Limited
 - ix. Makita Power Tools India Pvt.Ltd,
 - x. Powertex Tools Company Pvt Ltd
 - xi. Precision Abrasives
 - xii. S M Impex
 - xiii. Topline Trading
 - xiv. Vijay Enterprises
- j. In response to the above notification, the following importers or users have responded and submitted importer/user questionnaire responses and/or legal submissions and/or registered as interested parties:
 - i. M/s. FX Pigments Private Limited
 - ii. Precision Abrasives HUF
 - iii. Precision Abrasives Pvt Ltd
 - iv. Ahad Trade Private Limited
 - v. Industrial Tools Corporation
 - vi. Yuri Tools Impex LLP
 - vii. LSL Tools Pvt
 - viii. Powertex Tools Company Pvt
 - ix. AIPL Zorro Pvt. Ltd-NCV
- k. In response to the above notification, China Chamber of Commerce for Import and Export of Machinery and Electronic Products ('CCCME'), which is an association of the producer / exporters from China PR has also filed the legal submissions.
- l. A list of all interested parties was uploaded on DGTR's website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all other interested parties since the public file was not accessible physically due to the ongoing global pandemic.

- m. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st January, 2020 to 31st December, 2020 (12 months). The injury examination period has been considered as the period from April 2017 - March 2018; April 2018 - March 2019, April 2019 - March 2020 and the period of investigation.
- n. The Authority obtained transaction-wise import data from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and Directorate General of Systems & Data Management (DGS) for the subject goods for the injury period and the POI, and analysed the data after due examination of the transactions.
- o. The non-injurious price (hereinafter referred to as “NIP”) based on the cost of production and reasonable profit to sell the subject goods in India, having regard to the information furnished by the domestic industry in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules, has been worked out so as to ascertain whether ADD lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- p. The Authority visited the plants of the applicants to verify the production of the PUC. The desk verification of the information provided by the applicant, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of this final findings.
- q. The information provided by the responding exporters was examined by the Authority by way of a table study, to the extent deemed necessary. Only such information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied.
- r. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, the parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- s. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and examined the matter on the basis of the facts available.
- t. The Authority also provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on the PUC and PCNs in a hearing held on 19th January, 2022 considering the submissions filed by the interested parties. All the parties who had attended the oral hearing were provided an opportunity to file their written submissions on PUC and PCNs.
- u. The Authority notified the final PCNs and also issued a clarification on PUC vide notice dated 17th February, 2022.
- v. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority also provided an opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held on 12th April 2022. All the parties who had attended the oral hearing were provided an opportunity to file written submissions, followed by rejoinders, if any.
- w. One of the co-applicants, namely, Carborundum Universal Limited withdrew as an applicant vide letter dated May 04, 2022 but claimed that it continues to support the application and the investigation as a supporter. In view of the change in the composition of the domestic industry, the said letter was circulated to all the participating interested parties for their comments, an opportunity of oral hearing was again provided to all interested parties to present their views orally in the hearing held on 11th July, 2022 in accordance with Rule 6(6) of the Rules. All the parties who had attended the oral hearing were provided an opportunity to file written submissions, followed by rejoinders, if any.
- x. Since a large number of producers and exporters participated in the investigation, and the examination of their responses and PCN wise data was taking more time than the usual, the Authority requested the Ministry of Finance to extend the time limit to complete the

- investigation. The Ministry of Finance agreed and extended the time to complete the investigation up to 6th August, 2022.
- y. A disclosure statement containing the essential facts in this investigation which would have been formed the basis of the final findings was issued to the interested parties on 29.07.2022 and the interested parties were allowed time upto 03.08.2022 to comment on the same. The comments on the disclosure statement received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this final findings notification.
 - z. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this final findings notification.
 - aa. ‘***’ in this final findings notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
 - bb. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US\$ = Rs. 75.02

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as:

“3. The product under consideration (PUC) is "Resin Bonded Thin Wheels". The product under consideration is used in the market in various sectors ranging from welding, cutting, foundry to primary metal markets for nagging and cutting ferrous and non-ferrous materials. It is manufactured by using the process of moulding of the wheel on press and then baking in ovens followed by stripping and packing. The following types of Resin Bonded Thin Wheels are included in the scope of the PUC:

 - a) Cutting Wheels of 300 MM to 356 MM diameter, commonly referred to as 12" to 14" inch diameter respectively;
 - b) Ultra-Thin Wheels of 100 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 4 " to 5" inch diameter respectively;
 - c) Grinding Wheels of 100 MM to 107 MM diameter, commonly referred to as 4" inch diameter;
 - d) Grinding Wheels of 178 MM to 180 MM diameter, commonly referred to as 7" inch diameter respectively.

4. The subject products are classified under Chapter Heading 68 of the Customs Tariff Act. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.”

C.1. Submissions by the other interested parties

5. The other interested parties have submitted as follows with regard to the product under consideration, like article and the PCNs:
 - i. The PCN classification is insufficient to take into account differences in the costs and prices of different types of products under consideration as the different types of wheels differ in terms of associated costs and prices. The domestic industry itself recognises such differences in their product catalogue.
 - ii. Diameter, thickness and netting are the characteristics of the PUC which influence the prices and costs of producing various types of PUC and on the basis of which the PCNs can be devised.
 - iii. The applicants have identified four types of product under consideration. However, the applicants have given incomplete information with regard to different types/forms of the product. There are three categories of product under consideration, i.e., (a) black resin bonded thin wheel (b) maroon/red resin bonded thin wheel and (c) green resin bonded thin wheel. While these wheels are differentiated in the market place on the basis of the colour, they are primarily differentiated on the basis of essential product characteristics and differ in terms of parameters

such as raw material, manufacturing process, target market, technical characteristics, consumer perception, cost, price, end application, etc. as is explained in detail below.

- iv. The following parameters lead to the difference in the cost and price of the product under consideration:
 - a. Category of product under consideration- whether green, maroon/red or black.
 - b. Prime or Non Prime
- v. The word ‘includes’ used in defining the scope of the PUC contradicts the PCN methodology proposed by the applicants. It is not clear whether the scope of the PUC covers products other than these four types. Therefore, the Authority is requested to clearly state or clarify that the scope of the PUC is limited to the four different types of abrasive wheels identified in the Petition/Initiation Notification.
- vi. The Indian industry does not and cannot produce green resin bonded thin wheel. The Authority, therefore, is request to exclude the same from the scope of the product under consideration. Further, PUC types that were not commercially produced by the petitioners during the POI should not be included within the scope of the PUC.
- vii. On the basis of the descriptions for each of the types of cutting wheels in the petition, it would appear that the PUC covers only abrasive wheels for cutting metals. By necessary implications, this would exclude abrasive wheels for cutting non-metal substances such as wood, tiles, glass, and marble.
- viii. From the description of grinding wheels functions and uses, it appears that the PUC types would cover only grinding wheels for surface preparation. Therefore, grinding wheels intended for post-surface preparation processes such as polishing are not covered within the scope of the PUC.
- ix. With regard to second PCN, i.e., “Ultra-Thin Wheels of 100 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 4” to 5”, the Authority must clarify the scope of word ‘ultrathin’ in terms of thickness of the wheels. According to the respondents, the thickness beyond 1.6 mm cannot be called as ultra-thin cutting wheel. The Authority should issue necessary clarification that cutting wheels beyond 1.6 mm of 4” and 5” diameter are not covered in the scope of the PUC.
- x. The following types of items should be excluded from the product scope:
 - i. 107*1*16mm ultra-thin cutting wheel green with good look and performance
 - ii. 355*2.5*25.4mm ultra-thin cutting wheel green with long useful life and sharpness.
 - iii. 100*2.5*16mm GC WA grinding wheels strong in speciality for industrial use.
 - iv. 100*6*16mm grinding wheels strong in speciality for industrial use.
 - v. 125*6*22.23mm grinding wheels strong in speciality for industrial use.
- xi. The PCN methodology finalized by the Authority is inadequate as it has not considered differences in costs arising out of major factors which influence the price of the PUC like the thickness of the PUC within each of the six PCNs.
- xii. Exclude Flexible WA and GC Grinding Wheels for surface polishing / finishing from the scope of the PUC.
- xiii. The petitioners have not manufactured and sold 4” and 5” cutting wheels of I Net during the POI and hence these wheels should also be excluded from the product scope.
- xiv. Since there are several units of measurements and the application is on weight basis, the applicants were required to specify the methodology adopted to convert different volumes on weight basis.
- xv. Green resin bonded wheel is different from the wheel produced and supplied by the domestic industry in terms of properties such as grit size, grit structure, and hardness. These different properties are achieved by using different combination of raw materials, viz., WA

(White Alumina) and BFA (Brown Fused Alumina). Green resin bonded wheel is different from the wheel produced and supplied by the domestic industry in terms of properties such as grit size, grit structure, and hardness. These different properties are achieved by using different combination of raw materials viz. WA (White Alumina) and BFA (Brown Fused Alumina).

- xvi. The cost of production of black and green wheels are so materially different and it is natural that they carry different prices.
- xvii. Green wheels are not produced by applicants and are still included in the product scope. The three kinds of wheels, viz., Black, Green and Maroon differ in terms of associated costs and prices. The applicants have considered very wide product scope and have even included products not manufactured by them and should thus be excluded.

C.2. Submissions of the domestic industry

6. The domestic industry has submitted as follows with regard to the product under consideration, like article and the PCNs:
 - i. The Product under Consideration in the present investigation is “Resin Bonded Thin Wheels” of the following types:
 - a) Cutting Wheels of 300 MM to 356 MM diameter, commonly referred to as 12” to 14” inch diameter respectively;
 - b) Ultra-Thin Wheels of 100 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 4” to 5” inch diameter respectively;
 - c) Grinding Wheels of 100 MM to 107 MM diameter, commonly referred to as 4” inch diameter.
 - d) Grinding Wheels of 178 MM to 180 MM diameter, commonly referred to as 7” inch diameter respectively.”

(hereinafter also referred to as “Product under Consideration” or “Subject Goods”).
 - ii. The interested parties have requested the Authority to clarify that abrasive wheels for cutting metal are only covered within the scope of the PUC. The interested parties have requested the Authority during the virtual meeting to clarify that abrasive wheels used for cutting non-metals like marbles are not covered within the scope of the PUC. In this context, the domestic industry submits as under:
 - a) The domestic industry has mentioned only the normal use of the product under consideration. However, the same may be used for cutting non-metals like plastic etc. It may be noted that Abrasive Grains are the second hardest material. The buyer may use the PUC as per its convenience. There is no restriction on its use.
 - b) Marble cutting wheels are made of diamond with steel core and not manufactured using Aluminium Oxide or Silicon Carbide abrasive grains as raw materials. The HS Code of marble cutting wheel and PUC cutting wheel is also different. One of the interested parties has also accepted this fact during the virtual meeting.
 - c) Cutting wheels (PUC) and marble cutting wheels are altogether different. So, exclusion of marble cutting wheel from the PUC will be like excluding “Steel Pipes” in case the PUC is “Plastic Pipes”.
 - iii. The interested parties have made every possible effort to obfuscate the Authority by interchangeably using the term “marble cutting wheel” and “marble polishing wheel” during the virtual meeting while seeking a clarification that grinding wheels intended for post-surface preparation processes such as polishing would not be covered within the scope of the PUC. In this context, it is submitted that Flexible GC wheel is a PUC grinding wheel, which may also be used for the polishing of marble. The domestic industry manufactured the same during the POI. Sample invoices of the same were filed. Accordingly, the request of the interested parties to clarify that grinding wheels intended for post-surface preparation processes such as polishing would not be covered within the scope of the PUC is without any merit and hence,

- should be denied.
- iv. The domestic industry has manufactured green wheels during the POI. Sample copies were filed with the Authority. Further, the domestic industry also shared a video of its plant manufacturing green wheels.
- v. The difference on account of colour is very minimal (less than 2%). In order to substantiate our claim in this context, sample copies of the invoices of different colours of the same or nearest date were filed. Without prejudice to the above, it may also be noted that it is not must that the domestic / Indian industry must produce all sub-types / sub-grades of the PUC.
- vi. The domestic industry also submits that there is no difference in material used in green wheels and other wheels. The following producers / exporters have also accepted this fact:
- I. Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd.
 - II. Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.
 - III. Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd.
 - IV. Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd.
 - V. Xuchang Kaijie Abrasive Co., Ltd.
- vii. The relevant excerpts from the submissions filed by the above-mentioned producers / exporters on 24 January, 2021 are reproduced below.
- “With regard to the PUC that comes in different colors such as green, red, black, we understand that the colors are different on wheels., is due to the use of different color dyes. The main raw-materials are same-Aluminum oxide....”*
- viii. From the above, it is amply clear that there is even no consensus among the interested parties regarding the materials used in green wheels and other wheels. The domestic industry also submits that difference in the selling price, if any, is on account of multiple parameters like demand-supply situation, order quantity, etc. and not solely based on cost.
- ix. Twenty-eight (28) exporters have filed the questionnaire response. However, none of these exporters has requested to make PCNs based on diameter, thickness and netting, which signifies that all these parameters are not essential for the purpose of PCNs. It may not be out of place to mention that importers or the Associations have limited role to play on the issue of PCNs as they are not involved in the comparison exercise either for dumping margin or for injury margin. It is only the domestic industry's and the exporter's data which is relevant for PCNs. As pointed out earlier, none of the cooperating exporters has considered the above factors as relevant for comparison analysis.
- x. Thickness and netting are not the essential parameters, which affect the cost and price, as can be seen from the fact that none of the 28 responding exporters have requested to make PCNs considering the same.
- xi. As regards the principles to be adopted in the context of PCNs, attention of the Authority is invited to anti-dumping investigation against imports of imports of “Acrylonitrile Butadiene Rubber (NBR)” from China PR, European Union (EU), Japan and Russia (F. No. 6/18/2020-DGTR dated 12th May, 2021) where JSC Krasnoyarsk Synthetic Rubber Plant (Russian Producer / Exporter) had requested to make PCNs as product has different grades, based on the Acrylonitrile content and Mooney viscosity. The Authority has duly noted that depending on ACN content and Mooney Viscosity, the product is categorized into low, medium and high NBR. However, the Authority did not accept the request of exporter primarily based on following facts:
- a) Domestic industry has not proposed any PCN-wise analysis in its application;
 - b) There are no universal known grades of the product;
 - c) No request for PCN wise analysis was received from other cooperating producers and exporters from other subject countries;

- d) Majority of the production and sales is in medium NBR;
 - e) The exporter has not established to what extent the difference in the cost of production of different grades is due to difference in the product characteristics.
- xii. Without prejudice to the above, it is submitted that the domestic industry has already devised the PCNs based on the diameter as follows:
- (i) Cutting Wheels of 300 MM to 356 MM diameter, commonly referred to as 12" to 14" inch diameter respectively;
 - (ii) Ultra-Thin Wheels of 100 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 4" to 5" inch diameter respectively;
 - (iii) Grinding Wheels of 100 MM to 107 MM diameter, commonly referred to as 4" inch diameter;
 - (iv) Grinding Wheels of 178 MM to 180 MM diameter, commonly referred to as 7" inch diameter.
- xiii. The domestic industry had suggested a range for Cutting Wheels (12" to 14" inch diameter) and Ultra-Thin Wheels (4" to 5" inch diameter) considering the fact that a common measurement, i.e., MT would neutralize the impact of the difference in diameter and thickness. For example, in the case of Float Glass, the Authority has considered the unit of measurement as MT to neutralize the impact of differences in the thickness and also for the sake of ease. However, the domestic industry has no difficulty in providing the information based on each diameter for Cutting Wheels and Ultra-Thin Wheels, in case the Authority considers it appropriate to classify the same based on each diameter considering the above facts. The following would be the PCNs after classifying the PUC based on different diameters:
- i. Cutting Wheels of 300 MM to 310 MM diameter, commonly referred to as 12" inch diameter;
 - ii. Cutting Wheels of 345 MM to 356 MM diameter, commonly referred to as 14" inch diameter;
 - iii. Ultra-Thin Wheels of 100 MM to 110 MM diameter, commonly referred to as 4" inch diameter;
 - iv. Ultra-Thin Wheels of 120 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 5" inch diameter;
 - v. Grinding Wheels of 100 MM to 107 MM diameter, commonly referred to as 4" inch diameter;
 - vi. Grinding Wheels of 178 MM to 180 MM diameter, commonly referred to as 7" inch diameter.
- xiv. With regard to netting, the domestic industry would like to invite the attention of the Authority to the following facts:
- a) Netting is neither mentioned on the sales invoice nor any sales documents which implies that it has little or no impact on the pricing;
 - b) Netting is not provided in the majority of the entries of the import data (around 81%);
 - c) None of the interested parties has quantified the difference in the cost and selling price on account of the difference in netting;
 - d) The share of uncommon / non-regular wheels with respect to netting is marginal. Uncommon wheels mean wheels other than the wheels with number of nettings having majority sales volume. For example, if a particular wheel is manufactured using 1 and 2 netting and more than 90% sales is of 1 netting then wheel with 1 netting is referred as common wheel and others as uncommon wheels;
- xv. If any party proposes any variables for the purpose of constructing the PCNs, it is obligatory upon them to provide the different yardsticks within the same parameter. Kindly appreciate that

in the absence of such details, the claims are without any merit and not worthy of any comments from the other interested parties nor are they worthy of consideration by the Hon'ble Authority. Without prejudice to the aforesaid, kind attention of the Authority is invited to the following facts:

- a) Twenty-eight (28) exporters have filed the questionnaire response. However, only two of them (One Group) have requested to make PCN based on colour and Prime / Non-Prime, that too, without any reasoning or basis let alone evidence.
- b) It is reiterated that colour is not a relevant factor at all, as also admitted by the concerned exporters that the product is differentiated in the market not on the basis of colour but other parameters. As regards the Prime/ Non Prime, no information has been provided by the said exporters. It may also be reiterated that for the "other parameters" also, no information, basis or evidence has been provided.
- c) The difference in the cost on account of colour is also insignificant. Price mainly depends on the demand and supply forces. Further, the interested parties have also not quantified the difference in the cost and pricing of the product on account of difference in colour.
- d) Prime and Non-Prime are only a nomenclature, which is mainly based on unquantifiable essential parameters (consumer perception, target market etc.) claimed by the interested parties. Prime and Non-Prime is not a universal known grade of the product.

In addition to the above, kind attention of the Authority is invited to the anti-dumping investigation against imports of Cold-Rolled Flat Products of Stainless Steel from China PR, Japan, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA (F. NO.14/6/2008-DGAD dated 24th November, 2009), wherein the Authority has not made any distinction between Prime and Non-Prime.

- e) Essential parameters provided by the interested parties requesting to make PCNs are not quantifiable. For example, the interested parties have mentioned customer perception, target market etc. as essential parameters for the purpose of devising PCNs. However, the same cannot be quantified. Further, as mentioned earlier, it may be noted interested parties have also not provided the details of the difference in the manufacturing process of the PUC of different colors as well as of Prime and Non-Prime. It is submitted that the manufacturing process to produce the PUC of different colors and grades is same.
- xvi. Fourteen (14) exporters have not made submissions at all on the PUC and PCN either prior to the virtual meeting or during the virtual meeting. This clearly proves that the issues raised by other interested parties on the PUC and PCNs are bald and without any substance.
 - xvii. Most of the parameters provided by the interested parties requesting to make PCNs are not tangible or quantifiable in nature.
 - xviii. PUC only includes those 4 types as defined in the initiation notification.
 - xix. The details of the functions & uses provided in the application only reflects the key applications in which the product under consideration may be used. The buyer may use the same in other applications as well as per their preference.
 - xx. Without prejudice to the above, it is submitted that no exclusion can be made based on usage or application as such an exclusion is alien to the anti-dumping laws and will also lead to circumvention of the duties.
 - xxi. The domestic industry requests the Authority to consider the word "Ultra-Thin Wheel" in terms of thickness as Wheel with thickness up to 1.6mm (plus tolerance of +0.15mm). The Indian Standard also prescribes a tolerance level of +/- 0.15mm for the subject goods falling in the range of 0.4mm to 1.6mm.
 - xxii. The domestic industry manufactured and sold the following types of the PUC.

- a. 107*1*16mm ultra-thin cutting wheel green with good look and performance.
 - b. 355*2.5*25.4mm ultra-thin cutting wheel green with long useful life and sharpness.
 - c. 100*2.5*16mm GC WA grinding wheels strong in speciality for industrial use.
 - d. 100*6*16mm grinding wheels strong in speciality for industrial use.
- xxiii. As regards to the exclusion of “125*6*22.23 mm grinding wheels strong in speciality for industrial use”, it may be noted that the PUC does not include Grinding wheel of diameter above 107 mm and below 178mm. Accordingly, this grade is not covered within the scope of the PUC.
- xxiv. With regard to the request of the interested parties to exclude Flexible WA and GC Grinding Wheels for surface polishing / finishing from the scope of the product under consideration, the domestic industry submits as follows:
- a) The domestic industry has manufactured and sold Flexible WA and GC Grinding Wheels. Sample copies of the invoices of the same were already filed with the Authority.
 - b) Without prejudice to the above, there is no requirement under the law that the domestic industry must produce each and every diameter / thickness, etc. falling within the scope of the product under consideration.
- xxv. As regards the request of the interested parties to exclude 4” and 5” cutting wheels of 1 Net from the scope of the product under consideration, the domestic industry has submitted that the domestic industry has manufactured and sold 4” and 5” cutting wheels of 1 Net. The domestic industry has already shared Glass Fibre Disk (GFD) wise production dump with the Authority. Netting is not an important parameter. The Authority has also not considered netting in the PCNs issued vide its notice dated 7th February, 2022.

C.3. Examination by the Authority

7. The product under consideration was defined as below at the stage of the initiation:
- “3. The product under consideration (PUC) is "Resin Bonded Thin Wheels". Product under consideration is used in the market in various sectors ranging from welding, cutting, foundry to primary metal markets for nagging and cutting ferrous and non-ferrous materials. It is manufactured by using the process of moulding of the wheel on press and then baking in ovens followed by stripping and packing. The following types of Resin Bonded Thin Wheels are included in the scope of the PUC:
- a) Cutting Wheels of 300 MM to 356 MM diameter, commonly referred to as 12" to 14" inch diameter respectively;
 - b) Ultra-Thin Wheels of 100 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 4 " to 5" inch diameter respectively;
 - c) Grinding Wheels of 100 MM to 107 MM diameter, commonly referred to as 4 " inch diameter;
 - d) Grinding Wheels of 178 MM to 180 MM diameter, commonly referred to as 7" inch diameter respectively.
4. The subject products are classified under Chapter Heading 68 of the Customs Tariff Act. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.”
8. The Authority, on the basis of the submissions and arguments made by the domestic industry and various other interested parties, provided an opportunity to all the interested parties to present their views orally on PUC and the PCNs in a hearing held on 19th January, 2022. All the parties who had attended the oral hearing were provided an opportunity to file their written submissions on the PUC and PCNs. Subsequently, on examination of the comments received from various interested parties, the Authority finalized the PCN methodology for the present investigation and issued a clarification on the PUC through an order dated 17th February, 2022. All interested parties were then requested to

submit questionnaire responses on the basis of the finalized PCN methodology by 24th February, 2022. The finalized PCN methodology shall be applied to assess dumping and material injury being caused to the domestic industry for the products produced during the period of investigation.

9. The Authority has considered the following PCNs for the purpose of the present investigation considering the submissions made by the interested parties: -
 - a) Cutting Wheels of 300 MM to 310 MM diameter, commonly referred to as 12 inch diameter.
 - b) Cutting Wheels of 345 MM to 356 MM diameter, commonly referred to as 14 inch diameter.
 - c) Ultra Thin Wheels of 100 MM to 110 MM diameter, commonly referred to as 4 inch diameter.
 - d) Ultra Thin Wheels of 120 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 5 inch diameter.
 - e) Grinding Wheels of 100 MM to 107 MM diameter, commonly referred to as 4 inch diameter
 - f) Grinding wheels of 178 MM to 180 MM diameter, commonly referred to as 7 inch diameter.
10. The Authority has issued the following clarifications relating to the PUC:-
 - a. PUC is restricted only to the 6 PCNs as mentioned above.
 - b. Cutting/Grinding Wheels made of raw material other than resin bonded abrasives are not covered under the scope of PUC.
 - c. Ultra Thin Wheels cover cutting wheels of thickness upto 1.6 mm with tolerance of +/- 0.15mm.
11. As regards the argument of exclusion of green resin bonded thin wheels, the Authority notes that the domestic industry has manufactured and sold green resin bonded thin wheels during the POI. The domestic industry has also provided sampled copies of the invoices of green wheels. Therefore, the Authority holds not to exclude these from the scope of the product under consideration.
12. With regard to the request of the interested parties to clarify that the scope of the PUC is limited to the four different types of abrasive wheels identified in the Petition/Initiation Notification, it is noted that a clarification in this context was already provided in the Notification dated 17th February, 2022.
13. With regard to the methodology adopted to convert different volumes on weight basis, it is noted that in almost all entries, quantity is provided in both weight (KG) as well as different unit of measurement. In case the weight is not provided in the quantity column, the weight is calculated using the information provided in the description. Further, a common measurement, i.e., MT would neutralize the impact of the difference in diameter and thickness.
14. As regards the request of exclusion of grinding wheels intended for post-surface preparation processes such as polishing and following thin wheels, it is noted that the domestic industry has provided evidence of manufacturing and sales of these types during the POI. Therefore, the Authority has determined not to exclude these from the scope of the product under consideration. In order to ensure that no hardship is caused to any of the interested parties, it is categorically clarified through Notification dated 17th February, 2022 that Cutting/Grinding Wheels made of raw material other than resin bonded abrasives are not covered under the scope of the PUC.
15. It is noted from the information available on record that the product produced by the domestic industry is like article to the product under consideration imported from the subject country. The product produced by the domestic industry, and the subject goods imported from the subject country are comparable in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used and are using the two interchangeably. The Authority holds that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product imported from the subject country in terms of Rule 2(d) of the AD Rules.
16. Thus, the scope of the PUC is defined as follows:

“Resin Bonded Thin Wheels of the following types/PCNs:

- a) Cutting Wheels of 300 MM to 310 MM diameter, commonly referred to as 12 inch diameter.
- b) Cutting Wheels of 345 MM to 356 MM diameter, commonly referred to as 14 inch diameter.
- c) Ultra Thin Wheels of 100 MM to 110 MM diameter, commonly referred to as 4 inch diameter.
- d) Ultra Thin Wheels of 120 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 5 inch diameter.
- e) Grinding Wheels of 100 MM to 107 MM diameter, commonly referred to as 4 inch diameter
- f) Grinding wheels of 178 MM to 180 MM diameter, commonly referred to as 7 inch diameter.

17. It is clarified that:

- a. PUC is restricted only to the 6 PCNs as mentioned above.
- b. Cutting/Grinding Wheels made of raw material other than resin bonded abrasives are not covered under the scope of PUC.
- c. Ultra Thin Wheels cover cutting wheels of thickness up to 1.6 mm with tolerance of +/- 0.15mm.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Submissions by the other interested parties

18. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to the domestic industry and its standing:

- i. The applicant companies are related to producers and exporters of the subject goods in the subject country and are themselves importer of the product under investigation.
- ii. The applicants have excluded certain Indian producers of the subject goods from the list of domestic producers. If the list of domestic producers itself is incomplete, it follows that the quantification of Indian production itself is inaccurate. And if the Indian production quantified itself is vitiated, the standing determination is flawed.
- iii. As per the petition, there are 15 producers of the subject goods in India. However, only 2 producers have appeared before the Authority to claim injury. Strangely, rest 13 have neither supported the application nor opposed the same. It appears that they are making bumper profits and do not face any injury from the imports from the subject country that is why they are not before the Authority. The producers, who are making losses for some reasons are before the Authority to take advantage of anti-dumping measures. The Authority must call information from the other producers to identify the actual facts of the situation.
- iv. Grindwell and CUMI have imported the subject goods for an assessable value of more than Rs. 8.5 crores and Rs. 3.5 crores respectively during the POI itself. The domestic industry also needs to show that the domestic industry has been producing and selling.
- v. The applicants have provided partial declarations regarding their relationship and imports. The only declaration of M/s Carborundum Universal Ltd. is with regard to imports by the company and the company stated that there are certain "special" grades that are being imported and these not being produced by them. In the declaration of M/s Grindwell Norton Ltd., it is not specified if the related exporter has exported the subject goods to India or not.
- vi. The list of domestic producers provided by the applicants is incomplete as certain Indian producers such as MDA Abrasive Group, Krystal Abrasives and BGC India MFG Pvt. Ltd. were excluded and it follows that the quantification of Indian production itself is inaccurate.
- vii. Grindwell Norton Ltd. shall not be considered as a part of domestic industry since neither Grindwell nor their related company has filed the questionnaire response with the Authority in the capacity of importers and a related exporter respectively. The Authority should have examined the following facts:
 - who is having control on the related company,
 - how much control they have on each other etc.

- on what basis the Authority has still considered Grindwell Norton Limited as a part of the domestic industry.
- viii. GNO does not have any locus to constitute the domestic industry under Rule 5(3) reads with Rule 2(B). The Authority shall examine whether GNO still constitutes DI even without support of CUMI.
- ix. The basis (application) on which the present investigation was initiated will no longer exist due to change in the standing of the domestic industry. The domestic industry has not clarified in the letter that even after withdrawal of CUMI, GNO solely still holds enough production % to be termed as the domestic industry.
- x. The investigation should be terminated as GNO constitute less than 50% criteria of total domestic production and does not fulfil the criteria of Rule 5(3). The 25 % test under Rule 5(3) and the test of major proportion under Rule 2(b) of the AD rules must be redetermined on the basis of revised data of GNO only since CUMI's non-co-operation in providing the requested data disentitles it to be considered either as petitioner or a supporter in the case.
- xi. The Authority in past also has terminated the investigation on similar grounds and termination order was issued: Thionyl Chloride from European Union that 11th December 2009, Plain Medium Density Fibre Board having thickness 6mm from Vietnam dated 7th May 2021., Self-Adhesive Polyvinyl Chloride Film from China PR dated 3rd August 2021.SSR of Plain Medium Density Fibre Board having thickness 6mm and above" from Vietnam dated 13th September 2021,SSR Flexible Slabstock Polvol from Thailand dated 30th December 2021. Bilateral Safeguard Investigation of PVC Suspension Grade Resin into India from Japan under Bilateral Safeguard Measures) Rules, 2017 dated 23rd July 2021.
- xii. The petitioner should be directed to file a revised petition substantiating the need for initiating the case under the changed circumstances.
- xiii. GNO does not have the standing in the current investigation. GNO is an importer of the subject goods. It has not been specified if the related exporter has exported the subject goods to India or not.
- xiv. In case GNO's production and sale of each PCN are compared with the GNO's imports made from China PR, it would reveal that GNO's character is that of the importer and trader for 4" cutting wheels and 14" cutting wheels.
- xv. Under Rule 2(b) of the AD Rules, GNO stands legally disqualified from constituting the domestic industry since it is related to the producer of dumped article in the subject country. Reliance can be placed on China's corporate registry which shows that Saint Gobain Abrasives (Shanghai) Co., Ltd., China PR is engaged in production of abrasives.

D.2. Submissions of the domestic industry

19. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the domestic industry and standing:
 - i. The applicants are not related to any importer of the subject goods in India within the meaning of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules.
 - ii. M/s Carborundum Universal Limited is related to an exporter in the subject country. However, only a special grade was imported from its related company, which had not been manufactured by the company during that period.
 - iii. The volume of imports made by the applicants is negligible as compared to total imports and demand in the country.
 - iv. The Authority had requested Carborundum Universal Limited (CUMI) to provide certain business information as a part of the plant verification process, which CUMI did not provide citing the reasons that the requested information was highly business sensitive as the PUC is an engineered recipe-based product and disclosure of which can lead to serious business consequences for them, as also that the requested information is not available with the team of the abrasive division within which PUC falls. Accordingly, CUMI has withdrawn as an

- applicant to the captioned investigation. However, CUMI will continue to support as a supporter to the application and the above-mentioned investigation in terms of the Anti-dumping Rules (hereinafter referred to as “Rules”).
- v. GNO along with CUMI as a supporter account for more than 50% of the Indian production. Therefore, the applicant constitutes an eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b) and also satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.
 - vi. Without prejudice to the above, it is submitted that in terms of the provisions of Rule 2(b) read with 5(3) supra along with the existing established practices, the term “major proportion” is generally understood to mean the volume of production, which is more than 25% of the total production by the eligible DI in the country. Further, it is submitted that only in case of any opposition to initiation of investigation from any of the domestic producers of the PUC and like article, the DI has to be tested for 50% test. The Authority has categorically mentioned the same in para no. 4.9.11 (iii) & (iv) of the manual and also taken the same view in plethora of investigations. The relevant excerpts from the manual as well as past findings of the Authority are reproduced below to substantiate this view in this context.

Relevant Excerpts of Manual

4.9.11. “In case of multiple producers, they should be clearly identified in various categories as: (1) Applicant Producers; (2) Supporter Producers; (3) Producers opposing the application; and (4) Neutral or known silent producers, who are neither supporting nor opposing. This categorization will help in applying the 25% and 50% eligibility test. It must be borne in mind that the said twin tests are to be carried out in respect of the PUC only as defined in the previous chapter, and the determination must be based on volume data only.

(i) ...

(ii) ...

(iii) In terms of the provisions of Rule 2(b) read with 5(3) alongwith the existing established practices, the “major proportion” is generally understood to mean the volume of production, which is more than 25% of the total production by the eligible DI in the country.

(iv) In case of any opposition to initiation of investigation from any of the domestic producers of the PUC and like article, the DI has to be tested for 50% test. In such a situation, it needs to be seen that the collective production of the Applicant producers along with the Supporters is more than the total production of the like article produced by eligible domestic producers opposing the application. Here the output of those producers who do not express any opinion on the application will not be taken into account.”

Relevant Excerpts of Final Findings (Illustrative)

i. Anti-dumping investigation concerning imports of Polyester Staple Fibre from China PR, Indonesia, Malaysia and Thailand Final Findings No. 14/49/2016-DGAD dated 25th January, 2018)

“17. The petitioners had clear standing to file the present petition when examined in terms of Rule 5(3) of the Rules. The share of three producers forming the domestic industry constitute 49% of the Indian production during the POI and M/s. Reliance Industries Ltd. constitute 51% of the Indian production, who had neither submitted data nor opposed the petition. Since there was no opposition to the petition, the three producers namely, M/s Alok Industries Ltd., M/s Indo Rama Synthetics (India) Ltd. and M/s The Bombay Dyeing & Mfg. Co. Ltd have clear standing which was above the eligible limit of 25% as required under Rule 5(3).”

“22. The submission of the interested parties regarding the requirement of more than 50% support to the petition, is not relevant in the present case where there is no opposition to the petition and the petitioner companies are holding around 49% portion of domestic industry.”

ii. Anti-Dumping investigation concerning imports of “Certain Epoxy Resins” from People’s Republic of China PR, European Union, Korea RP, Taiwan and Thailand (Initiation Notification No. 6/10/2018- DGAD dated 4th April, 2018)

10. *"The petitioner is not related to an exporter or producer of the PUC in the subject countries. The Authority, therefore, determines that M/s Atul Ltd who presently holds 32% of Indian production becomes the major player in the Indian market and accounts for "major proportion" of the total domestic production and constitutes an eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b) and also satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra."*

iii. Anti-Dumping investigation concerning imports of "Copper & Copper Alloy Flat Rolled Products" originating in and exported from China PR, Korea RP, Malaysia, Nepal, Sri Lanka and Thailand (Final Findings No. 6/7/2020-DGTR dated 16th April, 2021)

27. *"The evidence on record shows that the applicant commands a major proportion in the total domestic production in India. Further, the applicant, alone constitutes 35-45% of the total Indian production. Accordingly; the Authority holds that the applicant constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules that the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules."*

- vii. GNO individually as well as along with CUMI (as a supporter) crosses all the thresholds prescribed under the law to be considered as an eligible domestic industry.
- viii. The information of GNO only may be considered for the purpose of injury analysis, injury margin and dumping margin.
- ix. As regards allegation of relationship of the applicants with the producer / exporters of the subject goods and self-imports, at the very outset, it is submitted that applicants have made categorical disclosure in Annexure 8 regarding their relationships. The applicants have also shared complete information of the imports made by them with the Authority.
- x. The domestic industry reiterates the following:
 - a) CUMI has imported special grade from its related company in China PR, which has not been manufactured by the company during that period.
 - b) GNO has a group company in China PR but does not have any financial or operational control in the business of each other. It is submitted that financial or operational control is a must for considering two companies as related in terms of the decision taken by the Authority in Hydrogen Peroxide anti-dumping investigation (Findings No. No.14/03/2015-DGAD dated 11th April, 2017). Therefore, the two companies are not related in terms of the Anti-dumping Rules in terms of the Anti-dumping Rules as well as the consistent practice of the Authority. In any case, the company has not imported the subject goods from its group company during the period of investigation.
- xi. None of the interested parties has provided any information to prove that there are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such so as to cause the related domestic producer in India to behave differently from non-related producers. No evidence has been provided by the interested parties to prove that the related domestic producers have acted differently due to relationship or has participated in dumping practices and has taken such steps which would have resulted in self-inflicted injury.
- xii. The attention of the Authority is invited to the provisions of Rule 2(b), which provides a discretion to the Authority to consider domestic producers related to producer / exporters as eligible domestic industry.
- xiii. The attention of the Authority is also invited to the recent anti-dumping investigation of Viscose Staple Fibre from China and Indonesia (Final Findings No. 7/03/2021 dated 31 July, 2021), wherein Grasim Industries Limited was considered as eligible domestic industry despite having related entities in the subject countries. The relevant excerpts of the same are provided below.

"24. It has been contended by the opposing interested parties that as per Rule 2(b), Grasim Industries Limited is ineligible to be considered as domestic industry because they have related entities in subject countries. The Authority notes that Rule 2(b) of the Rules provides discretion to the Designated Authority on the issue of exclusion of a domestic producer from the ambit and scope of the domestic industry on account of its relationship with an exporter

in the subject country and a considered view is taken depending upon the type and extent of imports undertaken from such related entities by the applicant. The Authority needs to examine whether there are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such so as to cause the related domestic producer in India to behave differently from non-related producers."

- xiv. With regard to self-imports, it is submitted that the imports made by the applicants account for a minuscule share both in terms of Indian demand as well as total imports. It is submitted that in the recent anti-dumping investigation of "Natural Mica based Pearl Industrial Pigments excluding cosmetic grade" originating in or exported from China PR [F. No. 6/8/2020-DGTR dated 08 June, 2021], the Authority has considered the sole producer as eligible domestic industry despite the fact that it has imported product under consideration in significant quantities from the subject country and was also a habitual importer, i.e., imported the PUC in the POI, pre-POI period as well as post POI period. The relevant excerpts from the Findings are reproduced below for the ease of reference of the Authority.

*"17. The application has been filed by M.s. Sudarshan Chemical Industries Limited. The applicant is the sole producer of the subject goods in India. The Authority considered the arguments of the interested parties regarding the imports made by the Applicant and notes that the imports made by the Applicant during the period of investigation, accounts for ***% of the total demand and ***% of the total imports into India which is not significant so as to dis entitle the Applicant from being treated as domestic industry."*

"121.(i) The Authority notes the submission of the interested parties regarding imports made by the domestic industry and re-iterates that imports made by the domestic industry during POI account for 5% of total imports from China during POI which is not significant to disentitle the domestic industry in terms of Rule 2(b) of AD Rules."

- xv. As regards the allegation of the validity of the application, it is submitted that the domestic industry filed a fully documented application based on which the present investigation was initiated. The non-confidential version of the same was circulated to all the interested parties. It is a settled position that once the investigation is initiated, there can be no fresh application post initiation of the investigation. The withdrawal of a co-applicant does not affect the validity of the application in terms of Rule 5 of the Anti-dumping Rules. The Authority has taken the same view in plethora of investigations. Illustrative list of the cases is provided below.
- a) Anti-dumping investigation (Review) on imports of "Ammonium Nitrate" originating in or exported from Russia, Georgia and Iran (Final Findings dated 10th June, 2022)
 - b) Anti-dumping investigation against imports of 'Plain Medium Density Fibre Board having thickness less than 6mm' from Vietnam, Malaysia, Thailand and Indonesia (Final Findings dated 20th April, 2021)
- xvi. In the Plain Medium Density Fibre Board anti-dumping investigation, one of the co-applicants [Century Plyboards (India) Limited] had withdrawn its participation as constituent of domestic industry after the issuance of the disclosure statement. Despite the same, the Authority has considered the other applicant (Greenply Industries Limited/ Greenpanel Industries Limited) as an eligible domestic industry since they met the standing requirement prescribed under the Rules.
- xvii. The domestic industry understands that the Authority does not call for a revised petition subsequent to initiation as a matter of consistent practice, that too after the hearing process is over.
- xviii. As regards the allegation made by the interested parties of exclusion of certain Indian producers from the list of domestic producers, it is humbly submitted that the domestic industry has provided details of the other Indian producers based on its market intelligence. Without prejudice, it is submitted that the three other Indian producers referred by the interested parties command a very insignificant share in the total Indian production as per our best available information. Therefore, inclusion of the same will not impact the eligibility of the applicants to be considered as the domestic industry as well as the injury analysis. Without prejudice, it is

submitted that the interested parties are required to produce evidence and demonstrate as to how the eligibility of the applicant is affected by the existence of some other producers.

D.3. Examination by the Authority

20. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines domestic industry as under:

“(b) ‘domestic industry’ means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

21. The application was originally filed by M/s Grindwell Norton Limited and M/s Carborundum Universal Limited. However, M/s Carborundum Universal Limited has withdrawn as an applicant as it was not able to provide certain information requested as a part of the data verification process. However, CUMI has submitted that it will continue to support as a supporter to the application and the investigation in terms of the Anti-dumping Rules (hereinafter referred to as “Rules”). It has also submitted that it has already filed the information, which is required to be filed by a supporter in terms of note no. 2 of the Trade Notice No. 04/2021 dated 16th June, 2021.
22. It is noted that in terms of the provisions of Rule 2(b) read with 5(3) of the Anti-dumping Rules along with the existing established practices, the term “major proportion” is generally understood to mean the volume of production, which is more than 25% of the total production by the eligible DI in the country. Further, it is submitted that only in case of any opposition to initiation of investigation from any of the domestic producers of the PUC and like article, the DI has to be tested for 50% test. It is noted that that M/s Grindwell Norton Limited alone accounts for a major proportion of the Indian production under Rule 2(b) to the extent of ***% and the application satisfies the criteria in terms of Rule 5(3) of the Anti-dumping Rules.
23. The Authority considered the arguments of the interested parties regarding the imports made by the applicant and notes that the imports made by the applicant during the period of investigation accounts for ***% of the total demand; ***% of the total imports into India and ***% of their own production, which is not significant so as to disentitle the applicant from being treated as domestic industry.
24. It has been contended by the opposing interested parties that as per Rule 2(b), applicants are ineligible to be considered as domestic industry because they have related entities in subject countries. The Authority notes that Rule 2(b) of the Rules provides discretion to the Authority on the issue of exclusion of a domestic producer from the ambit and scope of the domestic industry on account of its relationship with an exporter in the subject country and a considered view is taken depending upon the type and extent of imports undertaken from such related entities by the applicant. The Authority needs to examine whether there are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such so as to cause the related domestic producer in India to behave differently from non-related producers. It is also noted that GNO has a group company in China PR, which is engaged in the manufacturing and exports of subject goods to India. However, it is noted that the group company in China PR has neither exported the subject goods to GNO nor to any other entity in India during the POI. The Authority has also confirmed the same from DG System data. The Authority holds that the applicant is eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules.
25. As regards the exclusion of certain Indian producers from the list of domestic producers, it is noted that Grindwell Norton Limited alone accounts for a major proportion of the Indian production under Rule 2(b) to the extent of ***% the total production and also none of the other Indian producers referred to by the interested parties provided any evidence/data to demonstrated as to how the eligibility of the applicant is affected by the existence of some other producers.
26. After the withdrawal of CUMI as an applicant, the Authority directed GNO to file the revised petition and circulate the non-confidential of the same to the other registered interested parties. GNO filed revised data. Further, an opportunity was also provided to all interested parties to present their

views orally on the changed composition of domestic industry in the second hearing held on 11th July, 2022 in accordance with Rule 6(6) of the Rules. All the parties who had attended the oral hearing were provided an opportunity to file written submissions, followed by rejoinders, if any.

27. Considering the information on record, the Authority has determined that the production of the applicant accounts for a major proportion in the domestic production of the like article and the applicant is eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules. The application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Anti-dumping Rules.

E. CONFIDENTIALITY

E.1. Submissions by the other interested parties

28. The following submissions have been made by the other interested parties regarding confidentiality:
- i. The applicants have claimed excessive confidentiality in respect of the norms specified in the Annexure.
 - ii. The applicants have claimed complete confidentiality over Formats A, B, C, D, E, I, J, K, and L by simply claiming that these are business sensitive information and failed to share non-confidential summary with relevant headings, expense, time period, and other such criterion considered by the applicants. Excessive confidentiality was claimed even to the extent that the names of raw materials used have been claimed confidential.
 - iii. The applicants have also not specified aggregate data of production of both the applicants and the total of Indian production, imports made by applicants, NIP range, etc. have been completely withheld. The costing formats with indexed data has also not been provided.
 - iv. The applicants in their application have claimed the most basic and important details such as range of the share of Indian applicants' production in total Indian production, imports by the applicant companies, import segregation, non-injurious price calculation etc., entirely confidential.
 - v. The applicants have not provided imports made by them in +/- 5% range; and non-injurious price in +/- 10% range leading to insufficient information to the opposing interested parties to defend their interests.
 - vi. Updated data of GNO was shared on 2nd July, 2022. The imports made by GNO have not been provided in range terms as a percentage of petitioner's total production, petitioner's sale and total demand of PUC. GNO is not suffering any material injury.
 - vii. The domestic industry has claimed excessive confidentiality. It has not provided details of various factors such as details of production volume of GNO, details of production volume of 14 other domestic producers, total domestic production in India, share of GNO in the total domestic production, details of ranges of percentage share of GNO in the total domestic production, share of 14 other domestic producers in the total domestic production, details of ranges of percentage share of 14 other domestic producers in the total domestic production, details of related companies such as names etc. of GNO, details/numbers/percentages of imports of GNO.
 - viii. In the updated data of GNO shared after CUMI's withdrawal from the investigation, the imports made by GNO have not been provided in range terms as a percentage of the petitioner's total production, the petitioner's sales and total demand of PUC, the details of total Indian production and source thereof.

E.2. Submissions of the domestic industry

29. The following submissions have been made by the domestic industry regarding confidentiality.
- i. The claims made by the interested parties regarding excessive confidentiality is wrong and misplaced, and hence denied. The domestic industry has submitted their application as per the format prescribed by the Authority, including the confidentiality statement following the practice of the Authority and also adhered to the Trade Notice No 10/2018 dated 7th September, 2018. The data of the domestic industry had been filed as prescribed.

- ii. The interested parties have failed to fulfil their obligations under the Indian law by not providing the meaningful summary of the response to the exporters' questionnaire. The interested parties have claimed excessive confidentiality without any proper justification. The exporters have claimed production process, channel of distribution, name of raw materials, etc. as confidential.
- iii. The interested parties have not only failed to provide a meaningful response, but they have also failed to give any reasons for claiming such excessive confidentiality. The appendices enclosed with the responses contain no meaningful non-confidential response and, in some cases, the same are either totally blank or are not enclosed with the response
- iv. Each and every information submitted by a party on a confidential basis cannot be regarded as confidential unless the same is supported by reasons and is so accepted by the Authority. In other words, Rule 7 does not in any manner mean that the exporter can get away with minimal information; rather it casts a responsibility on the exporters to furnish summaries in sufficient details so as to permit a reasonable understanding of the substance of the information submitted on confidential basis.
- v. The law on confidentiality has been laid down by the Hon'ble CESTAT in Vitrified Tiles case. The Appellate Tribunal has clearly held that information provided to Designated Authority on confidential basis is not required to be treated as confidential merely because it is provided to the Designated Authority on a confidential basis and has further laid down detailed guidelines to examine claims of confidentiality. Further, it has been clearly held that confidentiality is not a mere tool to deny disclosure to kill transparency, or to create a handicap for opposing parties. It has been laid down that for the purpose of transparency, there is an obligation on the Authority to require the parties to furnish non-confidential summaries, which shall be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information submitted in confidence.

E.3. Examination by the Authority

30. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provide as follows:

"Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule

(3) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."

31. The Authority examined the confidentiality claims of the interested parties and on being satisfied allowed the claim on confidentiality. The Authority considers that any information which is by nature confidential (for example, because its disclosure would be of significant competitive advantage to a competitor or because its disclosure would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information), or which is provided on a confidential basis by parties to an investigation shall, upon good cause shown, be treated as such by the Authority. Such information cannot be disclosed without specific permission of the party submitting it.

32. The Authority has considered the claims of confidentiality made by the applicants and the opposing interested parties and on being satisfied about the same, the Authority has allowed the claim on confidentiality. The Authority made available to all interested parties the non-confidential version of evidence submitted by various interested parties.

F. MISCELLANEOUS

F.1. Submissions by the other interested parties

33. The following miscellaneous submissions have been made by the other interested parties:
- i. CCCME constitutes as an interested party, CCCME is a business association with members being producers of various sectors of machinery and electronic products. Resin Wheels is an important sector for CCCME. The major proportion of the exporters exporting the subject goods have authorized CCCME to represent them in the subject investigation. The submissions made by CCCME previously on a number of occasions have been accepted by this Authority and there is no reason or change in facts or law to alter the practice.
 - ii. The petitioners' expression of the unit of measurement of the PUC in weight instead of pieces is incorrect.
 - iii. The demand in India for just 4" CW is around 5 crores to 6 crores pieces per month, i.e., more than 50 crores pieces per annum. On the other hand, the petitioners do not have even one tenth of this capacity to produce and supply the PUC to users in the India market.
 - iv. Reference price-based duty be recommended. This is because the market for import of the PUC is plagued by undervaluation by some unscrupulous traders.
 - v. There has been steep increase in freight costs over the last two years. Shipping costs remain very high till date. If the purpose of anti-dumping duty was to save the petitioners from alleged injury by raising the cost of imports, this purpose has already been achieved through the increase in shipping costs for the importers. If, on top of this, anti-dumping duty is imposed on the subject imports, it will be extremely unfair to the interests of the user industry and the importers as a whole.
 - vi. Abrasive wheels are generally employed by small-scale contractors and labourers in the construction industry, who are dependent on affordable availability of the PUC. The petitioners have already increased their domestic selling prices in the recent past. In such a scenario, if anti-dumping duty is imposed, it will make their business unviable and severely impact their livelihood.
 - vii. The request for the withdrawal of application by CUMI should not be entertained by the Authority at this point of time when the investigation has almost reached the stage of completion.
 - viii. If any applicant wants to withdraw the application, then as per Rule 14(a) of the Rules, the whole application needs to be withdrawn. In this regard, the Authority is requested to refer and recall the past cases wherein the Authority has terminated the investigations in case the applicant has withdrawn the application.
 - ix. CUMI has failed to specify under what legal provisions one of the applicant producers can walk away and withdraw from the current investigation and that too on flimsy grounds.
 - x. Withdrawal of CUMI, for mere reasons of confidentiality, should not be considered by the Authority when investigation has almost reached at the final stage. The whole investigation has to be terminated as per Rule 14(a).
 - xi. Now, if the anti-dumping investigation is continued by the Authority, it would make the process cumbersome and complicated as old data has to be discarded and new information has to be given. The Authority has to commence a denovo fresh enquiry on the basis of data given by Grindwell Norton Limited (GNO) and has to discard data given by CUMI till date in the current investigation.

F.2. Submissions of the domestic industry

34. The following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:
- i. China Chamber of Commerce for Import and Export of Machinery and Electronic Products

(CCCME) has failed to fulfil their obligation to be considered as interested parties in terms of Rule 2(c). In this context, the domestic industry invites the kind attention of the Hon'ble Authority to the provisions of Rule 2(c), which read as under:

“(c) “interested party” includes -

(i) *an exporter or a foreign producer or the importer of an article subject to investigation for being dumped in India, or a trader or business association a majority of the members of which are producers, exporters or importers of such an article;*

(ii) *the government of the exporting country; and*

(iii) *a producer of the like article in India or a trade and business association a majority of the members of which produce the like article in India;”*

- ii. It is amply clear from the above that the association present in the above-mentioned investigation is certainly not falling under the category of a producer, exporter or importer. The association can, therefore, claim the status of a business association only under Rule 2(c). Therefore, a business association can be permitted to participate as an interested party in an investigation only and only if it is proved to the satisfaction of the Authority that the majority of its members are either importers or producers of subject goods.
- iii. There is no evidence on record that such an exercise has been carried out by CCCME to prove the basic requirements for being considered as an interested party. The association has not even provided the list of their members along with their respective activities so as to enable the Authority to ascertain their status as an interested party. Under the circumstances, CCCME cannot be considered as an interested party in terms of Rule 2(c).
- iv. The contention of the interested parties that petitioner's expression of the unit of measurement (UOM) of the PUC is in weight instead of pieces is wrong and without understanding of the facts. It may please be appreciated that for the purpose of proper analysis, there has to be a common parameter of measurement particularly when the subsets of the PUC have differences in their specifications like diameter, thickness etc. Under such circumstances, the only option available to any investigating Authority is to bring the PUC to a common unit which in this case is weight (MT). It may be noted that in plethora of investigations, the Authority has considered common UOM like Square Meter, MT, KG etc., which are different from the UOM in which sales takes place. For example, in the case of Vitrified Tiles, the Authority has considered the UOM as MT while the sales take place in square meters. Same way, in the case of Glass, the Authority has considered the UOM as MT while the sales take place in square meters. Other such examples include, Lead Acid Batteries, MDF, Textures & Tempered Glass, back sheet, EVA, ceramic tableware, aluminium wheels, radial tyres, where the UOM for anti-dumping purposes is different from the unit of sales.
- v. In addition to the above, the attention of the Authority is invited to the following facts:
 - a) In most of the import entries, the UOM is KG.
 - b) Quantity in KG is also mentioned in the invoice.
 - c) Customs Tariff Act also mentioned the UOM in pcs.
 - d) There is no consensus between the interested parties on UOM since only one consulting group out of the four has contested MT as UOM.
- vi. As regards demand-supply gap, the domestic industry submits that the allegation is without merit as the Indian industry has the capability to cater to almost entire demand. Without prejudice, it is submitted that anti-dumping measures do not restrict imports in any manner and, therefore, do not affect the availability of the product to the consumers.
- vii. The request made by the interested parties not to entertain the request of CUMI for withdrawal is not only without the authority of the law and against the consistent practice of the Authority. It is conceptually and legally wrong, misleading and without any merit. There is no restriction, legal or logical, on a co-applicant from withdrawing from the application. Further, it is also submitted that the law does not specify any time frame within which request for withdrawal can

be made by a co-applicant. In past, the Authority has accepted the withdrawal request even after issuance of the disclosure statement.

- viii. As regards the Supreme Court Judgement in the case of Haldor Topsoe and the Footwear Panel Report cited by the interested parties, it is submitted that the same is in a totally different context. The reliance on this judgment by the interested parties is woefully misplaced. In the case of Haldor Topsoe, the exporter claimed the normal value and resulting dumping margin without providing the relevant information to the Authority. It was in this context that the Hon'ble Supreme Court held that Rule 6(8) shall be applicable. Under the circumstances, the decision of the Authority to use the best information available was upheld by the Court.
- ix. With regard the allegation of the interested parties that the whole application needs to be withdrawn as per Rule 14(a) of the Rules, it is submitted that the suggestion is neither legal nor logically sustainable.
- x. The above Rule is applicable only under the following circumstances:
 - a) That the request is on behalf of the applicant domestic industry at whose instance the investigation was initiated.
 - b) That the request should be in writing for "terminating" the investigation.
- xi. In the instant case, there is no request for termination of the investigation. Further, the withdrawal is also by only one of the two applicants and not by the applicant domestic industry. Unfortunately, it seems that the interested parties have not been able to discern the difference between the applicant domestic industry and the co-applicant. To reiterate, only one of the applicants has withdrawn and not the applicant domestic industry.
- xii. It may not be out of place to mention that keeping in view the legal position, the Authority has allowed a co-applicant to withdraw from the investigations at various stages of the investigations in several instances in the past and accepted their request and recommended duties. Needless to state that the legal requirements have to be applied only in the context of the remaining industry. In the instant case, it may be appreciated that CUMI continues to support the application.
- xiii. In the context of the past cases cited by the interested parties to substantiate their contention that the Authority has terminated the investigations in case the applicant has withdrawn the application, it is submitted that the interested parties have cited six cases. It may be noted that the cited investigations were terminated on account of one of the following reasons:
 - a) Request was made by the applicants and sole applicant to terminate the investigation in terms of Rules;
 - b) Request was made by the major co-applicant to terminate the investigation in terms of Rules;
 - c) Application was filed under a wrong legal provision.
- xiv. The request made by the interested parties to impose reference price-based duty on the ground of undervaluation by some unscrupulous traders is completely illogical, without understanding of the facts and hence, denied.

F.3. Examination by the Authority

- 35. With regard to CCCME, it is noted that only that association can be considered as "interested party" the majority of the members of which are producers, exporters or importers of "such an article" in terms of Rule 2(c)(iii) of the Anti-dumping Rules. In the present investigation, CCCME has not provided the list of their members along with their respective activities so as to enable the Authority to ascertain their status as an interested party in terms of the Rules. However, in the larger public interest, the submissions made by CCCME are taken into account to the extent the same are relevant.
- 36. As regards the existence of demand-supply gap, the Authority notes that possible demand-supply gap cannot deprive a domestic industry from seeking redressal against dumped imports causing injury. If

the exporters wish to meet the requirement in Indian market that could be done by meeting the requirements at an undumped price.

37. With regard the submission that the petition does not have prima facie evidence to justify initiation, the Authority notes that the application contained sufficient prima facie information relevant for the purpose of initiation of investigation. The Authority, only after satisfaction that the application contained sufficient prima facie evidence to justify initiation of investigation decided to initiate the present investigation.
38. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duty, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures does not aim to restrict imports from the subject country in any way. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India marginally. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would ensure that no unfair advantages are gained by resorting to the practice of dumping.
39. As regards imposition of reference price duty, the Authority notes are follows:
- a) Anti-dumping duty is calculated based on the actual price information of a particular producer / exporter. A producer / exporter who has undervalued the subject goods, would be subject to the highest duty.
 - b) The major raw materials are liable to price fluctuations. Accordingly, the import prices may fluctuate mainly on account of the fluctuations in the raw material cost.
 - c) PUC involves many grades or types with different prices and cost.

In view of above, the Authority notes that in the present investigation reference price-based duty may not effectively protect the domestic industry against the dumping.

40. With regard to the submission made by the interested parties that the request for the withdrawal of application by CUMI shall not be entertained by the Authority at this point of time when the investigation has almost reached the stage of completion, it is noted that there is no restriction, legal or logical, on a co-applicant from withdrawing from the application. The law does not specify any time frame within which request for withdrawal can be made by a co-applicant. However, the Authority also observes that the withdrawal towards the conclusion of the investigation and without proving any coherent reasoning for the same is unprincipled at the part of the applicant. Further, the withdrawal has significantly disturbed the course of the investigation, and leading to delay in conclusion.
41. In view of above, the Authority has decided not to terminate the instant investigation as GNO has fully-cooperated in the investigation and also has standing as domestic industry on its own strength. However, the acceptance of the withdrawal from co-applicant in the instant investigation should not be misconstrued as a precedence.

G. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

G.1. Submissions by the other interested parties

42. The following submissions have been made by the other interested parties regarding normal value, export price and dumping margin.
- i. Reference was made to the decision of the WTO in the matter of US Hot Rolled Steel wherein it was clearly stated that the investigating authority shall ensure that the comparison of normal value with export price is fair and considers all the parameters that impact the cost and price of the products. The obligation of the interested parties in this regard is limited only to pointing out how the present comparison is unfair.
 - ii. The normal value for the companies from China PR in the current investigation is to be determined on the basis of their domestic sales and the cost of the subject goods in view of the

fact that the period of 15 years for disregarding the domestic prices or costs of Chinese producers not being on market economy conditions as provided in para 15(a)(ii) of the Protocol of Accession of the People's Republic of China to WTO, has expired on 11th December 2016 in terms of para 15(d) and has become non-operational.

- iii. The domestic industry has also not followed the procedure prescribed in Para 7 of the Annexure I of the Indian Anti-dumping Rules.
- iv. For constructing the normal value, the petitioners have resorted to the last method and bypassed the first and second methods by simply averring that such information is not available in public domain. The petitioners have not provided reasons for not considering the price of exports of PUC from third countries to India. Such a methodology by the petitioners is contrary to the decision of the Hon'ble Supreme Court in *Shenyang Matsushita*.

G.2. Submissions of the domestic industry

43. The following submissions have been made by the domestic industry regarding normal value, export price and dumping margin.

- i. China PR has been considered as non-market economy by the Authority in all recent investigations.
- ii. With regard to MET and determination of normal value, it is submitted that while the provision contained in Article 15 (a)(ii) expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15 (a)(i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status. It is submitted that none of the responding producers / exporters from China PR has submitted response to the supplementary questionnaire in the prescribed form and manner.
- iii. In terms of Para 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, China PR has to be presumed to be a non-market economy country as it has been treated as a non-market economy country for purposes of plethora of anti-dumping investigations by the designated authority or also by other competent authorities of any WTO member countries during the preceding three years as non-market economy country unless the concerned firms / producers / exporters are able to rebut the said presumption based on the criteria laid down in Para 8(3).
- iv. Para 8(2) of Annexure-I leaves no choice for the Designated Authority but to presume China PR to be a non-market economy country. However, the same is open to rebuttal by the Chinese Companies under the provision of Para 8(3). It may be appreciated that the Designated Authority is a creature of the statute and has to perform its obligations and exercise the powers as specifically assigned to it under the specific provisions of the statute. Therefore, unless the provisions of Para 8 are amended, it is incumbent upon the Designated Authority to operate in accordance with the procedure prescribed in Para 8. Therefore, the normal value for China PR should be determined in accordance with Para 7 of the Annexure I.
- v. Without prejudice to the aforesaid, the domestic industry most respectfully submits that the significant extent of continued government intervention in certain important sectors of the Chinese economy warrants maintaining China's designation as a Non-Market Economy country. It is a known fact that China's economy is controlled by the state forces and there is a significant interference and control of the state machinery in the country's economy. The grant of Market Economy Status under China's accession to the WTO is not automated but contingent upon China's compliance with the preconditions mentioned in the Accession Protocol. Therefore, the domestic industry respectfully submits that the responding producers from China PR should not be granted Market Economy Status for the following reasons:
- vi. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.

- vii. Market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards. The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.
- viii. Market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules.
- ix. Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group has not filed the response, the claim for market economy status must be rejected.
- x. It has been submitted that the normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of Para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules without invoking proviso to 8(2) in view of the aforementioned facts and circumstances.
- xi. The normal value in China can thus be determined on the basis of cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit as per the consistent practice of the DGTR.
- xii. The Authority has rejected the claim of the exporters even in the most recent findings [See Final Findings No.14/14/2014-DGAD, dated 8th April, 2017 in the case of Vittrified Tiles from China] on the ground of government-controlled exchange rate.
- xiii. It is submitted that for the purpose of determination of normal value in case of a non-market economy country, an appropriate third market economy country is required to be selected as the first alternative. In this context, it is submitted that domestic industry is not in a position to obtain any price details for the PUC prevalent in any of the market economy third country as this information is not available in the public domain. The domestic industry, therefore, request the Designated Authority to construct the normal value estimated on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.
- xiv. The domestic industry apprehends, based on its market intelligence, that the producers / exporters may have mis-declared the particulars of their exports to India with an objective to get the negative or lower anti-dumping duties. The domestic industry apprehend that the exporters may have resorted to the following:
 - a) Misdeclaration of high value PCNs as low value PCNs. For example, UTW 4' might have been claimed as Grinding 4 etc.
 - b) Misdeclaration by showing NPUC as PUC.
 - c) Considering lower weight (Grams per Piece) to convert PCS into MT resulting in lower weight in MT, which will increase the price per MT.
- xv. In view of the above facts, the domestic industry requests the Authority to carry out a detailed examination of the export to India information filed by the producers / exporters, specially of the following producers / exporters.
 - a) Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd.
 - b) Sceptre Industrial & Trading Co., Ltd.
 - c) Henan Youkai Grinding Abrasives Co., Ltd.
 - d) Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd.
 - e) Xuchang Kaijie Abrasive Co., Ltd.
 - f) Guangdong Chuanghui Industrial Co., Ltd.
 - g) Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd.

G.3. Examination by the Authority

44. Under Section 9A(1)(c) of the Act, “normal value” in relation to an article means:

- i. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
- ii. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:*
 - a. comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - b. the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

45. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters have co-operated in this investigation by filing the prescribed questionnaire responses. However, none of them filed supplementary questionnaire on market economy conditions.

- a) Langfang Shengsen Abrasives Co Ltd
- b) Zhejiang Shuanghe Technology Co Ltd
- c) Yongkang Silver Star Abrasive Material Grinding Tool Co Ltd
- d) Sceptre Industrial & Trading Co Ltd
- e) Yongkang Hardware City Import & Export Co Ltd
- f) Zhejiang White Horse Abrasives Co Ltd
- g) U and K Science & Tech Co Ltd
- h) Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing Co., Ltd.
- i) M/s Yongtai (Zhengzhou) Abrasives Co., Ltd.
- j) Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd.
- k) Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd
- l) Xuchang Kaijie Abrasive Co., Ltd.
- m) Jiangsu Bondflex Sumeng New Material Co., Ltd.
- n) Guangdong Chuanghui Industrial Co., Ltd.,
- o) Ningbo Dahua HongLian Grinding Wheel Co., Ltd.
- p) Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd.
- q) Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd.
- r) Henan Youkai Grinding Abrasives Co Ltd.
- s) Henan Lucky Tools Co Ltd.
- t) Landmark Exim (HK) Co., Ltd.
- u) Zhengzhou Grinding Abrasives Co., Ltd.

- v) China Machinery Industry International Cooperation Co., Ltd.
- w) M/s Henan Daguang Import and Export Co., Ltd.
- x) Bondflex Industrial Pte. Ltd.
- y) Chuang Hui (Tak Ying) Co., Ltd.
- z) Zhengzhou Chang Billion Abrasives Co., Ltd.
- aa) Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.
- bb) Zhengzhou U&K Imp and Exp Trading Co Ltd.

46. The Authority notes the following relevant provisions related to the normal value computation under the Anti-Dumping Rules. Provisions under Para 7 and Para 8 of Annexure I to the Anti-Dumping Rules are as under:

“7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner [keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question] and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an antidumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether: (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values; (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts; (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.

(4) *Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a Member of the World Trade Organization. "*

47. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of whether their data/information could be adopted for the purpose of normal value determination. The Authority sent copies of market economy treatment/supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters for providing relevant information in this regard.

Market Economy Status for Chinese Producers

48. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

- "(a) *In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*

(i) *If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*

(ii) *The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

- (b) *In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*

- (c) *The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*

- (d) *Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

49. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a)(ii) have expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15 (a)(i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules are to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status. It is noted that since the responding producers/ exporters from China PR have not submitted response to the supplementary questionnaire in the form and manner prescribed, the normal value computation is required to be done as per provisions of para 7 of Annexure I of the Rules.
50. Accordingly, the normal value for all the producers/exporters from the subject country has been determined in accordance with para 7 of Annexure I of the Rules which reads as under.

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

Determination of normal value

51. The Authority notes that none of the producers/ exporters from China PR have filed the supplementary questionnaire response to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure I of the Rules. Under these circumstances, the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure I to the Rules in this regard.
52. None of the interested parties have provided any information with regard to selection of appropriate surrogate country. The Authority notes that since PCN methodology has been adopted for fair comparison, PCN-wise price information of market economy third country, therefore, could not be obtained. In the absence of any evidence in this regard, the Authority has determined the normal value for producers/exporters from China PR on the basis of price paid or payable in India for like products as per Para 7 of Annexure I.
53. In view of the above, the normal value for the product under consideration imported from China PR into India is determined based on the cost of production, as optimized for the domestic industry, with reasonable additions for selling, general & administrative expenses and profit margin. Accordingly, the normal value has been constructed for the producers and exporters in China PR for the product under consideration during the period of investigation as given in the dumping margin table below.

Determination of export price for co-operating producers/exporters from China PR

54. The Authority has computed the export price at PCN level for an apple-to-apple comparison with CNV for computation of PCN wise Dumping Margin which has later been converted to the weighted average level.

A. Ningbo Dahua HongLian Grinding Wheel Co., Ltd.

55. During the period of investigation, Ningbo Dahua HongLian Grinding Wheel Co., Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India. On examining the data provided in their response, it is observed that the value chain of exports declared by the producer for the period of investigation is not correlating with the DG Systems data available with the Authority and was found to be incomplete. Therefore, the Authority determines to reject the response filed by the company and has not determined the individual margins for the

company.

B. Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd.

56. During the period of investigation, Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India and *** MT subject goods produced by itself through its related exporter Zhengzhou Chang Billion Abrasives Co., Ltd. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

C. Jiangsu Bondflex Sumeng New Material Co., Ltd.

57. During the period of investigation, Jiangsu Bondflex Sumeng New Material Co., Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India and *** MT subject goods produced by itself through its related exporter Bondflex Industrial Pte. Ltd. On examining the data provided in their response, it is observed that the value chain of exports declared by the producer for the period of investigation is not correlating with the DG Systems data available with the Authority and was found to be incomplete. Therefore, the Authority determines to reject the response filed by the company and has not determined the individual margins for the company.

D. Guangdong Chuanghui Industrial Co., Ltd.

58. During the period of investigation, Guangdong Chuanghui Industrial Co., Ltd. has exported *** MT subject goods produced by itself through its related exporter Chaung Hui (Tak Ying) Co., Ltd. On examining the data provided in their response, it is observed that the value chain of exports declared by the producer for the period of investigation is not correlating with the DG Systems data available with the Authority and was found to be incomplete. Therefore, the Authority holds to reject the response filed by the company and has not determined the individual margins for the company.

E. Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd.

59. During the period of investigation, Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd. has exported *** MT subject goods produced by itself through three unrelated exporters Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd., Zhengzhou U&K IMP and EXP Trading Co., Ltd.; U and K Science & Tech Co., Ltd. On examining the data provided in their response, it is observed that there is substantial difference in the quantum as well as price of exports reported by the exporter (Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.) and the DG Systems data available with the Authority. As the data submitted in the responses of the producer and the exporter has been found to be unreliable, the Authority holds to reject the response filed by the company and has not determined individual margins for the company.

F. Xuchang Kaijie Abrasive Co., Ltd.

60. During the period of investigation, Xuchang Kaijie Abrasive Co., Ltd. has exported ***MT subject goods produced by itself through an unrelated exporter Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd. On examining the data provided in their response, it is observed that there is substantial difference in the quantum as well as price of exports reported by the exporter (Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.) and the DG Systems data available with the Authority. As the data submitted in the responses of the producer and the exporter has been found to be unreliable, the Authority has determined to reject the response filed by the company and has not determined individual margins for the company.

G. Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd.

61. During the period of investigation, Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd. has exported ***MT subject goods produced by itself through an unrelated exporter Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd. On examining the data provided in their response, it is observed that there is substantial difference in the quantum as well as price of exports reported by the exporter (Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.) and the DG Systems data available with the Authority. As the data submitted in the responses of the producer and the exporter has been found to be unreliable, the Authority holds to reject the

response filed by the company and has not determined individual margins for the company.

H. Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd.

62. During the period of investigation, Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India and *** MT subject goods produced by itself through an unrelated exporter Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd. The Authority notes that Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd. has exported the subject goods produced by Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd., Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd., Xuchang Kaijie Abrasive Co., Ltd. and Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd. On examining the data provided in their responses, it was observed that there is substantial difference in the quantum as well as price of exports reported by the exporter (Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.) and the DG Systems data available with the Authority. As the data submitted in the responses of the producers and the exporter was found to be unreliable, the Authority had proposed to reject the response filed by Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd., Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd. and Xuchang Kaijie Abrasive Co., Ltd. and had not determined the individual margins for them. However, the Authority had inadvertently calculated the dumping and injury margin for the producer Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd. which had also exported the subject goods through Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd. The Authority notes that Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd. has exported the subject goods directly also. On examining the data provided in their response, it is observed that there is substantial difference in the price of exports of the subject goods that Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd. exported directly to India from the prices through the exporter (Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd.). Therefore, the data of Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd. cannot be relied upon. As the data submitted in the response of the producer has been found to be unreliable, the Authority holds to reject the response filed by the company and has not determined individual margins for the company.

I. a) U and K Science & Tech Co., Ltd.

63. During the period of investigation, U and K Science & Tech Co., Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India and *** MT subject goods produced by itself through its related exporters Zhengzhou U&K IMP and EXP Trading Co., Ltd. & Zhengzhou Grinding Abrasives Co., Ltd. and unrelated exporter/trader Henan Lucky Tools Co., Ltd. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

b) Henan Youkai Grinding Abrasives Co., Ltd.

64. During the period of investigation, Henan Youkai Grinding Abrasives Co., Ltd. has exported *** MT subject goods produced by itself to India through its related exporters Zhengzhou U&K IMP and EXP Trading Co., Ltd.; U and K Science & Tech Co., Ltd. and Zhengzhou Grinding Abrasives Co., Ltd. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

J. a) Yongkang Silver Star Abrasive Material Grinding Tool Co., Ltd.

65. During the period of investigation, Yongkang Silver Star Abrasive Material Grinding Tool Co., Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

b) Zhejiang Shuanghe Technology Co., Ltd.

66. During the period of investigation, Zhejiang Shuanghe Technology Co., Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and

other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

K. Sceptre Industrial & Trading Co., Ltd.

67. During the period of investigation, Sceptre Industrial & Trading Co., Ltd. has exported *** MT subject goods produced by itself through an unrelated exporter Yongkang Hardware City Import & Export Co., Ltd. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

L. Zhejiang White Horse Abrasives Co., Ltd.

68. During the period of investigation, Zhejiang White Horse Abrasives Co Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India and *** MT subject goods produced by itself through an unrelated exporter/trader Landmark Exim HK Co., Ltd. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

M. Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd.

69. During the period of investigation, Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd. has directly exported *** MT subject goods produced by itself to unrelated customers in India. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

N. Yongtai (Zhengzhou) Abrasives Co., Ltd.

70. During the period of investigation, Yongtai (Zhengzhou) Abrasives Co., Ltd. has exported *** MT subject goods produced by itself to India through an unrelated exporter/trader Henan Daguang Import and Export Co., Ltd. On examining the data provided in their response, it is observed that producer has reported that it has not exported the subject goods in POI to India directly. However, the same is not correlating with the DG systems data which shows that the said producer has exported significant quantity of the subject goods to India directly. Therefore, the Authority determines to reject the response filed by the company, being unreliable, and has not determined individual margins for the company.

O. Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing Co., Ltd.

71. During the period of investigation, Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing Co., Ltd. has exported *** MT subject goods produced by itself to India through an unrelated exporter/trader China Machinery Industry International Cooperation Co., Ltd. After allowing the adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, insurance, port and other related expenses etc., the weighted average net export price at ex-factory level has been determined and same is shown in Dumping Margin table below.

Determination of export price for non-cooperating producers/exporters from China PR

72. The normal value and export price for the non-cooperating exporters from China PR has been determined as per facts available taking into account the data examined for the co-operating exporters and the same is mentioned in the dumping margin table.

Determination of dumping margin

73. Considering the normal value and export price determined as above, the dumping margin for the subject goods from the subject country has been determined as follows:-

Dumping Margin Table

Producer	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
----------	--------------	------------------	----------------	----------------	----------------

					Range
	US\$/MT	(US\$/MT)	(US\$/MT)	(%)	(% Range)
Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd.	***	***	***	***%	30-40
U and K Science & Tech Co., Ltd.	***	***	***	***%	20-30
Henan Youkai Grinding Abrasives Co., Ltd.	***	***	***	***%	30-40
Yongkang Silver Star Abrasive Material Grinding Tool Co., Ltd.	***	***	***	***%	30-40
Zhejiang Shuanghe Technology Co., Ltd.	***	***	***	***%	40-50
Sceptre Industrial & Trading Co., Ltd.	***	***	***	***%	5-15
Zhejiang White Horse Abrasives Co., Ltd.	***	***	***	***%	20-30
Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd.	***	***	***	***%	10-20
Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing Co., Ltd.	***	***	***	***%	15-25
All other producers/exporters from China PR	***	***	***	***%	40-50

H. EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

H.1. Submissions by the other interested parties

74. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:

- i. There is no increase in the import of the subject product, which has caused injury to the Indian industry. The domestic industry has not suffered any injury due to imports of products under consideration from China PR.
- ii. There is no causal link between dumped imports and alleged injury. The domestic industry has suffered injury on account of sharp increase in the interest cost.
- iii. The petitioners' economic performance is healthy. A search of the currently available data and information (such as the data and information from the public sources) will show that the domestic industry is developing positively.
- iv. The injury to the domestic industry, if any, in the current investigation is not due to the alleged imports but due to complete lock-down imposed by the Government of India in the quarter April 2020 to June 2020 in view of the Covid-19 situation, inter-se competition in the domestic market and decline in production due to decline in exports by 28% over the injury investigation period. The injury, if any, to the domestic industry is on account of other factors. Covid impacted period ought to be excluded while examining injury.
- v. For the manufacture of the PUC, the petitioners are heavily dependent on raw materials imported into India. As per the petition, the petitioners' costs have increased by over 13-14 indexed points over the injury period. The major raw material used in production of PUC (~85%) is imported from China PR which is one of the causes of the petitioners' injury and gives advantage to

Chinese producers.

- vi. The petitioners have constructed their CNV and NIP in a hugely inflated manner by allocating high overheads to show high dumping and injury margins. Cutting wheels and grinding wheels are essentially abrasive raw material-based products. The major portion of the cost comprises raw materials like carborundum, white aluminium oxide, brown aluminium oxide silicon carbide etc.
- vii. Subject imports have declined in absolute and relative terms in the POI. The market share of China PR in imports has also declined from the base year and increased only by 0.07% in the POI. Imports from other countries have increased over the injury period.
- viii. The demand in the base year and the POI remains the same at 100 indexed points. The market share of the subject imports has remained at the same level in comparison to the increase in demand.
- ix. The CIF price of imports from the subject countries has increased in 2018-19. They are higher than the base year level throughout the injury period.
- x. During the injury investigation period, both the landed price of the subject imports and the petitioners' domestic selling price have shown an overall increasing trend, but the landed price of the subject imports has increased with a higher margin. Even if the landed prices from China PR decreased, the petitioners' selling price remained at the same level. This means that there is no price suppression/depression caused by the subject imports.
- xi. There appears to be no injury to the petitioning companies in the POI. According to the Annual Report for 2020-21 of Grindwell Norton Ltd., the revenue from operations and profit in the year 2020-21 have increased compared with the year 2019-20.
- xii. The petitioners claim that increased importation suggests the threat of material injury is incorrect since the volume of subject imports decreased in the POI and the petitioners have not provided any post-POI data to justify any claims of threat of injury.
- xiii. The per unit cost of fixed overheads such as wages, depreciation, interest etc. and alike expenses have contributed to the increase in per unit total cost of the domestic industry and affected its profitability, cash flow and ROCE. There is no impact of the alleged imports from China on the profitability, cash flow and ROCE of the domestic industry.
- xiv. The volume of subject imports has decreased significantly in the POI from the previous year 2019-20. Increase in volume of the subject imports in relation to production shows that the petitioner's production has been unable to keep up with the increasing demand.
- xv. The petitioner compared its performance in the POI with the performance in the base year. The purpose of four years injury period for injury assessment is to consider the performance of the domestic industry for the entire period of four years. It would not be appropriate to compare the performance of the domestic industry between the base year and the POI and such analysis would also imply rendering information for the intervening period redundant and would not be an objective analysis. Reliance was placed on the Commission Regulations of European Commissions in:
 - a. COUNCIL REGULATION (EC) No 215/2002 of 28 January, 2002 imposing definitive anti-dumping duties on imports of ferro molybdenum originating in the People's Republic of China
 - b. COUNCIL REGULATION (EC) No 1995/2000 of 18 September, 2000 imposing a definitive anti-dumping duty and collecting definitively the provisional duties imposed on imports of solutions of urea and ammonium nitrate originating in Algeria, Belarus, Lithuania, Russia and Ukraine, and terminating the anti-dumping proceeding in respect of imports originating in the Slovak Republic.
- xvi. The injury is due to sharp and continuous increase in the cost and the production costs.
- xvii. The applicants by their own admission in their annual reports have accepted decline in demand owing to COVID-19 and severe decline in industrial activity as a factor causing injury.
- xviii. The decline in market share of domestic industry up to 2019-20 is significant, and the same is due

to some “other factors”. Either the loss is due to non-subject imports, or to other domestic producers. Either way, the subject imports cannot be blamed.

- xix. The profitability of the domestic industry has no relationship with the imports over the injury period. The cost of sales increased in 2018-19 by 13%, and the landed price of the imports increased by 15%. The selling price, however, increased only by 2%. The imports increased despite increase in landed price. However, the domestic industry suffered losses. There is no link between the import price, import volume, and selling price of the domestic industry.
- xx. It is equally relevant to note the low level of losses in 2018-19. Despite the increase in the landed value from base year in 2017-18 to the POI, the selling price has not increased proportionately. It is evident that the domestic industry has not increased the prices in competition to the subject imports. The movement of selling price has no relation with the movement of landed price of imports and hence, the imports are not causing any adverse price effect on the domestic industry.
- xxi. In 2019-20, despite increase in the cost by 1%, the domestic industry was able to increase its selling price and earn profits which was despite significant decline in landed price. Evidently, the domestic industry was able to increase its prices with import prices declining which also shows absence of causal link.
- xxii. Depreciation remained by and large stable, resultantly, trends in cash profits are very similar to trends in profits. Interest costs increased very steeply in 2018-19 and 2019-20. However, interest costs declined in POI, though remained much higher than the base year. The trends in return on investment are very similar to the trends in profits which shows absence of causal link between the subject imports and the ROI.
- xxiii. As per the annual report of the applicants for the year 2019-20 and 2020-21 which covers the POI, the other factors causing injury were:
 - a. Total lockdown due to COVID-19;
 - b. NBFC crisis;
 - c. Severe decline in industrial activity.

Post withdrawal

- xxiv. GNO has claimed a dumping margin of 50-60% and an injury margin of 40-50%. These dumping margins appear to be highly inflated. GNO is a huge multiproduct company engaged in the production of several products. The company's SGA expenses must be verified by the Authority.
- xxv. The landed price of the subject imports is higher than the base year level throughout the injury period. The range of 0-10% is not significant. Therefore, there is no significant price undercutting.
- xxvi. Even though the petitioner's capacity utilization has declined, this decline is not reflective of injury concerning the PUC as the capacity covers both PUC and NPUC. Though production has declined in the POI, this decline is only marginal. Further, the same may clearly be attributed to the decline in the domestic demand of the PUC in the POI due to COVID-19 related lockdowns.
- xxvii. The respondents also submit that the petitioner's volume and per unit realization of its export sales has continuously and significantly increased over the injury period, except for the decline in 2018-19. In fact, in the POI, it is nearly 50% more than the base year export level. This strongly suggests that GNO has increased its focus on the export sales and accordingly reduced supplies for the domestic market.
- xxviii. The petitioner's average capital employed has increased continuously and significantly throughout the injury period. Such capital employed on whatever equipment or machinery they have invested in would naturally take certain time to achieve economies of scale. This is bound to cause a decline in its Return on Capital Employed.
- xxix. The decline in the petitioner's cash profits is directly being impacted by the increase in interest expenses. It is unclear why these interest costs and depreciation increased considering that the domestic industry's installed capacity has not witnessed any increase. This clearly establishes that

rather than the subject imports that are necessary to meet the demand-supply gap in the country for the like product, it is these high interest expenses of GNO that is impacting its profitability.

xxx. For the manufacture of the PUC, the petitioners are heavily dependent on raw materials imported into India. This is competitive advantage for Chinese producers who can readily access these raw materials through domestic sources.

xxxi. The technology used by the Indian domestic producers is underdeveloped and the efficiency is low, which also cause higher cost as well as lower product quality. Such internal disadvantages make the petitioner less competitive in the Indian market, which in turn affects its economic performance.

xxxii. Positive Price undercutting cannot be regarded as a factor of injury. In anti-dumping investigation of the Authority in the Final Findings in sunset review anti-dumping investigation concerning Imports of Gypsum Plaster Board dated 19th April 2018 (F. No. - 7/8/2017-DGAD) has taken the same view.

xxxiii. The applicant industry could not answer the reasons for losses in 2018-19 and merely stated that the effect of cost should also be seen while examining the losses. There is no link between the import price, import volume and selling price of the domestic industry. Thus, clearly, comparison of cost, selling price and landed price also does not answer the situation of the domestic industry. The imports were also high during the said period. The movement of cost, selling price and landed value throughout the injury period also does not show any causal link.

xxxiv. The applicant stated during the hearing that there is surprisingly no difference in the trends of the injury parameters. However, it is noted that there is stark difference in certain parameters

xxxv. Article 3.5 of the WTO Anti-dumping Agreement mandates for a causal link between the alleged dumped imports and injury to the domestic industry. It requires for the examination of any known factors, other than the dumped imports, which are causing injury to the domestic industry and the injury caused by these other factors shall not be attributed to dumped imports. It may be seen that the injury to the domestic industry, if any, in the current investigation is not due to the alleged imports but due to complete lock-down imposed by the Government of India in the quarter April, 2020 to June, 2020 in view of the Covid-19 situation and the inter-se competition in the domestic market.

xxxvi. Non-attribution analysis is required to be made in the anti-dumping investigations wherein the injury caused by other factors ought to be segregated and excluded from the injury attributed to alleged dumped imports.

H.2. Submissions of the domestic industry

75. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to injury and causal link:

- i. The domestic industry submits that it has suffered material injury on account of dumped imports from China PR.
- ii. The imports of the subject goods from China PR increased throughout the period of injury except marginal decline in the period of investigation (POI) due to the impact of Covid-19 Pandemic.
- iii. The share of imports of the subject goods from China PR in the total imports is very high to the tune of 83.72% in the POI. The share of imports of the subject goods from China PR in the total imports increased during the POI as compared to 2018-19 and 2019-20 despite Covid-19 Pandemic, which clearly indicates that the imports of the subject goods from China PR have been able to capture a significant market share in the domestic market due to aggressive dumping by the exporters from China PR.
- iv. The dumped imports into India also indicates the likelihood of substantially increased importation. Therefore, there is also a clear case of threat of material injury to the domestic industry.
- v. The share of imports of the subject goods from China PR in the production has increased from ***% in the base year to ***% in the POI, which clearly shows the injurious impact of dumped

imports on the domestic industry.

- vi. The landed value from the subject country has declined significantly from Rs. 1,65,575 / MT (115 - Indexed) in the year 2018-19 to Rs. 1,56,745 (108 - Indexed) in the POI. Further, landed value has also declined in the POI as compared to 2019-20. On the contrary, the cost of the domestic industry has increased in the POI as compared to the base year. Despite increase in the cost of the domestic industry, the domestic industry was not able to increase its selling price during the POI commensurate with the increase in the cost on account of dumped imports. The domestic selling price of the domestic industry increased only from Rs. ***/ MT (100 - Indexed) in the base year to Rs. ***/ MT (104 - Indexed) in the POI, while during the same period the cost increased by 12%. Accordingly, it is amply clear that the prices of the domestic industry have been declined and suppressed on account of dumped imports of the subject goods from China PR.
- vii. The imports are entering at very low and dumped prices from China PR. Such low value dumped imports have a significant depressing and suppressing effect on domestic prices of the domestic industry, and would likely increase the demand for further imports particularly under the present situation when the competition is very entrenched due to the adverse impact on the market of the Covid-19 Pandemic. Accordingly, along with the current material injury, threat of material injury is also imminent.
- viii. The capacity of the domestic industry remained constant during the entire period of injury while their capacity utilization has declined consistently during the entire period of injury, which clearly proves injurious impact of dumped imports from China PR.
- ix. The productivity per employee of the domestic industry declined during the POI as compared to the base year as well as 2019-20 on account of the low value dumped imports of the subject goods from China PR.
- x. The profitability of the domestic industry has been severely affected in the period of investigation due to intensified dumped imports of the subject goods from China PR. The domestic industry was not able to increase its selling price during the POI on account of dumped imports from China PR. The domestic selling price of the domestic industry increased only by 4% in the POI as compared to the base year while the cost increased by 12% during the same period. Despite significant increase in the cost of the domestic industry, the landed value of the subject goods increased only by 8% in the POI as compared to the base year. The landed value has declined significantly from Rs. 1,67,575 / MT (115 - Indexed) in the year 2018-19 to Rs. 1,56,745 (108 - Indexed) in the POI. Further, the landed value has also declined during the POI as compared to 2019-20. Accordingly, the profitability per unit of the domestic industry of Rs. ***/ MT (100 - Indexed) in the base year significantly declined to Rs. *** (48 - Indexed) in the POI. Since the domestic industry was not able to increase the domestic selling price on account of falling import prices, significant injury is imminent.
- xi. The low value dumped imports prices suppressed and depressed the domestic selling prices of the domestic industry, which would likely further increase its demand. Accordingly, there is also a threat of material injury to the domestic industry.
- xii. The return on capital employed (ROCE) of the domestic industry of ***% (100 - Indexed) in the base year significantly declined to ***% (38 Indexed) in the POI on account of dumped imports of the subject goods from China PR. Accordingly, it is clear that the domestic industry has suffered material injury on account of dumped imports of the subject goods from China PR.
- xiii. The price undercutting on the basis of the import data available from DGCI&S is positive and significant for China PR during the entire period of injury. The domestic industry in the present case has been clearly prevented from increasing its prices on account of low value dumped imports of the subject goods from China PR. Thus, price suppression in terms of the Anti-dumping Rules, is apparent. The domestic industry's sales realization is also less than the NIP. This also clearly indicates that the domestic prices realized are the suppressed prices and immediate protection of anti-dumping duty is warranted to enable the domestic industry to increase their prices to the desired level.
- xiv. The price underselling on the basis of the available import data of China PR for the POI is not

only positive but also significant.

- xv. The dumping margin from China PR is significantly positive, which is very high and indicative of the aggressive pricing of the subject goods.
- xvi. The cash flow position of the domestic industry has deteriorated in period of investigation as compared to the year base year as well as 2019-20.
- xvii. The future investment in the sector is also marred by the presence of dumped imports from China PR. The declined in capacity utilization, production, domestic sales, profitability, ROCE, cash flow, etc., clearly indicate that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector is jeopardized by the dumped imports from the subject country.
- xviii. With regard to the claim made by the interested parties that the domestic industry has not suffered any injury due to imports of products under consideration from China PR, the domestic industry reiterates that it has suffered material injury on account of dumped imports from China PR. It may be noted that none of the interested parties claimed that they have not dumped PUC into India. Further, it may also be noted that the interested parties have also accepted during the oral hearing that the domestic industry suffered injury.
- xix. The allegation made by the interested parties that the petitioners' economic performance is healthy is wrong, misleading and hence, denied. The petitioners are multi-product companies. Therefore, any conclusion drawn based on the Annual Report (company as a whole) will lead to absurdity.
- xx. With regard to the exclusion of Covid impacted period, it is submitted that the domestic industry was operating continuously even during the lock-down except few days, which were used for the routine annual maintenance. There was no significant shut down due to Covid, which might have impacted the performance of the domestic industry adversely. Further, it is submitted that none of the interested parties has provided any data to substantiate their claim of the impact of COVID - 19 on the injury of the domestic industry. Accordingly, the domestic industry requests the Authority not to remove April 2020 to June 2020 while examining the injury.
- xxi. Without prejudice to the above, it is further submitted that the impact of COVID is fully taken care of while computing NIP by adopting principles of Annexure III of AD Rules. The Authority has taken the same view in plethora of case. The details of some of these cases are provided below.
 - a) Clear Float Glass from Iran [F. No. 7/15/2021-DGTR dated 11.02.2022]
 - b) Caprolactam" originating in or exported from European Union, Korea RP, Russia and Thailand [F. No. 6/39/2020-DGTR dated 27.09.2021]
- xxii. As regard to the injury on account of export performance, it is submitted that the domestic industry has considered the data only for domestic operations for the purpose of injury analysis. Accordingly, the allegation raised by the interested parties holds no merit.
- xxiii. With regard to the allegation made by the interested parties that the applicant stated during the hearing that there is surprisingly no difference in the trends of the injury parameters, it is submitted that the interested parties have twisted the statement made by the domestic industry. The domestic industry had mentioned in the hearing that there is no "material difference" between the injury information filed in the application and the updated information, and therefore, the trend or direction of injury is overwhelmingly the same. Accordingly, the allegation made by the interested parties is wrong.
- xxiv. The inventories with the domestic industry have declined in the period of investigation on account of the decline in the production.

H.3. Examination by the Authority

76. The submissions made by the domestic industry with regard to the injury and causal link related issues have been examined. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties.
77. Rule 11 of the Rules, read with Annexure II, provides that an injury determination shall involve

examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-Dumping Rules.

78. Since M/s Carborundum Universal Limited has withdrawn as an applicant, the Authority has considered the verified information of M/s Grindwell Norton Limited only for the purpose of injury examination.
79. As regards the arguments based on the annual report, the Authority reiterates that the injury to the domestic industry has been determined by considering the performance of the domestic industry for the product under consideration and whereas the annual reports provide for performance of the domestic industry for its entire product range.
80. As regards the exclusion of Covid-19 period from injury analysis, it is noted that none of the interested parties have provided any data to substantiate their claim of the impact of Covid-19 on the injury to the domestic industry. Therefore, the Authority has decided not to remove April, 2020 to June, 2020 period while examining the injury. Without prejudice, it is also noted that the impact of Covid-19 is fully taken care of while computing the NIP by adopting the principles of Annexure III of AD Rules.
81. As regards the argument that the domestic industry is export oriented, it is noted that the exports of the domestic industry constitute *** % of the total sales of the product concerned which implies that the focus of the domestic industry is the Indian market. Further, the injury examination is undertaken considering the information related to the domestic operations.
82. The Authority has examined the injury parameters taking into account the facts and submissions made by the domestic industry as under:

H.3.1. Volume Effect of dumped imports on the domestic industry

a. Assessment of Demand/Apparent Consumption

83. The Authority has taken into consideration, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources.

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	101	92
Sales of Other Indian Producers	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	109	102
Subject Country – China	MT	19508	21329	22424	19476
Imports from other countries	MT	3582	4230	4383	3788
Total Demand in India	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	112	100
Share of DI in demand	%	***%	***%	***%	***%
Trend	Indexed	100	93	90	92

Share of Import from China PR in demand	%	***%	***%	***%	***%
Trend	Indexed	100	101	102	100

84. It is seen that the demand for subject goods has increased throughout the injury period except the POI due to the impact of Covid-19 Pandemic. It is clear from the above information that the exporters of the subject goods from China PR command a very high share in the Indian demand. They were able to maintain their share in the Indian demand during the POI almost at the level of the preceding years despite adverse impact on the market due to Covid-19 pandemic.

b. Import Volumes from the subject country

85. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCI&S.

Particulars	Units	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Subject Country – China PR	MT	19508	21329	22424	19476
Other Countries	MT	3582	4230	4383	3788
Total import volume	MT	23090	25558	26807	23264
Subject country Imports in relation to					
Production – Domestic Industry	%	***%	***%	***%	***%
Trend	Indexed	100	117	113	106
Consumption	%	***%	***%	***%	***%
Trend	Indexed	100	101	102	100
Total Imports	%	***%	***%	***%	***%
Trend	Indexed	100	99	99	99

86. It is seen that:

- Imports from the subject country command a very high share in terms of total imports.
- Imports from the subject country in relation to total production and consumption are ***% and ***% respectively during the period of investigation.
- Imports from the subject country constitute 83.72% of the total imports in the country during the period of investigation.

H.3.2. Price Effect of the dumped imports on the domestic industry

87. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analysed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject country has been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with landed price of imports of the subject goods from the subject country.

a. Price Undercutting

88. In order to determine, whether the imports of the subject goods from the subject country are

undercutting the prices of the domestic industry in the market, the price undercutting has been worked out by comparing the landed price of the imports from the subject country with the selling price of the domestic industry during the injury period. The price undercutting has been determined for the POI separately for each PCN produced by the domestic industry and thereafter for the product under consideration as a whole. Summarized position for the same is given in the table below

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Landed price of subject imports	Rs./MT	145722	167575	157190	156745
Net sales realization	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	%	***%	***%	***%	***%
Price undercutting	% Range	10%-20%	0%-10%	10%-20%	0%-10%

89. It is seen that the landed price of imports from the subject country is below the net sales realization of the domestic industry, thereby resulting in positive price undercutting.

b. Price Suppression and Depression

90. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period were examined.

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	118	110	112
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	103	105	104
Landed price of imports	Rs./MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	115	108	108

91. Comparison of the cost of production, selling price of the domestic industry and the landed price of imports shows that landed price of the subject imports is below the cost of production and selling price of the domestic industry during the period of investigation. Further, whereas the costs of the domestic industry increased during the period of investigation as compared to the immediately preceding year, instead of raising the selling prices in proportion with the increase the costs, the domestic industry was forced to reduce the selling price due to high volume of imports in the country at lower prices.

H.3.3. Economic Parameters of the domestic industry

92. Annexure II to the Rules provides that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.
93. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and arguments made by the interested parties in their submissions.

a. Production, capacity, capacity utilization and sales

94. The capacity, production, sales, and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	100	100	100
Total Production	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	97	97	87
PUC Production	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	93	102	94
Capacity Utilization	%	***%	***%	***%	***%
<i>Trend</i>	Indexed	100	97	97	87
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	101	101	92

95. It is seen that:

- The capacity of the domestic industry remained constant throughout the period of investigation.
- The production and the domestic sales declined in the period of investigation.
- Capacity utilization declined significantly in the period of investigation.

b. Market Share

96. The market share of the domestic industry and the imports in the demand over the injury period are as follows:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Domestic Industry	%	***%	***%	***%	***%
<i>Trend</i>	Indexed	100	93	90	93
Subject Country – China PR	%	***%	***%	***%	***%
<i>Trend</i>	Indexed	100	101	102	100
Share of Other Countries	%	***%	***%	***%	***%
<i>Trend</i>	Indexed	100	109	109	106

97. It is seen that the subject country commanded a very high market share throughout the injury period and in the period of investigation. The imports from the subject country account for ***% share in the Indian market.

c. Inventories

98. The inventory position with the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	Indexed	100	68	71	57

99. The stock position declined significantly in the POI.

d. Profitability, Return on Investment and Cash Profits

100. The profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period are given in the table below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	110	112
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	105	104
Profit/Loss per unit	Rs./MT	***	(***)	***	***
Trend	Indexed	100	(2)	77	48
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	(***)	***	***
Trend	Indexed	100	(2)	78	45
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	28	82	55
Return on Capital Employed	%	***%	(***)%	***%	***%
Trend	Indexed	100	(0.4)	62	38

101. It is seen that:

- The cost of the domestic industry increased during the period of investigation as compared to the immediately preceding year while the selling price declined during the same period.
- The profitability of the domestic industry declined during period of investigation.
- The return on investments declined significantly during the period of investigation as compared to the immediately preceding year and base year.

e. Employment, wages and productivity

102. The employment, wages and productivity of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Wages / Employee	Rs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	90	105	106
Employees	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	103	102
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	86	99	92

103. It is seen that:

- i. The wages paid increased during the POI.
- ii. The productivity per employee declined in the period of investigation.

f. Growth

104. The growth of the domestic industry in terms of production, sales, profitability, cash profits PBIT, ROI and inventories is as per table below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI
Production - PUC	%		(7) %	10%	(8) %
Capacity Utilization	%		(2) %	(0.2) %	(6) %
Domestic Sales	%		1 %	0.1%	(9) %
Profit/Loss -Domestic	%		(102) %	3793%	(42) %
Cash Profit	%		(72) %	198 %	(33) %
Return on Capital Employed	%		(18) %	11%	(4) %

105. It is seen that the growth is negative in the period of investigation in almost all volume and price parameters. The production, sales, profitability, cash profits and ROCE have all shown a negative growth in the period of investigation.

g. Magnitude of Dumping Margin

106. It is noted that the subject goods are being dumped into India and the dumping margin is positive and significant.

h. Ability to raise capital investment

107. There is negative growth in the period of investigation in almost all volume and price parameters, i.e., production, sales, profitability, cash profits and ROCE etc.

i. Factors affecting domestic prices

108. The landed value of the subject goods from the subject country is below the cost and selling price of the domestic industry.

H.4. OVERALL ASSESSMENT OF INJURY

109. The examination of imports of the product under consideration and the performance of the domestic industry clearly shows that the dumped imports from the subject country are being imported into India in significant quantities in both absolute and relative terms. The imports are undercutting the prices of the domestic industry. The import prices are also suppressing and depressing the prices of the domestic industry. The production, sales, capacity utilization of the domestic industry has declined in the period of investigation. Profitability, cash profits, PBIT and ROCE has declined in the period of investigation. Growth is negative in almost all volume and price parameters in the period of investigation. In view of the foregoing, the Authority, thus, concludes that the domestic industry has suffered material injury as well as there is a threat of material injury.

I. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

110. The Authority has determined the NIP for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the PUC has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the POI. The NIP has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating injury margin. For determining the NIP, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the

utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the PUC was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed.

111. The landed value has been computed and compared with NIP at PCN level so as to obtain the injury margin at PCN level and later collapsed at the weighted average level. Based on the landed price and the non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority and the same is provided in the table below: -

Producer	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin	Injury Margin
	US\$/MT	(US\$/MT)	(US\$/MT)	(%)	(Range)
Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd.	***	***	***	***%	5-15
U and K Science & Tech Co., Ltd.	***	***	***	***%	10-20
Henan Youkai Grinding Abrasives Co., Ltd.	***	***	***	***%	10-20
Yongkang Silver Star Abrasive Material Grinding Tool Co., Ltd.	***	***	***	***%	20-30
Zhejiang Shuanghe Technology Co., Ltd.	***	***	***	***%	20-30
Sceptre Industrial & Trading Co., Ltd.	***	***	(***)	(***)%	<0
Zhejiang White Horse Abrasives Co., Ltd.	***	***	***	***%	5-15
Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd.	***	***	***	***%	0-10
Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing Co., Ltd.	***	***	***	***%	40-50
All other producers/exporters from China PR	***	***	***	***%	50-60

J. CAUSAL LINK AND NON-ATTRIBUTION ANALYSIS

112. The Authority examined any known factors other than the dumped imports which at the same time might have been injuring the domestic industry so that the injury caused by these other factors, if any, is not attributed to the dumped imports.

a. Volume and prices of imports from third countries

113. The imports from other countries are either at higher prices or at negligible levels.

b. Contraction of demand and changes in the pattern of consumption

114. The demand of the product under consideration has increased over the injury period with a decline in the POI. As the demand for the product declined, there was a decline in the import price.

c. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

115. There is no known trade restrictive practice.

d. Conditions of competition and trade restrictive practices

116. The Authority notes that the investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices has been changed or applied.

e. Developments in technology

117. None of the interested parties has furnished any evidence to demonstrate any change in the technology.

f. Export performance

118. The injury information has been considered separately for domestic and exports, to the extent the same could be segregated.

g. Performance of other products

119. The Authority has considered data only in relation to the product under consideration.

CAUSAL LINK

120. While other known factors listed under the Rules have not caused injury to the domestic industry, the Authority notes that the following parameters show that injury to the domestic industry is caused by the dumped imports.

- i. There is significant dumping of the subject goods in India.
- ii. Owing to the availability of cheap imports, dumped imports were imported into Indian in very significant quantities both in absolute as well as relative terms during the period of investigation.
- iii. The dumped imports have captured a very high market share in the India market.
- iv. As a result, the production, sales and capacity utilisation of the domestic industry declined in the period of investigation.
- v. The imports are undercutting the prices of domestic industry and are priced below the cost and selling price of the domestic industry. The imports have suppressed and depressed the prices of the domestic industry.

121. Consequently, the profits, cash profits and return on capital employed of the domestic industry declined.

K. PUBLIC INTEREST

122. The Authority further notes that the effect of anti-dumping duties measures on the public interest is commonly studied from the perspective of the producers and consumers. It is noted that the imposition of the anti-dumping duties on the imports of the subject goods would be in the interest of domestic producers of the subject goods in India. The measures would prevent further injury to the domestic industry and give them time to compete against the exporters from the subject country. The Authority has also analysed the effect of imposition of anti-dumping duties from the consumer's point of view and observed that it would be in the interest of domestic consumers of the subject goods to have reliable Indian domestic producers capable of competing with foreign producers. This is possible when the domestic producers are able to recover from the injury suffered due to the imports. If the current situation is allowed to continue, the Indian domestic producer would face further injury giving foreign producers increased leverage as against domestic producers. Further, if the domestic industry is allowed to suffer, it will eventually be wiped out and the consumers will be again left at the mercy of the imported goods.

123. The Authority has analysed the impact of imposition of anti-dumping duties on public at large. It is noted that the product under consideration is a very low value product, which is used in industrial and construction segments for cutting, grinding and polishing. Its cost accounts for a minuscule share in the total cost of the project. And, therefore, the end consumer of the subject goods will not face any significant increase in prices if the anti-dumping duty is imposed.

L. POST-DISCLOSURE COMMENTS

124. The post disclosure submissions have been received from the interested parties and the domestic industry, and it is noted that most of the issues raised are reiterations and have already been raised earlier and also addressed appropriately. Additional submissions have been analysed as under.

L.1. Submissions by the other interested parties

125. M/s. Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing Co., Ltd. have extended price undertaking in terms of Rule 15 of the Rules. Price undertaking is in the public interest.
126. The Authority has rejected responses of various producers, which is in accordance with the law. The respondents collected information from market intelligence and found that the export price in respect of exports made by these exporters were materially lower than the export price of the respondents.
127. Henan Xicheng has selectively participated in the investigation, they have participated with Goodwill Tools Shanghai but not did not participate with U and K group which casts doubt on the reliability of their data. The plausible explanation for such selective participation could be that exports made by U and K, procured from Henan Xicheng were at a materially lower price than the exports made by U and K from its self-production.
128. Questionnaire response filed by Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd. should be rejected for the reason that the export price of this company is far lower than the export price of Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing and therefore the dumping margin and injury margin determined by the Authority Henan New Yichang (assuming the margins for Henan Xicheng was for Henan New Yichang) cannot be correct when compared with the dumping margin and injury margin for Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing. The data filed by the company should be cross verified with the DG System data.
129. Goods exported by Linyi Dapeng Hardware and Abrasives Products Co., Ltd. is far lower than the export price of Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing and therefore the dumping margin and injury margin cannot be so low when compared with the dumping margin and injury margin for Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing. The data filed by the company should be cross verified with the DG System data.
130. Authority has rejected the responses filed by (1) Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd. (2) Xuchang Kaijie Abrasive Co., Ltd. and (3) Dacheng Abrasive Tools Co., Ltd. on the ground that there is substantial difference in the quantum as well as price of exports reported by the exporter of these producers, i.e., Goodwill Tools (Shanghai) Co., Ltd. and the DG Systems data available with the Authority. The fact could not have been different in respect of exports made by the exporter in respect of goods produced by the Linyi Dapeng Hardware and Abrasives Products Co., Ltd.
131. U and K Science & Tech Co., Ltd. has acted both as a producer-exporter and trader-exporter. The company has however filed questionnaire response only as a producer-exporter. This is a suppression of fact. The responding exporter has an obligation to bring forward the producer whose goods are being exported. Response from other producers is necessary in a situation where the producer has acted both as a trader and producer.
132. While examining decline in demand as a factor of injury, the Authority has noted that the import price have declined in the POI when the imports have remained almost at same level. But it is the selling price that has declined.
133. The reason for discrepancies with regard to exports to India as reported by the producers/exporters in their respective appendices as compared to information available from the DG System are due to the difference in the unit of measurement.
134. The DG System data used to compute import in Kg's is highly unreliable and should not be adopted to reject the questionnaire responses submitted by the said producers/exporters.
135. The difference in the numbers reported in the confidential disclosure and the claims of the company is huge. The Authority has reduced both ex-factory export price as well as the landed value by significant number but has failed to provide any reasoning or basis for such reduction, even in the confidential disclosure.

136. After withdrawal of application by CUMI, it is clear that the petitioner is admittedly the major producer of the product under consideration in India. There is a high likelihood that it would dominate the market and would create barriers for market entry, which is harmful to the competitive environment and healthy development of the industry in India.
137. In the determination of the NIP, the Authority is giving undue protection to the domestic industry by applying 22% Return on Capital Employed which was designed in 1987. Adoption of 22% profit margin based on some hypothetical considerations is totally illogical and cannot be termed as reasonable.
138. It appears that the Authority has inadvertently substituted the names of Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd. instead of Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd. It was requested to consider the correct name i.e. Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd. in the dumping margin table and injury margin table while issuing the final findings.
139. The Authority's assessment is silent regarding the frequency and purpose of imports by GNO. Further, no reason has been given by GNO also for its imports of the PUC.
140. Chinese producers/exporters have tried their best to fully cooperate in this investigation by submitting all the necessary data available to them. As unrelated companies, the producers/exporters did not know the internal arrangement in importer groups.
141. Traders in the importer groups should not be regarded as unrelated exporters but should be regarded as a part of the importer, i.e., such traders and their related Indian importers should be regarded as one entity. Under this circumstance, the value chain of exports reported by the producers/exporters is complete.
142. There appears to be certain discrepancies with the landed value determined by the Authority for Shuanghe and Silver Star. The Authority is requested to re-examine the same.
143. The Authority is requested to follow the practice in the anti-dumping investigation on HFC R-32 where it excluded interest expenses for determining profitability.
144. Due to some confusion to the producer Yongtai, it has provided only the details of its exports to India through the exporter Daguang and the details of its direct exports to India are not given. The producer Yongtai has now provided the details of its direct exports to India in its Appendix 3A along with the details of supporting documents of all the sales invoices. In view of the above, the individual determination of export price and dumping margin for the producer Yongtai may please be made in the current investigation as they have provided the complete information on record.
145. The action of the Authority is against the principle of natural justice. The Authority did not inform about the DG system data mismatch during the course of verification. The Authority must have given an opportunity to defend the producers/exporters before rejecting the data.
146. In the determination of the NIP, the Authority is giving undue protection to the domestic industry by applying 22% Return on Capital Employed which was designed in 1987.

L.2. Submissions by the domestic industry

147. The domestic industry had expressed its apprehension vide multiples letters/emails filed to the Authority that the producers / exporters may have mis declared the particulars of their exports with an objective to get the negative or lower anti-dumping duties.
148. It is clear from the disclosure statement that the questionnaire response of seven (7) producers were rejected since the value chain of exports declared by the producer for the period of investigation does not correlate with the DG Systems data. Thus, the apprehension of the domestic industry that the producers / exporters have mis declared the particulars of their exports with an objective to get the negative or lower anti-dumping duties stands vindicated. The Authority has rightly rejected the response of such producers as any deliberate attempt to mislead the Authority in any trade remedial measure investigation has to be strictly dealt with.
149. The details of the exports made by Sceptre of the PUC during the POI based on our market intelligence as well as calculation of its injury margin submitted by the DI to the Authority makes

amply clear that Sceptre has also resorted to misdeclaration of the particulars of their exports with an objective to get NIL duty. Thus, the Authority is requested to reject its response and recommend residual duty on it.

150. The following producers exported sample or non-commercial quantities to India during the POI.

Sl. No	Producer	Share in total exports to India from China PR (%)
1	Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd.	4%
2	Henan Xicheng Abrasives Co., Ltd.	1%
3	Linyi Dapeng Hardware & Abrasive Products Co., Ltd.	2%
4	Henan Youkai Grinding Abrasives Co., Ltd.	2%
5	Yongkang Silver Star Abrasive Material Grinding Tool Co., Ltd.	1%
6	Zhejiang Shuanghe Technology Co., Ltd.	4%

151. Further, as per the understanding of the domestic industry, even the sample or non-commercial quantities of the PUC claimed to be exported to India during the POI by the above-mentioned producers were mis declared to get negative or lower anti-dumping duties, i.e., NPUC has been shown as PUC or high value PCNs shown as low value PCNs or lower weight (Grams per Piece) has been considered to convert PCS into MT resulting in lower weight in MT.
152. The export price of the miniscule / sample or non-commercial exports claimed by the above-mentioned participating producers / exporters is significantly higher than the export price of the other participating producers / exporters exporting commercial quantities, which clearly prove that these quantities are either samples / non-commercial quantities or mis declared. Accordingly, the DI requests the Authority not to consider the sample / non-commercial exports made by the participating producers / exporters for the grant of individual dumping and injury margin.
153. Attention is invited to the observation made in para no. 40 of the disclosure statement that withdrawal by CUMI towards the conclusion of the investigation and without proving any coherent reasoning for the same is unprincipled at the part of the applicant. In this context, it is submitted that the above observation is uncalled for as CUMI had vide letter dated 04 May, 2022 filed detailed business reasons which compelled them to withdraw as an applicant. It may be noted that CUMI requested in no uncertain terms that they should be considered as a supporter of the application. This clearly shows that CUMI had conducted itself in the most respectful and principled manner.
154. CUMI has withdrawn prior to the issuance of the disclosure statement. The domestic industry has requested the Authority not to conduct second oral hearing vide various communication as the interested parties have full opportunity to offer their comments on the investigation. The proposal of the domestic industry is in line with the recent practice followed by the Authority. It may be noted that in the anti-dumping investigation against imports of 'Plain Medium Density Fibre Board having thickness less than 6mm' from Vietnam, Malaysia, Thailand and Indonesia (Final Findings dated 20 April, 2021), one of the co-applicants [Century Plyboards (India) Limited] withdrawn its participation as constituent of domestic industry after the issuance of the disclosure statement and no opportunity was provided to the interested parties to even comment on its impact on the investigation.
155. The request made by the interested parties to impose reference price-based duty on the ground of undervaluation by some unscrupulous traders is completely illogical, without understanding of the facts and hence, should not be accepted. In order to support DI's submission in this context, attention of the Authority is invited to the following facts:
- Anti-dumping duty is calculated based on the actual price information of a particular producer / exporter. A producer / exporter who has undervalued the subject goods would be subject to the highest duty. Accordingly, there is no need to impose reference price-based duty.

- b) Reference price-based duty suffers from the possibility of abuse where the unscrupulous exporters/importers may artificially increase their prices to avoid the anti-dumping duties but resell in the Indian market at lower prices.
 - c) Most importantly, it may be noted that major raw materials are liable to significant price fluctuations in upward direction. Accordingly, the domestic industry apprehends that the import prices may rise mainly on account of the increase in the raw material cost. In such a case, the domestic industry may not be effectively protected.
 - d) Further, it is also submitted that the PUC involves many grades or types with different prices and costs. Under such circumstances, reference price-based duty may not effectively protect the domestic industry and make the entire process redundant.
156. Without prejudice to the above, it is submitted that there is no consensus between the interested parties on the form of duty since only one consulting group out of the four has requested for imposition of the reference form of duty.

L.3. Examination by the Authority

157. The Authority notes the submission made by the interested parties on granting of 22% ROCE. It is noted that the return on capital employed to be allowed has been calculated as per Annexure III of the Rules and as per the consistent practice of the Authority.
158. With regard to the request for price undertaking, it is noted that the request was made at the very last minutes. Further, the request was not in the proper format and information required to consider the request of accepting price undertaking was not provided. Accordingly, the request for the price undertaking cannot be accepted.
159. The Authority notes the submissions made by the interested parties regarding rejection of the responses of certain exporters. It is observed that the value chain of exports and exports details declared by the producer for the period of investigation is not correlating with the DG Systems data available with the Authority and was found to be incomplete.
160. The Authority notes the submission made by Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd. regarding typographical error in margins tables. It is noted that the same has been rectified.
161. As regards the submissions made by the domestic industry on rejection of the response of Sceptre Industrial & Trading Co., Ltd, it is noted that the Authority has examined the data and found it in order.
162. The Authority notes the submissions made by the domestic industry regarding not considering the sample / non-commercial exports made by some of the participating producers / exporters for the grant of individual dumping and injury margin to them. It is noted that the volume and price data of these producers / exporters was found to be in order and matching with the DG Systems data.
163. On the issue that the difference in the numbers reported in the confidential disclosure and the claims of the company is huge and the Authority has failed to provide any reasoning or basis for such reduction, even in the confidential disclosure, it is pointed out that the Authority has informed that it has relied upon the DG Systems data.
164. On the issue that the Authority did not inform about the DG Systems data mismatch during the course of verification and thus the action of the Authority is against the principle of natural justice, it is pointed out that the Authority can always compare the data submitted by the interested parties with the DG Systems data to check the reliability of the interested parties data.

M. CONCLUSION

165. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in the present findings, the Authority concludes that:
- i. The examination of imports of the product under consideration and the performance of the domestic industry clearly shows that the dumped imports from the subject country are being imported into India in significant quantities in both absolute and relative terms.

- ii. The imports are undercutting the prices of the domestic industry.
- iii. The import prices are also suppressing and depressing the prices of the domestic industry.
- iv. The production, sales, capacity utilization of the domestic industry has declined in the period of investigation.
- v. Profitability, cash profits, PBIT and ROCE has declined in the period of investigation. Growth is negative in almost all volume and price parameters in the period of investigation.
- vi. In view of the foregoing, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.
- vii. It would also be in the interest of domestic consumers of the subject goods to have reliable Indian domestic producers capable of competing with foreign producers. This is possible when the domestic producers are able to recover from the injury suffered due to the imports. If the current situation is allowed to continue, the Indian domestic producer would face further injury giving foreign producers increased leverage as against domestic producers. Further, if the domestic industry is allowed to suffer, the consumers will be left at the mercy of the imported goods.
- viii. The analysis of the impact of imposition of anti-dumping duties on public at large shows that the product under consideration is a very low value product and, therefore, the end consumer of the subject goods will not face any significant increase in prices if the anti-dumping duty is imposed.

N. RECOMMENDATIONS

A.1

166. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, Embassy of the subject country, exporters, importers and the other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is required to offset dumping and the consequent injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of the definitive antidumping duty on the imports of the subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder for a period of 5 years.
167. In terms of the provision contained in Rule 4(d) & Rule 17(1) (b) of the Rules, the Authority recommends imposition of the anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Column 7 of the Duty Table below is recommended to be imposed for five (5) years from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on imports of the subject goods described at Column 3 of the Duty Table, originating in or exported from China PR.

Duty – Table

S.N.	Heading / Subheading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Amount	UoM	Currency
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	68**	Resin Bonded Thin Wheels*	China PR	Any country including China PR	Henan New Yichang Abrasives Co., Ltd.	238.04	MT	US\$
2.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	U and K Science & Tech Co., Ltd.	282.78	MT	US\$
3.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Henan Youkai Grinding Abrasives Co., Ltd.	282.78	MT	US\$
4.	-do-	-do-	China PR	Any country	Yongkang Silver Star Abrasive Material	526.87	MT	US\$

				including China PR	Grinding Tool Co., Ltd.			
5.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Zhejiang Shuanghe Technology Co., Ltd.	526.87	MT	US\$
6.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Sceptre Industrial & Trading Co., Ltd.	Nil	MT	US\$
7.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Zhejiang White Horse Abrasives Co., Ltd.	236.6	MT	US\$
8.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Langfang Shengsen Abrasives Co., Ltd.	78.38	MT	US\$
9.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Zhengzhou Huifeng Abrasive Wheel Manufacturing Co., Ltd.	361.13	MT	US\$
10.	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any other than S.N.1 to 9	690.12	MT	US\$
11.	-do-	-do-	Any other country other than China PR	China PR	Any	690.12	MT	US\$

****Note 1:** The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

***Note 2:** Resin Bonded Thin Wheels of the following types are included:

- Cutting Wheels of 300 MM to 310 MM diameter, commonly referred to as 12 inch diameter.
- Cutting Wheels of 345 MM to 356 MM diameter, commonly referred to as 14 inch diameter.
- Ultra Thin Wheels of 100 MM to 110 MM diameter, commonly referred to as 4 inch diameter.
- Ultra Thin Wheels of 120 MM to 127 MM diameter, commonly referred to as 5 inch diameter.
- Grinding Wheels of 100 MM to 107 MM diameter, commonly referred to as 4 inch diameter
- Grinding wheels of 178 MM to 180 MM diameter, commonly referred to as 7 inch diameter.

Note 3:

- Cutting/Grinding Wheels made of raw material other than resin bonded abrasives are not covered under the scope of the subject goods.
- Ultra Thin Wheels cover cutting wheels of thickness up to 1.6 mm with tolerance of +/- 0.15mm.

O. FURTHER PROCEDURE

- Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
- An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

ANANT SWARUP, Designated Authority